मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	40.9	29.6
जमशेदपुर	41.1	25.8
डालटनगंज	40.0	21.6

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शनिवार 06 अप्रैल 2024 ● चैत्र कृष्ण पक्ष 12 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 347 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

रेपो रेट में बदलाव नहीं, जीडीपी सात फीसदी की उम्मीद

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को सात प्रतिशत पर बरकरार रखा है. यह 2023-24 के लिए 7.6 प्रतिशत के अनुमान से कम है. वहीं, रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है. एमपीसी ने इसे 5:1 के बहुमत के आधार पर 6.5% पर ही बरकरार रखा है. आरबीआई ने अपनी फरवरी की मौद्रिक नीति में एक अप्रैल से शुरू होने वाले वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था. आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए कहा कि इस वर्ष मानसून की स्थिति को सामान्य मानते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति का अनुमान 4.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है.

-शेष पेज 7 पर

यह चुनाव देश के लोकतंत्र को बचाने का चुनाव: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी होने के बाद कहा कि यह देश, लोकतंत्र एवं संविधान को बचाने का चुनाव है. उन्होंने यह भी कहा कि यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास करने वालों और संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा करने का प्रयास करने वालों के बीच है. राहुल ने संवाददाताओं से कहा कि यह चुनाव बुनियादी रूप से अलग है. मुझे नहीं लगता कि संविधान और लोकतंत्र को इतना खतरा पहले कभी था, जितना आज है. उन्होंने दावा किया कि एक तरफ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जो संविधान और लोकतंत्र पर आक्रमण और संस्थाओं पर कब्जा कर रहे हैं. दूसरी तरफ 'इंडिया' गठबंधन है, जो लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा करने के लिए है.

देश का विभाजन, कांग्रेस की पहचान है: नरेंद्र मोदी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर निशाना साधते हुए कहा कि वे सिर्फ अपना हित देखते हैं, उन्हें गरीब, दलित, शोषित-वंचित वर्ग के कल्याण और सम्मान से कोई मतलब नहीं है. पीएम ने कहा कि सेनाओं का अपमान और देश का विभाजन कांग्रेस की पहचान है. वह चुरू में भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र झाझड़िया के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने उकहा कि जीवन के हर पड़ाव पर भाजपा सरकार गरीब के साथ खड़ी है. जो काम इतने दशक में नहीं हुए, वे हमने 10 साल में कर दिखाए. कांग्रेस व 'इंडिया' गठबंधन पर हमला बोलते हुए मोदी ने कहा कि सेनाओं का अपमान, देश का विभाजन, कांग्रेस पार्टी की पहचान है. आज देश सशक्त है और दुश्मन को भी पता है कि यह मोदी है और यह नया भारत है.

भाजपा ने सभी भ्रष्ट लोगों को पार्टी में शामिल किया: ममता

जलपाईगुड़ी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और भ्रष्टाचार के बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा. कहा, टीएमसी और उनकी सरकार ने संदेशखालि में महिलाओं के कथित यौन शोषण में शामिल दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है. ममता ने जलपाईगुड़ी में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि टीएमसी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप राजनीति से प्रेरित हैं. उन्होंने कहा कि जब भी भ्रष्टाचार का कोई आरोप लगा है, हमने कार्रवाई की है और उस व्यक्ति को पार्टी से निकाल दिया है. लेकिन भाजपा ने सभी भ्रष्ट लोगों और अपराधियों को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया है. उनका इशारा कूच बिहार से भाजपा उम्मीदवार एवं केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक की ओर भी था.

जिसे किंगपीन बोला, उसी से लिए 55 करोड़: संजय

नई दिल्ली। आप नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि असली दिल्ली शराब घोटाला की शुरुआत ईडी की जांच शुरु होने के बाद हुई. पहला नजराना 15 नवंबर को पांच करोड़ का भाजपा को मिला. फिर जिसे किंगपीन बताते थे, उसी से 55 करोड़ रुपये लिए. यही है शराब घोटाले का मनी ट्रेल, जो सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 21 मार्च 2024 को इलेक्टोरल बॉण्ड के खुलासों से सबको पता चल गया है. 21 मार्च की शाम 6.45 बजे इस मनी ट्रेल का खुलासा होता है और 7.15 बजे मुख्यमंत्री केजरीवाल के घर पर ईडी की छापामारी शुरू हो जाती है और ढ़ाई घंटे बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है. तो असली बात यह है कि शराब घोटाला भाजपा ने किया है.

तीन इंश्योरेंस स्कीम का हाल

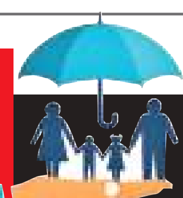

नाम बड़े और दर्शन छोटे

जोड़ने थे 50 करोड़ जुड़े सिर्फ 73.84 लाख

सुरजीत सिंह। लोकसभा चुनाव-2024 गारंटियों का चुनाव है. दोनों गठबंधन पार्टियां गारंटियों की बात कर रही हैं. इंडिया की तरफ से कांग्रेस गारंटी दे रही है, तो एनडीए की तरफ से भाजपा. राजनीतिक दलों की गारंटियों का सच जानने के लिए हमें 50 करोड़ गरीब, कमजोर वर्ग के लोगों के लिए तैयार तीन इंश्योरेंस योजनाओं का हाल जानना चाहिए. पांच साल पहले इन योजनाओं की शुरुआत गाजे-बाजे के साथ की गई. पर उनका हश्र देख कर वो कहावत याद आता है: नाम बड़े और दर्शन छोटे. आइए जानते हैं तीन योजनाएं कैन-कौन सी हैं.

01 **42** करोड़ मजदूरों व कम आय वर्ग वाले लोगों को जोड़ने के लिए बनी प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना.

02 **1.50** करोड़ रुपये से कम टर्न ओवर वाले तीन करोड़ व्यापारियों व स्व रोजगार वालों के लिए बनी राष्ट्रीय पेंशन योजना.

03 **02** हेक्टेयर से कम भूमिवाले पांच करोड़ छोटे किसानों के लिए बनी प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना.

इन तीनों योजनाओं की शुरुआत वर्ष 2019 में की गई थी. प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना की शुरुआत लोकसभा चुनाव से पहले पांच मार्च 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात से की थी, जबकि बाकी दोनों योजनाओं की शुरुआत झारखंड विधानसभा चुनाव-2019 से ठीक पहले रांची से हुई थी. पांच साल बाद इन योजनाओं की क्या स्थिति है, इसे जानना दिलचस्प है.

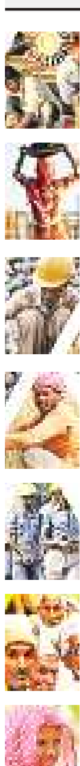

प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना

वर्ष	पंजीकृत लाभार्थी	बजट
2018-19	27,72,780	....
2019-20	16,14,328	500 करोड़
2020-21	1,36,792	500 करोड़
2021-22	1,28,369	400 करोड़
2022-23	2,72,494	350 करोड़
2023-24	65,000	350 करोड़
2024-25	....	177 करोड़

इस योजना के तहत 18 से 40 वर्ष उम्र के मजदूर व कामगार 55 से 200 रुपये का प्रीमियम देंगे. सरकार भी इतनी ही राशि देगी और 60 वर्ष की उम्र होने पर प्रति माह 3000 रुपये पेंशन मिलेगी. इस योजना से 42 करोड़ लोगों को जोड़ने का वादा किया गया था. पांच साल में 49,89,763 ही जुड़ सके. आंकड़े से स्पष्ट है कि मजदूर इस योजना को भूलते जा रहे हैं या उन्हें याद भी नहीं. सरकार के स्तर से भी योजना को लेकर कोई प्रचार-प्रसार नहीं किया जा रहा है. तो खर्च का बजट भी कम होता जा रहा है. हम भी भूल चुके हैं कि ऐसी कोई योजना है. योजना के फेल होने की एक बड़ी वजह यह भी है कि मजदूरों व कामगारों के पास प्रीमियम देने के पैसे ही नहीं हैं. वे तो पांच किलो अनाज पर निर्भर हो चुके हैं.

व्यापारियों व स्वरोजगार वालों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना

वर्ष	लाभार्थी	बजट	खर्च
2019-20	37,534	750 करोड़	1.56 करोड़
2020-21	6,607	180 करोड़	5.94 करोड़
2021-22	5,792	150 करोड़	24 लाख
2022-23	2,424	50 करोड़	02 लाख
2023-24	1591	....	....

आपको याद होगा झारखंड विधानसभा चुनाव 2019 से ठीक पहले सितंबर माह में इस योजना की शुरुआत रांची से हुई थी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना की शुरुआत करते हुए कहा था कि देश भर के तीन करोड़ व्यापारियों व स्व रोजगार करने वालों को इसका फायदा होगा. लेकिन हालत यह है कि सिर्फ 53,948 लोगों ने इस योजना के तहत पंजीकरण कराया. लक्ष्य का एक प्रतिशत भी नहीं. अब तो लोग इसे भूल भी चुके हैं. इस योजना के तहत भी वैसे व्यापारी या स्वरोजगार करने वाले शामिल हो सकते हैं, जिनका सलाना टर्न ओवर 1.50 करोड़ से कम होगा और उनकी उम्र 18-40 वर्ष के बीच हो. पंजीकरण कराने वाले 55 रुपये से लेकर 200 रुपये तक के प्रीमियम देंगे और उतनी ही राशि केंद्र सरकार देगी. 60 साल की उम्र होने पर लाभार्थी को 3000 रुपये मासिक पेंशन मिलेगी.

प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना

वर्ष	बजट	लाभार्थी
2019-20	125 करोड़	19,96,983
2020-21	110 करोड़	1,13,754
2021-22	40 करोड़	1,49,012
2022-23	12.50 करोड़	72,436
2023-24	100 करोड़	8,007

पांच साल में कुल 23,40,192 किसान इस योजना के लाभार्थी बने. इसकी शुरुआत भी झारखंड विधानसभा चुनाव 2019 से ठीक पहले सितंबर माह में प्रधानमंत्री मोदी ने की थी. पांच करोड़ किसानों को जोड़ने का लक्ष्य था. लेकिन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि इस योजना को लोग भूल चुके हैं और किसानों की इसमें दिलचस्पी नहीं है या फिर सरकार भी यही चाहती है.

(नोट: आंकड़ों का आधार न्यूज लाउंड्री को आरटीआई से मिली जानकारी और लोकसभा व राज्यसभा में सरकार का जवाब है.)

कांग्रेस ने न्याय पत्र के नाम से जारी किया घोषणा पत्र

इलेक्टोरल बॉन्ड में संदिग्ध सौदों की जांच का किया वादा

▪ जाति जनगणना, आरक्षण सीमा बढ़ाने समेत अन्य कई वादे भी किए

भाषा। नयी दिल्ली

देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने शुक्रवार को अपना घोषणा पत्र जारी किया. इसमें प्रमुख तौर पर इलेक्टोरल बॉन्ड की संदिग्ध सौदों की जांच का जिक्र किया गया है. कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र को 'न्याय पत्र' नाम दिया है. इसे पांच न्याय और 25 गारंटी पर आधारित रखा गया है. घोषणा पत्र में कांग्रेस ने जाति जनगणना, आरक्षण सीमा बढ़ाने, किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी और नई शिक्षा नीति में संशोधन समेत कई वादे किए हैं.

कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी की मौजूदगी में यह घोषणापत्र जारी किया गया. इस अवसर पर अध्यक्ष खरगे ने कहा कि इस घोषणा पत्र में भविष्य के शानदार भारत की तस्वीर नजर आती है. वहीं, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि संविधान तथा लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास करनेवालों और इन्हें बचाने की कोशिश करनेवालों के बीच यह चुनाव होने जा रहा है.

-शेष पेज 7 पर

पांच न्याय और 25 गारंटी पर आधारित है घोषणा पत्र

कांग्रेस का घोषणा पत्र पांच न्याय - 'हिस्सेदारी', 'किसान', 'नारी', 'श्रमिक' और 'युवा' न्याय पर आधारित है. पार्टी ने 'युवा न्याय' के तहत जिन पांच गारंटी की बात की है, उनमें 30 लाख सरकारी नौकरियां देने और युवाओं को एक साल के लिए प्रशिक्षुता कार्यक्रम के तहत एक लाख रुपये देने का वादा शामिल है. 'हिस्सेदारी न्याय' के तहत जाति जनगणना कराने और आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म करने की 'गारंटी' दी गई है. 'किसान न्याय' के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने, कर्ज माफी आयोग के गठन तथा जीएसटी मुक्त खेती का वादा किया गया है.

भाजपा सिर्फ घोषणा पत्र जारी नहीं करती, वादे भी पूरा करती है : मोदी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राजस्थान के चुरू में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस का नाम लिए बिना उसके घोषणा पत्र पर तंज कसा. उन्होंने कहा, " भाजपा जो कहती है, वो जरूर करती है. दूसरी पार्टियों की तरह सिर्फ घोषणा पत्र जारी नहीं करती है. मोदी ने कहा, हम तो संकल्प पत्र लेकर आते हैं. 2019 में हमने जो संकल्प पत्र जारी किया था, उसके ज्यादातर संकल्प पूरे हो चुके हैं. कश्मीर में धारा 370 खत्म हो चुकी है. तीन तलाक पर कानून, हमारी मुस्लिम बहनों की मदद कर रहा है. प्रधानमंत्री ने कांग्रेस व 'इंडिया' गठबंधन पर हमला बोला. कहा, सेनाओं का अपमान, देश का विभाजन, ये कांग्रेस पार्टी की पहचान है. जब तक 'इंडिया' गठबंधन के लोग सत्ता में रहे, उन्होंने हमारे जवानों के हाथ बांध कर रखे.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	66,300
चांदी (किलो)	84,000

ब्रीफ खबरें

नहीं रहे झारखंड के पहले ऊर्जा मंत्री लालचंद महतो

रांची। झारखंड के पहले ऊर्जा मंत्री लालचंद महतो का दुरुवार देर रात लालपुर रांची स्थित आवास पर निधन हो गया. वे लालपुर के अमरावती अपार्टमेंट स्थित अपने फ्लैट के बाथरूम में गिरकर बेहोश हो गए थे. उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. महतो की तबीयत पिछले कुछ दिनों से खराब चल रही थी. इसके बावजूद विभिन्न क्षेत्रीय पार्टियों व संगठनों को मिलाकर तीसरा मोर्चा का गठन कर लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी उतारने की घोषणा की थी.

लालू यादव के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के खिलाफ मध्य प्रदेश की ग्वालियर कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है. ग्वालियर के एमपी-एमएलए कोर्ट से स्थाई वारंट जारी किया गया है. यह वारंट आर्म्स एक्ट के मामले में जारी हुआ है. साल 1995 और 1997 के फार्म 16 के तहत हथियारों की सप्लाई का आरोप लगा है. बता दें कि साल 1995 और 1997 में फर्जी फॉर्म नंबर 16 (जो आर्म्स डीलर के लिए जारी होते हैं) को तैयार कर हथियारों की सप्लाई के मामले में पूर्व सीएम लालू प्रसाद की गिरफ्तारी का वारंट जरी किया गया है.

आप की राह पर झामुमो | 21 को प्रभात तारा मैदान में न्याय उलगुलान महारैली, जुटेंगे 'इंडिया' के नेता

गांडेय विधानसभा सीट से कल्पना सोरेन होंगी प्रत्याशी

विशेष संवाददाता। रांची

आम आदमी पार्टी की राह पर अब झामुमो ने चलने का मन बनाया है. जिस प्रकार से दिल्ली के सीएम की गिरफ्तारी के विरोध में दिल्ली के रामलीला मैदान में आम आदमी पार्टी ने रैली आयोजित की थी. उसी तरह देर से ही सही मगर झामुमो ने भी महारैली की घोषणा की है. आगामी 21 अप्रैल को रांची के प्रभात तारा मैदान में झामुमो, न्याय उलगुलान महारैली करने वाली है.

यह निर्णय शुक्रवार को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के नेतृत्व में कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास में हुई झामुमो सांसद और विधायकों की बैठक में लिया गया. इस रैली में इंडिया गठबंधन के तमाम राष्ट्रीय स्तर के नेताओं को बुलाया जाएगा. बैठक में गांडेय विधानसभा सीट से कल्पना सोरेन की उम्मीदवारी पर भी मुहर लगी है. बैठक में कल्पना भी मौजूद थीं.

कल्पना करेंगी 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं की अगवानी

झामुमो की इस रैली के माध्यम से 'इंडिया' गठबंधन झारखंड में लोकसभा चुनाव के अपने संयुक्त अभियान का आधिकारिक आगाज करेगा. रांची के प्रभात तारा मैदान में न्याय उलगुलान रैली में कल्पना सोरेन पर भी निगाहें होंगी कि वे इंडिया गठबंधन के तमाम दिग्गज नेताओं की अगवानी किस प्रकार करती हैं. कैसे वह, झारखंड में हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी सहित अन्य मुद्दों पर सहयोगी दल के नेताओं को बोलने के लिए तैयार करती हैं. बताया गया है कि न्याय उलगुलान रैली में अपने-अपने समर्थकों के साथ विधायक जुटेंगे. बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को रांची लाने की जवाबदेही भी दी गयी है.

विधायकों को मिला लोकसभा जिताने का टास्क

भट्टाचार्य ने बताया कि बैठक में सभी विधायकों को कहा गया है कि अपने-अपने क्षेत्र में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित कराएं. इसके लिए उन्हें हर प्रकार का सहयोग प्रत्याशियों को देना है. वहीं विधायकों को कहा गया है कि उनके अपने लोकसभा क्षेत्र के अलावा आसपास के अन्य लोकसभा क्षेत्र में भी जहां उनका प्रभाव है, वहां अपने प्रभाव का उपयोग करें. मतदाताओं को गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित करें. गांव-गांव जाएं और लोगों को राज्य सरकार की योजनाओं के बाबत जानकारी देते हुए मतदान करने के लिए प्रेरित करें.

ऐसी रैली होगी जो पहले कभी नहीं हुई: चंपाई : सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि यह रैली अपने आप में ऐतिहासिक होने वाली है. कहा कि हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ यह आक्रोशित लोगों की रैली होगी. जिसमें पूरे भारतवर्ष से भाजपा को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया जाएगा.

लोबिन व चमरा लिंडा नहीं पहुंचे : झामुमो विधायकों और सांसदों की बैठक में दो विधायक लोबिन हेंब्रम और चमरा लिंडा नहीं पहुंचे. चमरा लिंडा लोहरदगा सीट कांग्रेस से नहीं लेने के कारण नाराज बताए जा रहे हैं. वहीं, लोबिन हेंब्रम राजमहल से प्रत्याशी बनाने की मांग पर अड़े हैं.

संजय सिंह ने मगुड्डा रेड्डी व नरेंद्र मोदी की फोटो जारी कर लगाया आरोप

'भाजपा ने किया दिल्ली का शराब घोटाला'

लगातार मीडिया नेटवर्क

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने जेल से छूटने के दो दिन बाद शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस किया. उन्होंने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए. कहा कि शराब घोटाले से जुड़े दो नाम हैं- पहला मगुंटा रेड्डी, जिसने तीन बयान दिए और उसके बेटे राधव मगुंटा रेड्डी ने सात बयान दिए. ईडी ने इनसे पूछा कि क्या अरविंद केजरीवाल से मिले थे, तो कहा था हां मिला था, लेकिन दूसरे काम के लिए. इसके बाद राघव को गिरफ्तार कर लिया गया. पांच माह जेल में रहा. इस दौरान उसके सात बयान लिए गए. छह बयान में अरविंद केजरीवाल के बारे में पूछा जाता है. हर बयान में ना कहा. पांच माह के जेल के बाद वह टूट जाता है. सातवें बयान में वह बदल जाता है और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बयान देता है. छह बयानों को यह कह किनारे रख दिया गया कि ईडी को उस पर भरोसा नहीं है. ईडी उन बयानों को दिखाना नहीं चाहती थी. वकीलों ने जब बयान देखा, तब यह पता चला.

दो टूक

- ईडी की जांच शुरु होने के बाद हुआ शराब घोटाला
- सवाल यह है कि मगुंटा रेड्डी और राघव रेड्डी है कौन
- छह बयान में ना, सातवें में लिया केजरीवाल का नाम

संजय सिंह ने आगे कहा- सवाल यह है कि मगुंटा रेड्डी और राघव रेड्डी हैं कौन, जिसे ईडी ने शराब घोटालेबाज बताया. एक तस्वीर जारी करते हुए कहा कि मगुंटा रेड्डी सांसद हैं, जो भारत के प्रधानमंत्री के साथ गलबहिया करते देखे जा सकते हैं. अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बयान देने के दो दिन बाद राघव रेड्डी की जमानत हो जाती है. भारत के प्रधानमंत्री के साथ इस शराब घोटाले बाज का क्या रिश्ता है. आज की तारीख में वह टीडीपी से चुनाव लड़ रहा है और प्रधानमंत्री की तस्वीर लगाकर वोट मांग रहा है.

संजय सिंह ने यह भी कहा, दूसरा नाम है शरद रेड्डी का है. 9 नवंबर 2022 को शरद रेड्डी से पूछताछ में बताया कि अरविंद केजरीवाल से कभी मिला नहीं. जानता भी नहीं. 10 नवंबर 2022 को उसे गिरफ्तार कर लिया जाता है. 25 अप्रैल 2023 तक वह जेल में रहा. उससे ईडी ने 12 बयान लिए. इसके बाद वह टूट गया और 25 अप्रैल को केजरीवाल के खिलाफ बयान दे दिया. कोर्ट के आदेश पर सारे बयान पढ़े गए. तब पता चला कि किसी में भी अरविंद केजरीवाल का नाम नहीं लिया. फिर उसकी बेल हो जाती है. भाजपा और ईडी उसे शराब का घोटालेबाज बताती है.

ब्रीफ खबरें

रामटहल से मिले सदान मोर्चा अध्यक्ष

रांची। कांग्रेस में शामिल होने के बाद पूर्व सांसद रामटहल चौधरी से मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने मुलाकात की. दोनों के बीच मूलवासी सदानों और राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई. दोनों नेताओं ने माना कि झारखंड के विकास के लिए मूलवासी सदान और आदिवासी को मिलकर झारखंडियों को संसद और विधानसभा में पहुंचाना होगा. तभी झारखंड का विकास संभव है. राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि मूलवासी सदान मोर्चा इस बार प्रयास करेगा कि मूलवासी सदानों की अनदेखी करने वाले बड़े नेताओं को संसद नहीं पहुंचने दिया जाए. उन्होंने रामटहल चौधरी से लोकसभा चुनाव पर भी बातचीत की.

कांग्रेस वार रूम इंचार्ज की बैठक आज

रांची। झारखंड के सभी 14 लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, प्रदेश प्रवक्ता, झारखंड वार रूम के इंचार्ज की बैठक शनिवार को होगी. उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनल शांति ने बताया कि बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर ,प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर उपस्थित रहेंगे. बैठक में सभी जिला अध्यक्षों और प्रभारी के साथ क्षेत्रवार विस्तृत रिपोर्ट पर चर्चा की जाएगी . बैठक दोपहर दो बजे से करमटोली स्थित द रांची प्रेस क्लब के सभागार में होगी.

जयंती पर याद किए गए जगजीवन राम

रांची । प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम की जयन्ती कांग्रेस भवन में शुक्रवार को मनाई गयी. इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की. मौके पर कांग्रेस महासचिव राकेश सिन्हा ने कहा कि जगजीवन राम एक कुशल प्रशासक थे. बाबू जगजीवन राम महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी थे, उन्होंने दलितों और पीड़ितों के संघर्ष को नया आयाम दिया. वह अपनी विद्वता एवं सूझ-बूझ से जिस मंत्रालय का प्रभार संभाला, वह मंत्रालय प्रभावी साबित हुआ.

मोदी सरकार की उपलब्धियां बताएं

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया विभाग की शुक्रवार को हुई बैठक में राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक उपस्थित हुए. बैठक में उन्होंने लोकसभा चुनाव के दृष्टिकोण से मीडिया विभाग की भूमिका को विस्तार से बताया. बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 10 वर्षों की उपलब्धियों को जनता के बीच लेकर जाना है. उन्होंने कहा कि भाजपा को देवतुल्य जनता से मिल रहा अपार स्नेह दिखाता है कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बदलते और आगे बढ़ते भारत को देखा है, जो अब विकसित होने की और अग्रसर है. उन्होंने कहा कि फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार के संकल्प के साथ कार्य में लग जाएं.

गिरिनाथ के बाद सुनील सोरेन, घूरन राम, शशिभूषण सामड, बड़कुंवर गगराई भी तलाश रहे संभावना !

टिकट पाने के लिए बदले थे दल, अब पुराने घर में वापसी की छटपटाहट

खास बातें

- दल बदलने के बाद भी हर तरफ से निराशा ही मिली
- टिकट की चाह में दल बदला नहीं मिला, तो दम घुटने लगा

सत्य शरण मिश्रा। रांची

चुनाव की आहट होते ही राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के दलबदल का दौर शुरू हुआ था, जो अबतक जारी है. झारखंड के कई नेताओं ने चुनाव लड़ने की इच्छा लिए पार्टी बदली थी, लेकिन दल बदलने के बाद भी उन्हें निराशा ही हाथ लगी. अब ऐसे नेता अपने पुराने घर में वापस जाने के लिए छटपटा रहे हैं.

2019 में चुनाव से पहले राजद नेता और पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह भाजपा में शामिल हुए थे, लेकिन तब भाजपा ने चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं दिया. 2024 में टिकट मिलने की उम्मीद में उन्होंने पांच साल इंतजार किया. चतरा लोकसभा सीट से वे टिकट के दावेदार थे, लेकिन इस बार भी उन्हें निराशा हाथ लगी. अब अपने राजनीतिक करियर को बचाने के लिए उन्होंने फिर से राजद का दामन थाम लिया है. चर्चा है कि वे चतरा से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार हो सकते हैं. इसी तरह सुनील सोरेन, घूरन राम और शशिभूषण सामड जैसे और भी नेता भी भाजपा से निराश होकर नया ठिकाना तलाश रहे हैं.

क्या सुनील सोरेन के लिए झामुमो में खुलेगा संभावनाओं का द्वार ?

भाजपा ने दुमका के सांसद सुनील सोरेन को पहले टिकट दिया और फिर उनसे टिकट वापस लेकर सीता सोरेन को दे दिया. सुनील सोरेन झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के राजनीतिक शिष्य रहे हैं. गुरु से बगावत कर उन्होंने भाजपा के टिकट पर कई बार चुनाव लड़कर उन्हें कड़ी टक्कर दी. आखिरकार 2019 में उन्होंने गुरुजी को मात दे दी, लेकिन चुनाव से ठीक पहले गुरुजी की बहू सीता सोरेन के भाजपा में आने के बाद पार्टी ने सुनील सोरेन को दरकिनार कर दिया. मंगलवार को एनडीए की बैठक में शामिल नहीं होकर सुनील ने अपनी नाराजगी जाहिर कर दी है. राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि दुमका का राजनीतिक समीकरण बदल सकता है. सुनील सोरेन झामुमो में शामिल हो सकते हैं, और झामुमो उन्हें सीता सोरेन के खिलाफ चुनाव मैदान में उतार सकती है. इस बारे में झामुमो के वरिष्ठ नेता मनोज पांडेय ने कहा कि राजनीति में संभावनाओं का द्वारा हमेशा खुला रहता है. हालांकि अभी ऐसी कोई बात नहीं है.

पूर्व सांसद घूरन राम भी घर लौटने को छटपटा रहे

पलामू से सांसद रहे घूरन राम पिछले कई साल से राजद के टिकट पर पलामू से चुनाव लड़ रहे थे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल रही थी. इस बार राजनीतिक गलियारे में चर्चा थी कि भाजपा पलामू के सांसद बीडी राम का टिकट काट सकती है. मौका देखते ही घूरन राम भाजपा में शामिल हो गये, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी. भाजपा ने फिर से बीडी राम को टिकट दे दिया. अब घूरन राम मन मसोस कर भाजपा की सेवा में लग गये हैं. पुराने में वापसी करने के लिए छटपटा रहे हैं. राजद नेताओं और कार्यकर्ताओं से संपर्क में हैं. पूछने पर कहा कि टिकट की उम्मीद में ही भाजपा में शामिल हुआ था, लेकिन टिकट नहीं मिला. फिलहाल भाजपा में हैं और हमेशा यहीं रहेंगे.

बड़कुंवर व शशिभूषण भी तलाश रहे नया विकल्प

चक्रधरपुर से झामुमो के विधायक रहे शशिभूषण सामड और मझगांव के पूर्व विधायक बड़कुंवर गगराई सिंहभूम लोकसभा सीट के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रहे थे, लेकिन चुनाव से ठीक पहले भाजपा ने कांग्रेस की गीता कोड़ा को पार्टी में शामिल कराके उन्हें अपना उम्मीदवार बना दिया. टिकट नहीं मिलने से दोनों नेता नाराज हैं. दोनों नेता अपना राजनीतिक करियर बचाने के लिए एक बार फिर से नये विकल्प की तलाश में हैं.

अभिषेक प्रसाद पिंटू के समर्थन में खड़ी हुई पार्टी, विपक्ष पर साधा निशाना, कहा

केस का ओर-छोर जाने बिना उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है भाजपा

मीडिया भी खुद जज, ज्यूरी और जल्लाद की भूमिका में, बयान को तोड़-मरोड़ कर एजेंडा साध रहे हैं

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार और पार्टी नेता अभिषेक प्रसाद पिंटू के समर्थन में कूद पड़ा है. पार्टी ने अभिषेक प्रसाद पिंटू द्वारा दिए गए बयान को भाजपा पर तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया है. पार्टी की ओर जारी बयान में मीडिया पर भी निशाना साधा गया. कहा कि इस प्रकरण में लोग खुद जज, ज्यूरी और जल्लाद की भूमिका में आ गए हैं. केस का पूरा ओर-छोर जाने बिना पिंटू के बयान के अंश को तोड़-मरोड़ कर एजेंडा को साध रहे हैं. लोग उनके बयान का अनर्गल मतलब निकाल रहे हैं.

अभिषेक ने कभी नहीं कहा कि जमीन हेमंत की है

पार्टी ने अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू के समर्थन में तर्क दिया. झामुमो का कहना है कि अभिषेक के बयान में कहीं भी ये नहीं लिखा है कि बड़गाईं अंचल की जमीन हेमंत सोरेन की है. पाहन लोग जो जमीन के मालिक हैं, जो भुईंहर हैं, उनका कहना है कि जमीन उनकी है. वे ही दखलकार हैं. केस लंबित होने के बावजूद मीडिया केस से संबंधित भ्रामक पक्ष फैला रहा है, जो अनुचित है. झामुमो का कहना है कि मुख्यमंत्री कार्यालय में जमीन विवाद के सैकड़ों आवेदन हर माह आते हैं. ऐसे में किसी जमीन का सत्यापन करने को कहने मात्र से जमीन उसका नहीं हो जाता है.

मामला ईडी द्वारा दाखिल चार्जशीट से जुड़ा

पूरा मामला ईडी द्वारा दाखिल चार्जशीट से जुड़ा है. 30 मार्च को ईडी ने जमीन घोटाला केस में चार्जशीट दाखिल की है. इसमें हेमंत सोरेन सहित कुल पांच लोगों को आरोपी बनाया गया है. इसी चार्जशीट में हेमंत सोरेन के पूर्व प्रेस सलाहकार अभिषेक पिंटू का भी बयान है. बकौल ईडी, अभिषेक पिंटू ने बताया कि उसने हेमंत सोरेन के कहने पर सीएमओ के अधिकारी उदय शंकर को बड़गाईं में 8.86 एकड़ जमीन का सत्यापन कराने का निर्देश दिया था. साथ ही उसने दो और जमीन का भी सत्यापन कराने को कहा था, जो हेमंत सोरेन और उनके परिवार से जुड़ी है.

भाजपा सांसद दीपक प्रकाश ने दिया था बयान

भाजपा का राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश ने गुरुवार को अपने ऑफिशियल फेसबुक पेज पर लिखा कि "भ्रष्टाचार और लूट की यारी ज्यादा दिन तक नहीं टिकती. कानून का शिकंजा कसता देख अच्छे-अच्छे साथ छोड़ जाते हैं. आखिरकार, हेमंत सोरेन के भरोसेमंद उनके पूर्व प्रेस सलाहकार अभिषेक पिंटू ने सच कबूल ही लिया कि वह हेमंत सोरेन के कहने पर ही लूट-खसोट (बड़गाईं जमीन लूट) का सारा खेल खेलते थे".

मौसम अलर्ट : राज्य के कुछ जिलों में लू, कुछ में बारिश होगी

संवाददाता। रांची

झारखंड में आनेवाले एक- दो दिनों मौसम के दो रंग देखने को मिलेंगे. मौसम विभाग के जारी आंकड़े के अनुसार झारखंड के कुछ जिलों में बारिश और कुछ में लू को लेकर चेतावनी जारी की गयी है. विभाग के अनुसार, छह अप्रैल को राज्य के उत्तरी हिस्से गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, जामताड़ा, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, साहिबगंज में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है. वहीं राज्य के दक्षिण-पूर्वी भागों पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज के कुछ हिस्सों में लू चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी की है.

बारिश के बाद गर्मी से मिलेगी राहत : पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा. राज्य के दक्षिण-पूर्वी भागों में एक-दो स्थानों पर लू की भी स्थिति बनी. सबसे अधिक 42.9 डिग्री सेल्सियस तापमान गोड्डा का रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस तापमान डालटनगंज में दर्ज किया गया. राज्य में अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है. वहीं राज्य में बारिश के बाद इसमें 4 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है.

शहर का तापमान

रांची	38.2,	23.0
जमशेदपुर	42.0,	25.8
डाल्टेनगंज	41.0,	21.6
बोकारो	38.1,	22.2
चाईबासा	41.0,	23.8
देवघर	41.3,	25.5
गिरिडीह	38.9,	25.5
गढ़वा	40.7,	24.2
सरायकेला	42.6,	24.5
गोड्डा	42.9,	22.3

आज से 11 अप्रैल तक बारिश-बज्रपात के आसार : मौसम विभाग के अनुसार छह से 11 अप्रैल तक राज्य में बारिश होने की संभावना है. छह व सात अप्रैल को राज्य के उत्तरी भागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है. राज्य में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के झोंके के साथ वज्रपात होने की भी संभावना है. आठ अप्रैल को राज्य के दक्षिण-पूर्वी व मध्य भागों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा और गर्जन के साथ 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा बहेगी और वज्रपात के भी आसार है. वहीं 11 अप्रैल तक राज्य के दक्षिणी भागों में बारिश की संभावना है.

सीता सोरेन का एक बार फिर परिवार पर हमला | गुरुजी की चलती तो मुझे कभी पार्टी से निकलने नहीं देते

गंठबंधन सरकार पत्थर और जमीन की लूट में शामिल,जनता हिसाब चुकाएगी

विशेष संवाददाता। रांची

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बड़ी बहु और भाजपा नेत्री सीता सोरेन ने एक बार फिर अपने परिवार पर बड़ा हमला बोला है. उन्होंने अपने ससुर शिबू सोरेन को लेकर ट्वीट किया है. कहा कि झामुमो में अब शिबू सोरेन की नहीं चलती है. झामुमो में कुछ ठीक नहीं है, अगर ठीक होता तो मेरे ससुर मुझे पार्टी से निकलने ही नहीं देते. सीता ने ट्वीट कर कहा है कि " शिबू सोरेन जी की अब झारखंड मुक्ति मोर्चा में नहीं चलती है, अगर झामुमो में उनका सब कुछ ठीक-ठाक रहता, तो वे मुझे पार्टी से निकलने ही नहीं देते."

दुर्गा के निधन के बाद उन्हें पार्टी में नहीं दिया गया महत्व : सीता सोरेन शुक्रवार को जामताड़ा पहुंचीं और कार्यकर्ताओं संग बैठक कीं. कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनते ही उनके स्व. पति दुर्गा सोरेन की मौत की जांच के लिए टीम का गठन किया जाएगा. कहा कि दुर्गा सोरेन के निधन के बाद मुझे पार्टी में कभी महत्व नहीं दिया गया. पार्टी ने कभी नहीं अपनाया. मजबूरन मुझे यह कदम उठाना पड़ा. सीता ने कहा कि झारखंड गठन का मूल उद्देश्य पीछे छूट गया है. गठबंधन सरकार पर हमला करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार पत्थर और जमीन की लूट में शामिल है. जनता हिसाब चुकाएगी.

झारखंड में सरकार बनते ही दुर्गा सोरेन की मौत की जांच के लिए टीम गठित होगी

कई बार विधायक रहने के बाद भी नहीं मिला उचित सम्मान

सीता ने कहा मैं कई बार विधायक रही, लेकिन पार्टी में उचित मान- सम्मान नहीं मिला. स्व. दुर्गा सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए बहुत काम किया. इसके बावजूद पार्टी ने उनके विचारों को आत्मसात नहीं किया. मैंने कई बार उनकी मौत की जांच की गुहार लगाई, जिसे अनसुना कर दिया गया. उन्होंने कहा कि परिस्थितियां ही ऐसी बन गईं थीं कि मुझे भाजपा जैसी विशाल पार्टी में आना पड़ा. ये विकास की पार्टी है. हम सभी 14 लोकसभा सीटें जीतेंगे.

250 गांवों में मिट्टी के नमूनों, देशी गोवंश व परंपरागत छोटे कृषि यंत्रों का पूजन होगा

झारखंड में नौ अप्रैल से एक माह तक भूमि सुपोषण और संरक्षण अभियान चलेगा

संवाददाता। रांची

खेती बारी में रासायनिक उर्वरक, कीटनाशक और खर-पतवार नाशक का उपयोग कम करने, कृषि कार्य में पानी की खपत कम करने और देशी बीज एवं देशी गोवंश का प्रसार करने के उद्देश्य से झारखंड में प्रथम चरण में नौ अप्रैल से 10 मई तक भूमि सुपोषण एवं संरक्षण जन अभियान चलाया जाएगा. रामकृष्ण मिशन आश्रम रांची के सचिव स्वामी स्वामी भावेशानंद , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ग्राम विकास की राष्ट्रीय टोली के सदस्य सिद्धनाथ सिंह व प्राकृतिक खेती विशेषज्ञ सिद्धार्थ जायसवाल ने शुक्रवार को रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय), मोरहाबादी में अभियान के बारे में जानकारी दी. उन्होंने कहा कि मिट्टी संरक्षण, देशी गाय के गोबर-गोमूत्र और जीवामृत आधारित कृषि व श्रीअन्न (स्मॉल मिलेट्स) की खेती को बढ़ावा देकर मिट्टी का स्वास्थ्य सुधारा जा सकता है. उन्होंने कहा कि स्वस्थ मिट्टी से स्वस्थ फसल, स्वस्थ मानव और स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है. वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति के रूप में गाय से प्राप्त पंचगव्य सिस्टम ऑफ मेडिसिन बहुत प्रभावी है. कई असाध्य रोगों के इलाज में कारगर है.

खास बातें

- बढ़ते प्रदूषण के कारण उत्पादन पर पड़ रहा असर
- स्वस्थ मिट्टी से ही स्वस्थ फसल-स्वस्थ समाज संभव

जहरीले रसायनों के प्रयोग से कैंसर जैसी बीमारियां बढ़ रहीं : देश में रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग एवं कीट नियंत्रकों के उपयोग से जमीन में जैविक कार्बन की मात्रा लगातार घटती जा रही है. जहरीले रसायनों के प्रयोग से कैंसर जैसी बीमारियां निरंतर बढ़ रही हैं. रसायन के कारण खेती अब बाजार आधारित हो गई है, जिससे फसल उत्पादन लागत बढ़ने से खेती घाटे का कारण बन रही है. भारत में कृषि भूमि में घटते कार्बन स्तर और बंजर होती जा रही धरती को बचाने के लिए देश की प्रमुख संस्थाओं ने सामूहिक रूप से भूमि सुपोषण एवं संरक्षण के लिए राष्ट्र स्तरीय जन अभियान चलाया है. कृषि एवं पर्यावरण क्षेत्र के वैज्ञानिकों ने कई बार चिंता व्यक्त की है. खेती की भूमिका के साथ ही साथ भौतिक, रासायनिक और जैविक संतुलन बिगड़ता जा रहा है. जमीन में बढ़ते प्रदूषण के कारण उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ने वाली है. मौके पर प्रांत ग्राम विकास, झारखंड के प्रमुख महेंद्र प्रसाद, चंद्र मोहन महतो, पंकज वत्सल, अविनाश कुमार समेत अन्य मौजूद थे.

मतदान की सुविधा देश में 85 साल तक के 81,87,999 वरिष्ठ मतदाता ,100 साल से अधिक के 2,18,442 मतदाता

85 साल के वयोवृद्ध और दिव्यांग के लिए घर पर मतदान की सुविधा

संवाददाता। रांची

85 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति डाक मतपत्र का ऑप्शन चुन सकते हैं और अपना वोट घर से ही डाल सकते हैं. साथ ही 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग नागरिक भी घर से वोट डालने के लिए डाक मतपत्र का विकल्प चुन सकते हैं. चुनाव आयोग ने दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिक को यह सुविधा प्रदान की है. देश में 10 मार्च तक 85 साल से के 81,87,999 वरिष्ठ मतदाता ,100 साल से ऊपर के 2,18,442 मतदाता हैं.

क्या करना होगा घर पर मतदान के लिए

आपको एक फार्म भरना होगा. यह फार्म चुनाव आयोग (ईसीआई) की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है. घर से मतदान का विकल्प चुनने वाले दिव्यांग मतदाताओं के पास दिव्यांगता प्रमाण पत्र होना चाहिए.

बीएलओ से भी ले सकते हैं फार्म

85 वर्ष से ऊपर के वरिष्ठ मतदाताओं और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को बीएलओ के पास मौजूद फॉर्म 12डी भरकर देना होगा. या फिर इस फार्म को निर्वाची पदाधिकारी के कार्यालय में स्थित मतपत्र कोषांग से भी प्राप्त किया जा सकता है.

फार्म भरने के बाद क्या करना है

फॉर्म को भरकर अपने बीएलओके पास जमा करा दें. फार्म में वोटर कार्ड में दर्ज एपिक नंबर जरूर भर दें. दिव्यांग नागरिक अपने फार्म के साथ 40 प्रतिशत से अधिक का दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी संलग्न करें. इसे बीएलओ के पास जमा करें या सीधे निर्वाची पदाधिकारी के कार्यालय में.

क्या है पूरी प्रक्रिया *घर से वोट डालने की प्रक्रिया आसान है. जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) मुख्य मतदान के दिन से पहले घरेलू मतदान के लिए दिन तय करते हैं. मतदाताओं को घर पर ही डाक मतपत्र उपलब्ध कराया जाएगा. वे इस पर अपनी पसंद के उम्मीदवार को चिह्नित करेंगे.*

घर पर मतदान के लिए आयोग करेगा टीम का गठन

घर पर मतदान करने के लिए चार से पांच लोगों की टीम गठित होगी. जिनमें चुनाव अधिकारी, एक वीडियोग्राफर और पुलिस शामिल रहेंगे. टीम घर पर मतदाता के मतपत्र को मतपेटी में डालने को कहेगी. मतदान की प्राइवेसी के लिए वहां एक पार्टिशन किया जाएगा. मतदान की वीडियोग्राफी भी की जानी है. इस तरह बुजुर्ग मतदाता और दिव्यांग अपने घर बैठे ही वोट डाल पाएंगे. अपनी सेवाएं दे रहे वॉलिंटियर्स इसमें सहायता करेंगे. ऐसे वोटर्स के वोटों की गिनती डाक मतपत्रों से की जाती है.

पूर्व मंत्री लालचंद महतो के निधन पर शोक की लहर

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश राजद ने एकीकृत बिहार -झारखंड के वरिष्ठ विधायक रहे झारखंड के पूर्व ऊर्जा मंत्री लालचंद महतो के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख जताया है. राजद प्रदेश महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने कहा कि लालचंद महतो जीवन भर पिछड़ों, दलितों, बहुजन समाज के नेता के रूप में आवाज बुलंद करते रहे. उन्होंने कहा कि लालचंद महतो बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर के समूह में राजनीति करने वाले नेताओं में शुमार रहे थे. विगत दिनों उन्होंने तीसरा मोर्चा का गठन कर राज्य के कई लोकसभा क्षेत्र में उम्मीदवार उतारने की घोषणा की थी.

विधानसभा गेस्ट हाउस में लालचंद महतो के साथ गौतम सागर राणा, रामचंद्र केशरी, संजय सिंह यादव, कैलाश यादव. फाइल फोटो

उनके असामयिक निधन पर राजद के वरिष्ठ नेता गिरिनाथ सिंह, सुरेश पासवान,अर्जुन यादव, अनिता यादव, मंजू शाह, मनोज कुमार, आबिद अली, प्रणय बबलू, रामकुमार यादव, शालीग्राम पांडेय, लक्ष्मण यादव, सुनीता चौधरी, नंदन यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया है.

तापमान
36.4⁰ अधिकतम | 23.0⁰ न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शनिवार 06 अप्रैल 2024 ● चैत्र कृष्ण पक्ष 12 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 347 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पेज 10

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने एक बार फिर धनबाद लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो पर साधा निशाना, बोले-

ईडी अगर जांच करे तो बड़े पैमाने पर खुलेगा ढुल्लू महतो के मनी लॉन्ड्रिंग का भेद

संवाददाता। जमशेदपुर/रांची

जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा के विधायक सरयू राय ने एक बार फिर धनबाद लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो पर निशाना साधा है. राय ने इस बार कागजी सबूत के साथ कई कंपनियों में ढुल्लू महतो के शेयर होल्डर होने का दावा किया है. बताया है कि धनबाद डेयरी प्राइवेट लिमिटेड, मुंडेन ओर मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिडेट, श्री जीन भवानी कंस्ट्रक्शन डेवलपर प्राइवेट लिमिटेड धनबाद के कतरास एवं बाघमारा के विभिन्न पते पर और इंदुकुरी मधुबंध प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद के पते पर कंपनी अधिनियम के तहत पंजीकृत हैं. ये सारी कंपनियां सक्रिय हैं.

सरयू राय ने कहा कि इन चार कंपनियों और वेयर हाउस की शुरू से अबतक की गतिविधियों की ईडी जांच करे, तो इससे कोयलांचल खासकर बाघमारा कोल एरिया में बड़े पैमाने पर चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग के खेल का पर्दाफाश होगा. उन्होंने कहा कि इंदुकुरी मधुबंध 16 अक्टूबर 2023 को कंपनी एक्ट में पंजीकृत हुई है और मात्र दो माह के भीतर 11 दिसंबर 2023 को इसे बीसीसीएल में एक बड़ा काम मिल गया है. यह काम मधुबंध कोयला खदान से अगले 25 वर्षों तक कोयला निकालने और अन्य संबद्ध गतिविधियों से संबंधित है. इसमें बीसीसीएल को कुल कमाई का मात्र 5.40 प्रतिशत हिस्सा ही मिलना है.

जुबानी हमला

- जमशेदपुर पूर्वी विधायक ने चार कंपनियों का किया जिक्र
- कहा- बाघमारा कोल एरिया में बड़े पैमाने पर मनी लॉन्ड्रिंग

सरयू राय

ढुल्लू महतो

कई सारी कंपनियों में शेयर होल्डर हैं ढुल्लू महतो

विधायक सरयू राय ने बताया कि धनबाद डेयरी प्राइवेट लिमिटेड और मुंडेन ओर मैनेजमेंट में ढुल्लू महतो शेयरधारक रहे हैं. धनबाद डेयरी में उनका पांच लाख और मुंडेन ओर मैनेजमेंट में एक लाख रुपये का शेयर होने का उल्लेख चुनाव आयोग के समक्ष प्रस्तुत शपथ पत्र में अपनी आयकर विवरणी में किया है. वे इनमें निदेशक भी रहे हैं. फिलहाल ये इन कंपनियों में निदेशक नहीं हैं. वे इन कंपनियों में अभी भी शेयरधारक हैं या अपना शेयर उन्होंने किसी को बेच दिया है, यह जानकारी वे स्वयं दे सकते हैं. इसके अलावा पार्टनरशिप फर्म कावेरी वेयर हाउस में भी वे पार्टनर रहे हैं.
कुछ वर्ष पहले तक इस फर्म में उनकी हिस्सेदारी 40 लाख रुपये की रही है. वर्तमान में स्थिति क्या है, इसके बारे में ढुल्लू ही जानकारी दे सकते हैं. हैदराबाद की कंपनी इंदुकुरी मधुबंध में भी ढुल्लू महतो निदेशक रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

राजधानी रांची में फैला जिस्मफरोशी का धंधा

रांची। पिछले कुछ दिनों में रांची में अलग-अलग जगहों पर सेक्स रैकेट के खुलासों ने साबित कर दिया है कि शहर में जिस्मफरोशी का धंधा पूरी तरह से फैल चुका है. रांची के बरियातू, सदर और डेली मार्केट थाना क्षेत्र से एक दर्जन से ज्यादा युवक और युवतियों को जिस्मफरोशी के धंधे में संलिप्त होने के आरोप में पुलिस ने पकड़ा है. जिन युवकों की गिरफ्तारी हुई है वे झारखंड के ही हैं. लेकिन जिन लड़कियों को पुलिस ने पकड़ा है, वह बंगाल की हैं. सैक्स रैकेट में शामिल लड़कियों से हुई पूछताछ में पुलिस को यह जानकारी मिली है कि बंगाल से लायी गयी लड़कियों से दलाल सिर्फ 500 रुपये में धंधा करवाते हैं और ये पैसा भी उन्हें एक बार में नहीं मिलता. 500 में डील फाइनल होने के बाद लड़कियों को आधा पैसा देकर कस्टमर के पास भेजा जाता है. लेकिन इसके एवज में कस्टमर से 2000 रुपये तक वसूले जाते हैं.

गिरिडीह लोकसभा से चुनाव लड़ेंगे जयराम

रांची। झारखंड भाषा खतियानी संघर्ष समिति के अध्यक्ष जयराम महतो उर्फ टाइगर गिरिडीह सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे. इसकी घोषणा झारखंडी भाषा खतियानी संघर्ष समिति ने शुक्रवार को कर दी. इसके पूर्व संगठन ने चार सीटों की घोषणा पूर्व में ही कर दिया था. इसमें कोडरमा से मनोज यादव, हजारीबाग से संजय मेहता, चतरा से दीपक कुमार गुप्ता, सिंहभूम से दामोदर हांसदा आदि शामिल हैं. जबकि रांची, हजारीबाग और धनबाद लोकसभा सीट से जेबीकेएसएस के प्रत्याशियों के नाम की घोषणा जल्द की जाएगी.

एसडीओ ने रांची विस के 17 बूथों का किया भ्रमण

रांची। सदर अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार शुक्रवार को रांची विधानसभा क्षेत्र में 17 वैसे बूथों का भ्रमण किया, जहां 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रतिशत से कम मतदान हुए थे. भ्रमण के क्रम में संबंधित बीएलओ, बीएलओ पर्यवेक्षक एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी उपस्थित थे. बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों को एसडीओ ने निर्देश दिए कि सर्वे कर छूटे योग्य नागरिकों का नाम मतदाता सूची में 25 अप्रैल के पूर्व अनिवार्य रूप से जोड़ें और मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अभियान जारी रखें.

गोशाला न्यास समिति के त्रस्त सदस्य बोले- सारे विवाद की जड़ रतन ही हैं

हे गोशाला के अनमोल रतन... तू भोले-भाले सदस्यों पर न ढा सितम

राजन बॉबी। रांची

गोशाला न्यास समिति के अराजक रवैया से आहत सदस्यों का रोष बढ़ता ही जा रहा है. सभी ट्रस्टी चेयरमैन रतन जालान पर सीधा आरोप मढ़ रहे हैं. प्रताड़ित 110 सदस्य मान्यता नहीं दिए जाने से काफी खफा हैं. त्रस्त सदस्यों का साफ-साफ कहना है कि सारे विवाद की जड़ रतन ही हैं. अपने निहित स्वार्थ के कारण 120 साल पुरानी गोशाला के गौरवशाली इतिहास पर बट्टा लगाने के साथ इसकी छवि की धूमिल कर दी है.

अब समाज में गोशाला की पहचान गो-सेवा के लिए बल्कि गंदी राजनीति का अखाड़ा के रूप में होने लगी है. सदस्यों का कहना है कि ट्रस्टी चेयरमैन सहित कुछ पदाधिकारियों व ट्रस्टियों के झुलमुल रवैये के कारण गोशाला में गो-सेवा की जगह इसकी बेशकीमती जमीन को कौड़ी के भाव बेचे जाने का धंधा होने लगा है. यानि गोसेवा केंद्र अब जमीन के धंधे के केंद्र में बदल गया है. सदस्य सबकुछ जानते-समझते हुए भी चुप्पी साधे रहते हैं. सदस्य ट्रस्टी चेयरमैन से कह रहे हैं- हे गोशाला के अनमोल रतन, तू भोले-भाले सदस्यों पर न ढा सितम.

सदस्यों की आह भस्म न कर दे माननीयों का गुरूर : सदस्यों का साफ-साफ कहना है कि जिनके कंधों पर गोशाला के विकास की जिम्मेवारी सौंपी गयी थी, जब वही लोग इसका बंटाधार करने में लगे हैं, तो भला क्या कहा जा सकता है? 15.95 एकड़ में फैली गोशाला की करोड़ों रुपये की जमीन मात्र सात हजार रुपये डिसमिल के भाव से बेच और बेचवा दी गयी. फिर भी शान बघारते फिर रहे हैं. हांका खींचते हैं. कहते हैं कि आई एम द बेस्ट. हमने ही तो बेहतर सौदा करा दिया है. सदस्यों का कहना है कि चाहे वे कितना भी तोते की तरह रटते रहे, पर पर्दे के पीछे का खेल सब को समझ आ रहा है. आखिर करोड़ों की जमीन कौड़ी के भाव बेचने या बेचवाने के पीछे राज क्या है, सभी को समझ में आ गया है.

गोशाला के गौरवशाली इतिहास पर लगता जा रहा है बट्टा

गोशाला के नियमों व बायलॉज की उड़ाई धज्जियां

गोशाला के बायलॉज की धज्जियां उड़ाते हुए सारे वो काम किए गये, जो नहीं करने चाहिए थे. गोशाला के बायलॉज में साफ-साफ लिखा है कि कोई भी ट्रस्टी और सदस्य, जो वर्तमान में है, रह चुके हैं, या हो सकते हैं, उन्हें गोशाला की चल और अचल संपत्ति हस्तांतरित नहीं की जा सकती है. फिर भी राजकुमार केडिया को कौड़ी के भाव करोड़ों की जमीन दिला दी. बाद में उन्हें सीधे ट्रस्टी ही बनवा दिया गया. बड़े मियां चेयरमैन साहब इतना सबकुछ होने के बाद भी सफाई देते फिर रहे हैं कि कोई घपला-घोटाला नहीं हुआ है. ट्रस्टी राजकुमार केडिया को तो गोपालका ने जमीन बेची है, जबकि किशन गोपालका सामने आकर खुद रतन जालान का विरोध कर रहे हैं.

सालों से दबाये रखे गए सदस्यों के लाखों रुपये

गो-सेवा भाव से सदस्य बनने के इच्छुक 135 लोगों ने 2009 में सदस्यता फार्म जमा कर सारी प्रक्रियाएं पूरी कीं. 1100 रुपये का सदस्यता शुल्क दिया. 21 से 51 हजार रुपये तक डोनेशन भी दिए. बाद में सभी को उस समय के ट्रस्टी चेयरमैन स्व. ज्ञानप्रकाश बुधिया के हस्ताक्षर से प्रमाण पत्र भी दे दिया गया. स्व. बुधिया के नहीं रहने पर रतन जालान ट्रस्टी चेयरमैन बनाए गए. पद संभालते ही इन्होंने अपना जलवा दिखाना शुरू कर दिया. 2021 में गोशाला की जमीन कम कीमत पर बिकवा दी. 135 लोगों का 25 से 30 लाख रुपये दबाये रखा और सभी सदस्यों की मान्यता भी रद्द कर दिया. पीड़ितों ने न्याय पाने के लिए अदालत का दरवाजा तो खटखटाया है, पर रतन को खूब कोष भी रहे हैं.

25 को बनाया नया सदस्य : बेनी

बेनी प्रसाद अग्रवाल बताते हैं कि सदस्यता मामले का विवाद बढ़ा और विरोध के स्वर मुखर होने लगे. त्रस्त सदस्य थाने से लेकर अधिकारियों तक के चक्कर लगाने से भी नहीं चूके. स्थिति बिगड़ती देख माननीयों ने 135 में से 25 लोगों को छांट कर नया सदस्य बना लिया. 25 लोगों से फिर से सारी प्रक्रिया पूरी करायी. 51 हजार रुपये का डोनेशन भी लिया गया. आहत बेनी प्रसाद सहित कुछ अन्य बुजुर्ग बताते हैं कि उन्हें भी फोन कर सदस्य बनने की पेशकश की गयी थी. नये तरीके से सदस्य बनने से सब ने मना कर दिया.

अब युवाओं की है जरूरत : कैलाश

कैलाश कुमार सिंघानिया बताते हैं कि गोशाला को युवाओं की जरूरत है. ज्यादातर ट्रस्टी और कई सदस्य बुजुर्ग हो चले हैं. गोशाला में श्रमदान नहीं कर सकते. ऐसे में यदि मारवाड़ी समाज के युवा गो-सेवा की भावना से आगे आकर सदस्य बनना चाहते हैं, तो सहर्ष सभी को गले लगाना चाहिए. गो- सेवा भाव से काम करेंगे, तो गलत रहने पर भी सुधर जाएंगे. कैलाश बताते हैं कि सदस्यता मामले में चाहे जिस ओर से भी गलती हुई हो, इसे बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए. आपसी तालमेल बना कर सदस्यों को मान्यता दी जानी चाहिए.

हमारे साथ गलत हुआ है : उत्तम

उत्तम टिबड़ेवाल का कहना है कि हमारे साथ गलत हुआ है. चेक से सदस्यता शुल्क और डोनेशन दिया था. सदस्यता प्रमाण पत्र भी मिला. सदस्य बनाए जाने की सारी प्रक्रियाएं भी सही तरीके से पूरी की हैं. अब नयी कार्यकारिणी मान्यता नहीं दे रही, तो भी कोई बात नहीं है. गोशाला और उससे जुटे लोगों के खिलाफ कुछ नहीं कहेंगे. गो-सेवा की भावना थी, इस कारण गोशाला से जुड़ रहा था. गो माता की सेवा तो वैसे भी हम करते हैं. इसके लिए सदस्य बनाएं या नहीं बनाएं, यह उनकी मर्जी है.

सभी को मान्यता मिलनी चाहिए : सुरेश चौधरी

सुरेश चौधरी बताते हैं कि मान्यता सभी सदस्यों को मिलनी चाहिए. हमने तो पूरी ईमानदारी से सदस्य बनने की सारी प्रक्रिया पूरी की है. लेकिन पता नहीं किस निहित स्वार्थ के कारण माननीय गलत फैसले ले रहे हैं. चेयरमैन डाक से चेक और पत्र भेज कर विवाद बढ़ा रहे हैं. धार्मिक संस्था है गोशाला, इसे निजी नहीं बनाया जाना चाहिए. ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा, लेकिन इतना तो तय है कि हम सभी के साथ गलत हुआ है. ईश्वर देख रहे हैं. इंसाफ जरूर करेंगे.

गोशाला न्यास समिति की कार्यकारिणी की बैठक, ट्रस्टी चेयरमैन की दो टूक

किसी को नहीं देंगे मान्यता, 14 को हर हाल में चुनाव

रांची। हरमू रोड स्थित गोशाला परिसर में शुक्रवार को गोशाला न्यास समिति की कार्यकारिणी की बैठक में ट्रस्टी चेयरमैन रतन जालान की अध्यक्षता में हुई. बैठक में गोशाला न्यास समिति का चुनाव कराने पर विचार-विमर्श किया गया. 110 सदस्यों की मान्यता और बाढ़ मौजा स्थित गोशाला की गोचर जमीन बेचे जाने पर भी चर्चा हुई. ट्रस्टी चेयरमैन रतन जालान सहित 10 सदस्यों ने साफ-साफ कह दिया कि किसी भी कीमत पर सदस्यों को मान्यता नहीं दी जायेगी. कोर्ट के फैसले के बाद ही इस पर कोई भी निर्णय लिया जाएगा. लेकिन कुछ सदस्यों ने मामला कोर्ट में होने के बावजूद चुनाव कराने पर आपत्ति जतायी, तो जालान ने कह दिया कि हर हाल में 14 अप्रैल को चुनाव कराया जाएगा. पूर्व उपाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार और पूर्व सचिव ज्योति बजाज ने विरोध जताते हुए कहा कि जबतक कोर्ट में मामला लंबित है, तबतक चुनाव कराना ठीक नहीं, लेकिन 12 के आगे दो की नहीं चली. तय तिथि को ही चुनाव कराने का फैसला ले लिया गया. जमीन बेचे जाने पर ट्रस्टी चेयरमैन ने जवाब दिया कि गोपालका के साथ त्रिपक्षीय समझौते के बाद ही जमीन की बिक्री की गयी है. इसमें किसी भी तरह से घपला-घोटाला नहीं हुआ है. बैठक शाम चार से छह बजे तक चली. ट्रस्टी चेयरमैन रतन जालान, ट्रस्टी सतीश तुलस्यान, ट्रस्टी राजकुमार केडिया, ट्रस्टी राजकुमार टिबड़ेवाल, सचिव प्रदीप राजगढ़िया, सह सचिव सुरेश जैन, कार्यकारिणी सदस्य काशी प्रसाद कनोई, एसएन राजगढ़िया, सीए राजेंद्र बंसल, प्रेम मित्तल, वासुदेव भाला, भगवती प्रसाद सर्राफ ने ट्रस्टी चेयरमैन रतन जालान का समर्थन किया. जबकि पूर्व उपाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार और पूर्व सचिव ज्योति बजाज ने विरोध में आवाज बुलंद की.

ट्रस्टी राजकुमार टिबड़ेवाल के सुझाव पर बजी तालियां : ट्रस्टी राजकुमार टिबड़ेवाल ने बैठक में महत्वपूर्ण सुझाव दिया. विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चुनाव के बाद आम सहमति से 110 सदस्यों की मान्यता को लेकर भी विचार-विमर्श किया जाना चाहिए.कोर्ट में दर्ज मामला वापस भी लिया जा सकता है. इसपर सभी ने ताली बजा कर टिबड़ेवाल की बातों का समर्थन किया.

राजस्थान का तस्कर सहित 12 गिरफ्तार

- 2.38 करोड़ का डोडा सहित 2.70 करोड़ का सामान बरामद

संवाददाता। रांची

नामकुम इलाके की खरसीदाग ओपी पुलिस ने नशा कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. पुलिस ने डोडा व गांजा और अवैध हथियार के साथ दर्जन भर तस्करों को गिरफ्तार किया है. खूंटी की ओर से ट्रेलर पर डोडा लेकर आ रहे छह तस्करों को गिरफ्तार किया गया. तस्करों में राजस्थान निवासी सतबीर उर्फ सतपाल, रमेश विश्नोई, खूंटी निवासी लुसा पाहन, उत्तर प्रदेश निवासी ताहिर, प्रवीण मुंडा और सोमा मुंडा शामिल हैं. इनके पास से 1586 किलो डोडा, आठ मोबाईल, 11 लाख 50 हजार नकद, एक ट्रेलर, हुंडई क्रेटा कार और एक बाइक भी जब्त किया है.

जब्त सामानों में 2.38 करोड़ का डोडा सहित कुल दो करोड़ 70 लाख रुपये के सामान बरामद किए गए हैं. एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि गिरफ्तार चालक ने पूछताछ में बताया कि मुख्य तस्कर और माल का मालिक राजस्थान निवासी सतबीर के कहने पर डोडा को खूंटी से रांची होते हुए राजस्थान ले जा रहा था. मालिक के बताये पते पर उसकी आपूर्ति की जानी थी. उसने बताया कि सोमा मुंडा, प्रवीण मुंडा, लुसा पाहन, ताहिर के जरिए मालिक के कहे अनुसार डोडा दिया जाता है. बदले में मालिक के तुपुदाना स्थित किराये के मकान में आकर पैसों का लेन-देन किया जाता है.

एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि खूंटी की ओर से डोडा लदा ट्रेलर (आरजे 19 जीडी9700) रांची आ रहा है. मुख्यालय वन डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम का छापेमारी टीम ने दस माईल चौक के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाना शुरू किया. वाहन जांच करने पर ट्रक में आलू के बोरे के नीचे छुपा कर रखा गया डोडा (अफीम) से भरा 116 बोरा बरामद किया. मामले में चालक रमेश विश्नोई को गिरफ्तार किया गया.

गांजा और ब्राउन शुगर के साथ तीन गिरफ्तार

सुखदेवनगर पुलिस ने ब्राउन शुगर और गांजा के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार तस्करों में राज कुमार सिंह, धीरज कुमार सिंह और अनिल कुमार साव शामिल है. इनके पास से 114 पुडिया गांजा, दो पुड़िया ब्राउन शुगर, तीन वजन करने की मशीन बरामद की गयी है. एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने मिली गुप्त सूचना पर सुखेदवनगर थाना क्षेत्र के देवी मंडप रोड नंबर पांच में ब्राउन शुगर व गांजा की खरीद-बिक्री करते तीनों को पुलिस ने दबोच लिया.

पिस्टल और गांजा के साथ अपराधी धराया

पुलिस ने लोडेड पिस्टल और गांजा के साथ राजन कुमार चौधरी को गिरफ्तार किया है. उसके पास से एक पिस्टल, तीन गोली, चार किलो 100 ग्राम गांजा बरामद किया गया. नयासराय में राजन कुमार चौधरी उर्फ लालू के घर अवैध मादक पदार्थ की खरीद बिक्री की सूचना पर हटिया डीएसपी के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन कर राजन चौधरी के घर की घेराबंदी की गयी. तभी एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा. टीम ने उसे खदेड़ कर पकड़ा. उसके घर से गांजा व पिस्टल बरामद किया गया.

1.02 किलो अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

तमाड़ थाना क्षेत्र के मुचीडीह के पास से शुक्रवार को सशस्त्र सीमा बल सी कंपनी-बासुकोंचा और तमाड़ पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर 1.02 किलो अफीम के साथ बाइक सवार दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. पकड़े गये युवकों में बुंडू के कोड़दा निवासी दिगम महतो और तमाड़ के मुचीडीह का रहेनावाला झरी महतो शामिल है. दोनों युवकों के पास से 50 हजार रुपये नकद व मापी करनेवाली मशीन भी जब्त की गयी है.

चार्जशीट ईडी का दावा- बड़गाईं अंचल कार्यालय में छापेमारी के दौरान फाइल में हाथ लगे हैं कई अहम सबूत

'सीएमओ अर्जेंट' और 'सीएम बड़गाईं भुइंहरी' लिखा मिला

विनीत/सौरभ। रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम मामले में ईडी का दावा है कि अब तक की गई जांच में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले हैं. ईडी को बड़गाईं अंचल में हुई छापेमारी के दौरान तीन ऐसे दस्तावेज मिले हैं, जिसपर लिखी बातें काफी चौंकाने वाली हैं. पहले दस्तावेज पर लाल कलम से 'भुंइहरी सीएम बड़गाईं' लिखा हुआ है. इसी पेज में पिंटू भी लिखा गया था, जिसे कलम से काट दिया गया. वहीं, दूसरा दस्तावेज पर नीली कलम से अंग्रेजी में 'सीएमओ अर्जेंट' लिखा हुआ है और उसके नीचे अंडरलाइन किया हुआ है. इसी पेज में पिंटू भी लिखा गया था, जिसे बाद में कलम से काट दिया गया था. तीसरे पन्ने में पीले रंग के पेपर पर मोटे-मोटे अक्षरों में लाल रंग की कलम से 'सीएम बड़गाईं भुइंहरी' लिखा हुआ है. एजेंसी ने ये सभी दस्तावेज सबूत के तौर पर कोर्ट में पेश किए हैं.

विनोद, पाहन व कच्छप पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं अन्य के खिलाफ ईडी ने बीते 30 मार्च को पीएमएलए कोर्ट में 5500 पन्नों की प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन दायर की है, जिसपर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है. पीएमएलए कोर्ट द्वारा संज्ञान लिये जाने के बाद अब आर्किटेक्ट विनोद सिंह, राजकुमार पाहन और हिलेरियस कच्छप पर गिरफ्तारी की तलवार लटकने लगी है. अदालत ने तीनों के विरुद्ध समन जारी करने का निर्देश दिया है. इस केस के प्रमुख आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं.

ईडी का हाईकोर्ट से आग्रह

हेमंत सोरेन की ओर से दर्ज एससी-एसटी केस की सीबीआई जांच हो

रांची। ईडी ने झारखंड हाईकोर्ट से उसके अधिकारियों और मीडियाकर्मियों के खिलाफ एससी और एसटी एक्ट के तहत दर्ज करवाए गए मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने का आग्रह किया है. दरअसल, 31 जनवरी को ईडी द्वारा गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले झारखंड के तत्कालीन सीएम की ओर से रांची के एससी-एसटी थाने में ईडी अधिकारियों और मीडियाकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई गई थी. फिलहाल रांची पुलिस इसकी जांच कर रही है. पुलिस ने सीआरपीसी- 41(ए) के तहत ईडी के सहायक निदेशक कपिल राज, सहायक निदेशक देवव्रत झा, अनुपम कुमार और एक अन्य अधिकारी समेत ईडी अधिकारियों को नोटिस भेजा था और उन्हें पूछताछ के लिए थाना बुलाया था. हालांकि झारखंड हाईकोर्ट ने नोटिस पर रोक लगा दी थी.

हेमंत हाईकोर्ट की शरण में

ईडी के कंप्लेन केस में सीजेएम कोर्ट के संज्ञान को दी चुनौती

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईडी द्वारा दर्ज शिकायत वाद पर रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम द्वारा लिए गए संज्ञान और समन जारी करने के आदेश के खिलाफ हाइकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ पिछले दिनों सीजेएम कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए समन जारी किया था. ईडी की कंप्लेन केस पर सुनवाई करते हुए रांची सीजेएम की कोर्ट ने अपने फैसले में प्रथम दृष्टया यह माना है कि हेमंत सोरेन ने ईडी के समन का उल्लंघन किया. ईडी ने 19 फरवरी को शिकायत वाद दर्ज कराई थी. इसके साथ पीएमएलए एक्ट के तहत भी शिकायतवाद दर्ज करवाया है. दरअसल जमीन घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने हेमंत सोरेन को 10 समन जारी किया था. लेकिन हेमंत सोरेन सिर्फ दो समन पर पेश हुए थे.

बाबूलाल ने कल्पना पर साधा निशाना, बोले-

ईडी की चार्टशीट पढ़ लें, हेमंत को जेल का कारण मिल जाएगा

विशेष संवाददाता। रांची

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन पर बड़ा जुबानी हमला किया है. शुक्रवार को मेदिनीनगर पलामू में पार्टी द्वारा आयोजित विधानसभा स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ईडी द्वारा प्रस्तुत चार्जशीट हेमंत सरकार के भ्रष्टाचार का दस्तावेज है. पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी भाजपा पर उनके पति को परेशान करने का आरोप लगा रही हैं. कल्पना सोरेन केवल ईडी द्वारा प्रस्तुत 191पृष्ठ की चार्जशीट को अक्षरशः पढ़ लें, उन्हें हेमंत सोरेन के जेल जाने के कारण का पता चल जाएगा.

हेमंत सरकार ने राज्य को चौतरफा लूटा : मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार ने राज्य को चौतरफा लूटा है. बालू, पत्थर, कोयला, लोहा,जमीन सब लूटा. नाम बदल- बदल कर लूटा. यही नहीं रुके, बल्कि युवाओं की नौकरी भी लुटवा दी. एक तरफ भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है, भ्रष्टाचारियों की बरात है, तो दूसरी ओर भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने की मोदी की गारंटी है.

रिम्स ओपीडी

विभाग — डॉक्टर का नाम

- मेडिसिन : डॉ. मनोज कुमार प्रसाद
- सर्जरी : डॉ. पंकज बोदरा
- ऑर्थोपेडिक : डॉ. जीके गुप्ता
- न्यूरोसर्जरी : डॉ. आनंद प्रकाश
- गायनी : डॉ. नीलम नलिनी
- टीबी एवं चेस्ट : डॉ. ब्रजेश मिश्रा
- रेडिएशन आंकोलॉजी : डॉ. रश्मि सिंह
- सर्जिकल आंकोलॉजी : डॉ. रोहित कुमार झा
- नेत्र : डॉ. सुनील कुमार
- स्किन : डॉ. प्रभात कुमार
- ईएनटी : डॉ. बिनोद कुमार सिन्हा
- न्यूरोलॉजी : डॉ. रूपेश प्रसाद

सदर अस्पताल

- मेडिसिन : डॉ. अरुणोदय, डॉ. बीएन पोद्दार और डॉ. सत्येंद्र
- सर्जरी : डॉ. अजीत कुमार
- ऑब्स एंड गायनी : डॉ. मुस्सरत यामिनी और डॉ. श्रुति प्रभा
- पीडियाट्रिक (शिशु रोग) : डॉ. सूर्या
- हेमाटोलॉजी : डॉ. अभिषेक रंजन
- सर्जीकल आंकोलॉजी : डॉ. प्रकाश भगत
- नेफ्रोलॉजी: डॉ. नवीन कुमार

शहर में आज

1. लोकसभा चुनाव को लेकर संजय सेठ की पीसी - मोहन कॉम्प्लेक्स - 11 बजे
2. 14 लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी के साथ कांग्रेस की बैठक - प्रेस क्लब - 2 बजे
3. ईद, सरहुल और रामनवमी को लेकर शांति समिति की बैठक - डीएसपीएमयू ऑडिटोरियम - 2 बजे
4. एचईसी ऑफिसर्स एसोसिएशन का धरना प्रदर्शन - धुर्वा - 11 बजे

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

श्रीश्याम मंदिर में एकादशी जागरण

रांची। श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड में शुक्रवार को श्रृंगार-पूजन कर बाबा की आरती उतारी गयी. रात साढ़े नौ बजे अखंड ज्योति प्रज्वलित कर एकादशी जागरण का कार्यक्रम शुरू हुआ, जो देर रात तक चला. श्रीश्याम मित्र मंडल के भजन गायकों ने एक से बढ़ कर एक भजन प्रस्तुत कर सबको झुमाया. झरिया के सुप्रसिद्ध भजन गायक कृष्णा अग्रवाल ने भी बाबा के दरबार में हाजिरी लगा भक्ति रस की अविरल धारा बहायी. प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, श्रवण ढानढनिया, श्याम सुंदर शर्मा, गौरव अग्रवाल मोनू, अनुज मोदी, सलज अग्रवाल, सोनू, साकेत ढानढनिया, पंकज गाड़ोदिया, अनिल नारनौली, किशन शर्मा, दिनेश अग्रवाल, रोशन खेमका, अरविंद सोमानी, रौनक पोद्दार, अभिषेक सरावगी, निखिल नारनौली, विशाल पोद्दार, राजेश सिंह, संजय सर्राफ, रतन शर्मा, स्नेह पोद्दार आदि ने इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लिया.

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से अविलंब सीबीआई जांच का आदेश देने की मांग की

रिकॉर्ड रूम से चोरी, जमीन घोटाले को छुपाने की बड़ी साजिश : प्रतुल

संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि झारखंड में जो जमीन लूट के बड़े-बड़े कारनामे हुए हैं, उसका कवर अप ऑपरेशन अभी जारी है. ईडी की चार्जशीट के तुरंत बाद रिकॉर्ड रूम में हुई चोरी जमीन घोटाले को छुपाने की बड़ी साजिश है. प्रतुल ने कहा, यह अविश्वसनीय है कि रिकॉर्ड रूम से जमीन के कई दस्तावेजों को अलमारी के ताले तोड़कर चुरा लिए गए. भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि जैसे-जैसे जमीन लूट की दास्तान खुलती जा रही है, एक के बाद एक सफेदपोश बेनकाब होते जा रहे हैं. प्रतुल ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मांग की है कि वह अविलंब इस मुद्दे पर सीबीआई जांच का आदेश दें, वरना उनकी पूरी सरकार शक के दायरे में आ जाएगी. जिस परिसर में पुलिस कर्मियों की हमेशा तैनाती रहती है, वहां ऐसी चोरी कैसे हो गई? वह भी तब जब ईडी, जमीन लूट से संबंधित कागजात की ही जांच कर रही है.

लगाए आरोप

- ईडी की चार्जशीट के तुरंत बाद चोरी को बताया कवर अप ऑपरेशन
- जिय परिसर में पुलिस हमेशा तैनाती रहती है, वहां ऐसी चोरी कैसे हो गई?

'बड़गाई की जमीन से हेमंत सोरेन का सीधा नाता है'

प्रतुल ने कहा कि ईडी की चार्जशीट के बाद, हेमंत सोरेन और बड़गाईं की 8.86 एकड़ जमीन की लूट का सीधा कनेक्शन जुड़ता हुआ दिख रहा है. कहा कि झामुमो बार-बार कहता था कि हेमंत सोरेन का जमीन से कोई लेना-देना नहीं है. लेकिन चार्जशीट ने गिरोह को स्पष्ट कर दिया कि यह उनकी ही बेनामी संपत्ति है. प्रतुल ने यह भी कहा कि चार्जशीट में इस बात का जिक्र है कि भानु प्रताप अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर जमीन कब्जा का सिंडिकेट चलता था. उसके यहां जब छापा पड़ा, तो एक ब्राउन कलर की फाइल भी बरामद हुई, जिसमें बड़गाईं एवं अन्य जमीनों से संबंधित कागजात मिले थे.

'2010 से ही हेमंत के कब्जे में रही है जमीन'

प्रतुल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विनोद के बीच चैट में इसी लालू खटाल, बरियातू एरिया में मैरिज हॉल बनाने का नक्शा भेजा गया है और इस पूरे इलाके में इतनी बड़ी कोई दूसरी जमीन नहीं है. उन्होंने कहा है कि यह जमीन हेमंत सोरेन के कब्जे में 2010 से रही है. केयरटेकर संतोष मुंडा ने तो कहा है कि 14-15 वर्षों से जमीन हेमंत की है. प्रतुल ने कहा कि अब सीओ मनोज कुमार ने भी स्पष्ट कहा है कि उन्हें मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू के प्रधान सचिव उदय शंकर द्वारा इस जमीन को वेरीफाई करने के लिए कहा गया था. इस बात की पुष्टि अभिषेक पिंटू के प्रधान सचिव उदय शंकर और खुद अभिषेक पिंटू ने ईडी को दिए गए अपने बयानों में की है. पिंटू ने तो यह भी कहा है कि हेमंत सोरेन की दो और जमीनों को वेरीफाई करने के लिए उदय शंकर को कहा था.

ईडी के जब्त पेपर में सीएमओ अर्जेंट भुइहरी लिखा है

ईडी ने जो फाइल जब्त किया है, उसमें सीएमओ अर्जेंट, भुंइहरी लिखा है. ये लिखा होना ही लूट की पूरी कहानी को बयां करता है. जो ईडी ने कागज जब्त किया है, उसमें एक बहुत ही सनसनीखेज कागज है, जिसमें इसी जमीन के पंजी दो का ब्लैंक पेज से रैयत का नाम गायब था. एसएआर कोर्ट ने सिर्फ 20 दिनों में 9 जनवरी 2024 से 29 जनवरी 2024 के बीच पूरे जांच को खत्म करके जमीन को लौटाने का आदेश दे दिया. इसी बीच जमीन का वेरिफिकेशन भी हो गया. तीन-तीन नोटिस भी चले गए. इस कोर्ट में सिर्फ यही मामला था. यह भी एक रिकॉर्ड है.

बड़गाईं की जमीन पर राजकुमार पाहन का कब्जा नहीं

राजकुमार पाहन के पूर्वजों ने 1978 से 1989 के बीच लगभग 40 एकड़ जमीन अलग-अलग लोगों को बेची. सिर्फ यही 8.86 एकड़ जमीन खाली थी, जिसपर कब्जा कर लिया गया. ईडी की चार्जशीट में खुशबू मुंडा के दो बिलों का जिक्र है. खुशबू मुंडा संतोष मुंडा की बेटी है. 2017 में फ्रिज और 2022 में स्मार्ट टीवी खरीदा है. पता इसी भूमि का दिया है. तो यह साफ दिखता है कि वर्तमान में इस जमीन पर संतोष मुंडा रह रहा था. अब वह खुद बता रहा है कि यह जमीन हेमंत सोरेन की है और इस पर राजकुमार पाहन का कब्जा नहीं था.

'दिल्ली से जब्त बीएमडब्ल्यू कार भी हेमंत की'

प्रतुल ने कहा कि जिस बीएमडब्ल्यू गाड़ी के मालिकाना हक से पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत इनकार कर रहे हैं. ईडी को दिए बयान में उन्होंने खुद कहा कि 28 जनवरी 2024 की रात को मैं अपनी ब्लू रंग की बीएमडब्ल्यू गाड़ी से निकला. यानी खुद मान रहे हैं कि वह उसके मालिक हैं. चार्जशीट में जिक्र है कि शोरूम में उन्होंने जाकर इस गाड़ी को खुद पसंद किया था. प्रतुल ने कहा कि रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन ने भी अपने बयान में कहा है कि पिंटू का सचिव उदय उन्हें अक्सर जमीन के वेरिफिकेशन के लिए कहा करता था. प्रतुल ने कहा कि अब झामुमो और हेमंत सोरेन कुछ भी कह लें, लेकिन बड़गाईं की इस जमीन से उनके तार सीधे जुड़े हैं और उन्होंने सरकारी तंत्र की सहायता से इस जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा था.

झारखंड राय विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह का आयोजन

देश खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बना है : मुंडा

संवाददाता। रांची

- जेयूटी सभागार में 575 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई
- दो छात्रों को चांसलर अवार्ड 17 को गोल्ड मेडल मिला
- 44 शोध छात्रों को पीएचडी की उपाधि दी गयी

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण एवं जनजातीय कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा शुक्रवार को झारखंड राय विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में शामिल हुए. इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज दीक्षांत समारोह से डिग्री प्राप्त कर निकलने वाले छात्रों से मैं कहना चाहूंगा कि इरादा आसमान छूने का हो, लेकिन पांव जमीन पर हो. उन्होंने कहा कि 2047 एक विकसित भारत का आह्वान है. उन्होंने कहा कि एक विकसित भारत जिसमें सभी के लिए अवसर होंगे. दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि देश खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बना है. किसानों को सरकार की नई योजनाओं और तकनीक की जानकारी से भी अवगत कराने का कार्य किया जा रहा है. उन्होंने छात्रों से कहा कि आप कुछ भी जीवन में प्राप्त करें, कहीं भी कार्य करें, जीवन में सचेतना, संवेदना और सकारात्मकता को कभी नहीं भूलना चाहिए. उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जो बाजार में गुम हो जाता है उसे खोजा जा सकता है, लेकिन जो खुद में गुम हो जाए उसे खोजना मुश्किल होता है. भारत की सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों का सभी के जीवन में लाभ प्राप्त हो यह आवश्यक है. विशिष्ट अतिथि के रूप में रिपब्लिक ऑफ नामीबिया टू इंडिया के हाई कमिश्नर गैब्रियल पी सिनिंबो ने दीक्षांत समारोह में शामिल छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना देते हुए कहा कि भारत संभावनाओं से भरा देश है. इसकी युवा शक्ति इसकी पूंजी है.

राज्यपाल के शिक्षा सलाहकार प्रो. ई बालागुरु स्वामी ने दीक्षांत समारोह में कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान और विज्ञान युक्त परंपरा बहुत समृद्ध है. भारत के युवा प्रचुर मात्रा में क्षमता रखते हैं. भारत एक तीव्र गति से आगे बढ़ने वाला देश बन चुका है. उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए कहा कि आप देश के साथ विदेश में भी कहीं काम करें, राष्ट्र प्रथम की भावना और इस ध्येय को आगे रखते हुए कार्य करें.

झारखंड राय विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ. हरबिन अरोड़ा राय ने कहा कि छात्रों यहां से जाने के बाद सोचना है कि आपका जीवन कैसा होना चाहिए. आप जहां भी जाएं अपनी संस्कृति को साथ लेकर जाएं. यह आपकी एक पूंजी है. विश्वविद्यालय के जेयूटी सभागार में 575 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई. समारोह में दो छात्रों को चांसलर अवार्ड एवं 17 को गोल्ड मेडल, 44 शोध छात्रों को पीएचडी की उपाधि और तीन छात्रों को एमटेक की डिग्री मिली. दीक्षांत समारोह के दौरान तीन को मानद पीएचडी की उपाधि भी प्रदान की गई. स्नातक उपाधि प्राप्त करने वाले 325, स्नातकोत्तर की उपाधि पाने वाले 93 जबकि डिप्लोमा के 43 छात्रों को डिग्री दी गई.

बीआईटी में विकसित भारत-2024 के तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन

रांची। बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (मेसरा) द्वारा आयोजित विकसित भारत 2024 का तीसरा दिन शुक्रवार को संस्थान के कैट हॉल में शुरू हुआ. दिन की शुरुआत क्रिएटिव आर्ट्स के विद्यार्थियों के एक सुरमयी प्रस्तुति से हुई. इसमें प्रेम कात्यायन ने कीबोर्ड पर एवं निशु, आर्या और रागिनी ने अपनी आवाज़ से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया.इसके बाद अमृत सेक्टोरियल, ऑस्ट्रेलिया के आचार्य हरीशानंद अवधूत द्वारा एक ऑनलाइन सत्र हुआ, जिसमें उन्होंने वेदों और हिंदू धार्मिक ग्रंथों के उद्धरणों के माध्यम से मानव जातियों में विविधता पर बात की.इसके बाद रांची के आवास और शहरी विकास निगम के क्षेत्रीय अधिकारी बिश्वजीत सॉय द्वारा 'सामाजिक एवं आर्थिक केन्द्र के रूप में शहरी समूहन' पर एक व्याख्यान दिया गया. उन्होंने संसाधनों को संरक्षित रखने की आवश्यकता और विकास के मार्ग में आने वाली चुनौतियों पर बात की.इसके बाद सामाजिक एवं आर्थिक केन्द्र के रूप में शहरी समूहन पर एक पैनल वार्ता हुई, जिसमें वास्तुकला एवं योजना विभाग के छात्रों ने चर्चा की. इस सत्र का संचालन वास्तुकला एवं योजना विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ ऋतु अग्रवाल ने किया.इसके बाद अन्य कई विषयों पर जानकारिपूर्ण पैनल चर्चाएं हुई. फिर क्रिएटिव आर्ट्स के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया. कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ.

श्रीसनातन महापंचायत की बैठक में कमेटी का किया गया विस्तार

रांची। प्रेस क्लब में शुक्रवार को श्रीसनातन महापंचायत की बैठक हुई. इसमें कमेटी का विस्तार किया गया. जिसमे मुख्य संरक्षक डॉ आशा लकड़ा, सांसद संजय सेठ, विधायक सीपी सिंह, नवीन जायसवाल और समरी लाल को बनाया गया. संजय कुमार जयसवाल, कृपा शंकर सिंह, मुकेश पांडे, रामधन वर्मन, अशोक पुरोहित, रमेश सिंह, शैलेशवर दयाल सिंह,राकेश सिंह, रिषी साहदेव, सुजीत सिंह को संरक्षक, ललित नारायण ओझा को मुख्य संयोजक, संजय मिनोचा, शशांक राज को वरिष्ठ संयोजक, अनिल राम ,संजीव चौधरी, राजेश प्रसाद, राहुल चौधरी को संयोजक बनाया गया. साथ ही महीला विंग में नितु सिंह, पूनम सिंह, कुमुद झा शामिल की गयी. संजय महतो, बबन बैठा, चंदन प्रजापति, शुभम जयसवाल, रौनक चौधरी को युवा समन्वय, आशुतोष दिवेदी को कला संयोजक, नकुल तिर्की को सरना सनातन समन्वय, अमित चौधरी, राहुल दुबे को मीडिया विंग, शिव किशोर शर्मा को कार्यालय प्रभारी, युवराज पासवान को राची महानगर संयोजक, सत्यजीत कुमार, संजीत सिंह, सुभाष साहु, राहुल सिन्हा चंकी, राना रणधीर, रणधीर रजक को सह संयोजक, महेश महतो, सोनु, राजकिशोर साहु को ग्रामीण समन्वय,मेहुल प्रसाद, मंटू दुबे को सोशल मीडिया प्रभारी के रूप में मनोनयन किया गया. किशोर साहु, राजीव रंजन मिश्रा, रवि कुमार पिंकू, दीपक ओझा, शंकर दुबे, रामधन वर्मन, अशोक पुरोहित, मुकेश पांडे आदि को समानित किया गया.

यातायात नियमों का उल्लघंन करने पर 995 लोगों का कटा चालान

रांची। राजधानी रांची में ट्रैफिक नियमों का पालन कराने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है. पिछले पांच दिनों में कुल 995 लोगों का नियम के उल्लंघन करने के मामले में चालान काटा गया है. इनमें 178, 150, 260, 219 और 188 चालान शामिल है.ट्रैफिक एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने शुक्रवार को बताया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार बिना हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस ,अनाधिकृत रूप से अपने चार पहिया वाहन के शीशे में ब्लैक फिल्म, अनाधिकृत रूप से सूचक पट्ट लगाकर घुमने वालों के खिलाफ अभियान चला रही है. नियम का उल्लघंन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई करते हुये चालान काटा जा रहा है.

न्यूज अपडेट

रांची प्रेस क्लब में काव्य गोष्ठी का आयोजन

रांची। संस्कृति संवर्द्धन समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को रांची प्रेस क्लब के सभागार में काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के बाद डॉ. राजश्री जयंती की गणेश वंदना और संगीता सहाय की सरस्वती वंदना से हुआ. काव्य गोष्ठी कसा संचालन संगीता कुजारा टाक और राजीव थेपड़ा ने किया. गोष्ठी में अतिथियों का स्वागत समिति के अध्यक्ष एवं प्रख्यात सर्जन डॉ. एमपी सिंह ने किया, जबकि पूनम आनंद ने 9 अप्रैल को बड़ा तालाब पर होनेवाले दीपदान कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की. गोष्ठी में सत्या शर्मा कीर्ति, रूपा कुमारी, डॉ. सुरिन्दर कौर नीलम, चंद्रिका ठाकुर देशदीप, नीरज नीर, डॉ. राजश्री जयंती, शशांक भारद्वाज, नरेश बंका, राजीव थेपड़ा, संगीता कुजारा टॉक, सत्या शर्मा कीर्ति, नंदा पांडे, अजय कुमार, सदानंद सिंह यादव, मनोज कुमार झा, बिंदु प्रसाद रिद्धिमा, सुषमा झा, सीमा चंद्रिका तिवारी, डॉक्टर नन्दनी कुमारी, संध्या चौधरी उर्वशी इत्यादि उपस्थित रहे.

बच्चों ने किया पुरी का शैक्षणिक भ्रमण

रांची। समग्र शिक्षा अभियान के तहत यहां के नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय के कक्षा 8वीं और 9वीं के 115 मेधावी बच्चों को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग एवं झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा प्रोत्साहित करते हुए उन्हें ओडिशा के पुरी की शैक्षणिक यात्रा करवाई गयी.राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन के निर्देश पर इन बच्चों को पुरी भेजा गया, जहां बच्चों ने पुरी की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और भौगोलिक विविधता का जमकर आनंद लिया. इन बच्चों की सुरक्षा से लेकर इनके आवासन और भोजन आदि की राज्य शिक्षा परियोजना द्वारा उत्तम व्यवस्था करवाई गयी थी.

भगत सिंह पैदा अवश्य हों, लेकिन पड़ोसी के घर

रांची। स्थानीय विधायक क्लब सभागार में राष्ट्रपति वीरता पदक से विभूषित सशस्त्र सीमा बल के सहायक कमांडेंट शिवम कुमार को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहायक कमांडेंट शिवम कुमार ने कहा कि हर व्यक्ति चाहता है कि सरदार भगत सिंह अवश्य ही पैदा हों, लेकिन वह पड़ोसी का घर हो. इस प्रवृत्ति को बदलना होगा. सम्मान समारोह में स्वागत भाषण व विषय प्रवेश मिथिलेश कुमार मिश्र ने किया. बताते चलें कि मिथिलेश कुमार मिश्र सहायक कमांडेंट शिवम कुमार के पिता हैं.

इमा का सात दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर शुरू

रांची। इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी (इमा) के तत्वावधान में सात दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन बहू बाजार बसर टोली स्थित इमा कराटे स्टूडियो में शुक्रवार किया गया. इसमें खिलाड़ियों को इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के तकनीकी निदेशक एवं राष्ट्रीय कोच शिहान सुनील किस्पोट्टा ने एडवांस कुमिते एवं काता का प्रशिक्षण दिया.खिलाड़ियों को रिंग में फाइट के दौरान स्कोर करने के तरीके और गलत तरीके से फाइट करने पर दिए जाने वाले वार्निंग की जानकारी दी गई. साथ ही किस रणनीति से फाइट को जीता जा सकता है.

एचईसी ऑफिसर्स एसोसिएशन का धरना आज

रांची। एचईसी मुख्यालय में वेतन के मुद्दे पर एचईसी निदेशकों द्वारा शुक्रवार को प्रस्तावित बैठक तीसरी बार विफल हुई. इसके बाद एचईसी ऑफ़िसर्स एसोसिएशन 6 अप्रैल को धुर्वा गोलचक्कर में धरना-प्रदर्शन करने की घोषणा की. एचईसी ऑफ़िसर्स एसोसिएशन व एचईसी प्रबंधन के बीच हुई बैठक में निदेशक उत्पादन व निदेशक कार्मिक मौजूद थे. इस बैठक में राउरकेला से आये लगभग 23 करोड़ रुपए से वेतन भुगतान के संबंध में बात हुई, जिस पर निदेशकों ने सीएमडी से वार्ता कर पैसा होते हुए भी वेतन देने में असमर्थता जताई. इससे एचईसी के अधिकारियों में रोष है.

जमीन लुटेरों के खिलाफ सरकार करे सख्ती

रांची। पूर्व मंत्री व कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि झारखंड के जमीन लुटेरों, दलालों, जलसाजों, संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से झारखंड में जमीन लूटने का कारनामा चरम पर है. उन्होंने कहा कि इसी ज़मीन लूट का एक और जिंदा प्रमाण रांची के कचहरी स्थित लैंड रिकॉर्ड रूम में चोरी है. जहां लुटेरों ने हाथ साफ किया. उन्होंने कहा कि यह सामान्य चोरी की घटना नहीं है. बल्कि वैसे जमीन दस्तावेजों को गायब करने की चाल है, जिसमें जमीन माफिया की मिलीभगत से हेरफेर किया गया है.

मकान को घर की संज्ञा स्त्री प्रदान करती है : डॉ ओझा

संवाददाता। रांची

गोस्सनर कॉलेज के आईक्यूएसी और वीमेंस सेल के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को इन्वेस्ट इन वीमेन : एक्सेलरेट प्रोग्रेस विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया. सेमिनार में मुख्य अतिथि पद से पूर्व वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज ओझा ने कहा कि मकान को घर की संज्ञा स्त्री ही प्रदान करती है. खाद्य सुरक्षा तथा गरीबी उन्मूलन हेतु महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक समानता आवश्यक है। इसके लिए महिला उद्यमियों को बढ़ावा देना होगा. प्रो. अजय कुमार ने कहा कि महिलाओं में निवेश, सतत विकास की नींव में निवेश है. कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. डिम्पल डायना मिंज के प्रार्थना से हुई. प्रो बेनिसन कच्छप ने बाइबल पाठ किया. प्रो रश्मि एन्ड ग्रुप ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया. अतिथियों का स्वागत हिंदी विभागध्यक्ष प्रो आशा रानी केरकेट्टा ने किया.

आयोजन गोस्सनर कॉलेज में रोल ऑफ ब्रोकर एंड एक्सचेंज इन द फाइनेंसियल मार्केट पर सेमिनार

युवा जोखिम को ध्यान में रखकर निवेश करें : समराज

संवाददाता। रांची

गोस्सनर कॉलेज के आईक्यूएसी व वाणिज्य संकाय और इंटरनेशनल नवोदया चैंबर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार का विषय था- रोल ऑफ ब्रोकर एंड एक्सचेंज इन द फाइनेंसियल मार्केट (वित्तीय बाजार में विपनियों एवं दलालों की भूमिका)

सेमिनार में आगत अतिथियों का स्वागत कॉमर्स विभाग के सहायक प्रोफेसर सह आईक्यूईएसी के समन्वयक डॉ अजय कुमार ने किया. विषय प्रवेश वाणिज्य विभागाध्यक्ष सह संकायाध्यक्ष प्रो. श्यामलेश कुमार ने कराया.

सेमिनार के मुख्य वक्ता सीएमए समराज नायर ने अपने संबोधन में स्टॉक एक्सचेंज एवं कमोडिटी एक्सचेंज के बारे में जानकारी दी. साथ ही भावी सौदों में निहित जोखिमों से सुरक्षा पर भी अपने विचार रखे. कहा कि युवा जोखिम को ध्यान में रखकर निवेश करें. विद्यार्थियों से बचत की आदत डालने पर जोर दिया. विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद इंटरनेशनल नवोदय चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएनसीओसी) के संस्थापक संदीप कुमार ने विविध प्रकार के निवेश विकल्पों के बारे में चर्चा की. साथ ही अपनी पूंजी को एक जगह की अपेक्षा अलग-अलग जगहों पर निवेश कर अधिकतम रिटर्न कैसे पाया जा सकता है, इस पर विस्तार से चर्चा की.

ऑनलाइन निवेश करते हुए सतर्क रहें : कौशिक

आईएनसीओसी झारखंड के को-हेड हेमंत कौशिक ने कहा कि निवेशक अपने डी मैट अकाउंट से लेन-देन करें, जोखिम का खतरा कम होगा. ऑनलाइन निवेश करते हुए सतर्क रहें, क्योंकि एक्सचेंज (विनिमय) का कारोबार नकद में नहीं होता है. सेमिनार का संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ सुधीर कुमार सिन्हा ने, जबकि धन्यवाद ज्ञापन वाणिज्य संकाय के सहायक प्रो. डॉ दीपक शर्मा ने किया. मौके पर प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. ईलानी पूर्ति, बर्सर प्रो प्रवीण सुरीन उपस्थित थे.

जुडको सड़क के गड्ढों को सरहुल से पहले भरवाये, नहीं तो होगा आंदोलन : कांग्रेस

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश प्रोफेशनल कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष आदित्य विक्रम जायसवाल ने जुडको कार्यालय में प्रोजेक्ट डायरेक्टर को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा. सौंपे गये ज्ञापन में जायसवाल ने कहा कि पाइपालाइन बिछाने के लिए शहर की प्रमुख सड़कों के साथ ही साथ मुहल्लों को सड़कों को खोद दिया गया है. पाइप डालने के बाद गड्ढों को ढंग से भरा नहीं गया. गड्ढों में डस्ट डालकर खानापूर्ति कर दी गयी है. नतीजतन खोदी गई सड़क ऊबड़-खाबड़ हो गयी है. कहीं छोटा, तो कहीं बड़ा गड्ढा फिर से उभर आया है, जिससे हर रोज दुर्घटना हो रही है. मुख्य सड़क खास कर लालपुर से कोकर शिव मंदिर तक और सर्कुलर रोड जेल चौक, वीमेंस कॉलेज से लालपुर होते हुए डंगराटोली चौक तक आधा खराब हो चुकी है. डॉ. कामिल बुल्के पथ (ओल्ड पुरुलिया रोड) की हालत भी वैसी ही है. सड़क खराब होने के कारण हमेशा जाम लगी रहती है. खास कर सर्कुलर रोड और लालपुर से कोकर तक पर छोटे-छोटे अंतराल पर लंबा जाम लग जाता है.धूल उड़ने से दुकानों की हालत खराब हो गयी है. डस्ट, गड्ढे के कारण दुकानों की बिक्री घट गयी है. कांग्रेस नेता आदित्य बिक्रम जायसवाल ने इसके लिए नियमित टैंकर से पानी का छिड़काव करने, सरहुल व रामनवमी त्योहार के पूर्व सड़क का पक्कीकरण कर दुरुस्त करने की मांग की है.

फोटो : रमीज

रमजान के अंतिम जुमे पर मस्जिदों में उमड़ी भीड़

रेहान अहमद। रांची

पवित्र रमजान माह के अंतिम जुमे पर मस्जिदों में रोजेदार नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी. जुमा यानी छोटी ईद पर सुबह से ही लोग जुमे की नमाज पढ़ने की तैयारी में थे. अधिकांश नमाजी सफेद कपड़े पहने हुए थे. बूढ़े व युवा सभी में गजब का उत्साह था. दोपहर 12 बजे के बाद से नहा धो, पाक पवित्र हो सुरमा व इत्र लगाकर लोग घर से निकले. मस्जिद जाने वाली सड़कों पर नमाजियों की भारी भीड़ दिखाई दे रही थी. नमाज के समय से पूर्व मस्जिद पहुंच कर सभी अपना स्थान सुनिश्चित कर लेना चाह रहे थे. वैसे तो मस्जिद प्रबंधन की ओर से नमाज पढ़ने वालों के लिये पूरी व्यवस्था की गई थी. मस्जिद की छतों व सामने की सड़क पर दरी बिछाई गई थी. मस्जिदों में वजु के लिए अलग से पानी की व्यवस्था की गई थी. मस्जिद प्रबंधन की ओर से लोगों से अपील की गई थी कि मस्जिदों के आसपास रहने वाले घरों से ही वजु बना कर आयें, ताकि दूर दराज से आने वाले लोगों को वजु करने में परेशानी ना हो. वहीं विभिन्न मस्जिदों में नमाज के बाद दुआ की गई. जिसमें देश में अमन-शंति, भाईचारा के लिये दुआ की गई. प्रशासन की ओर से विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिये मस्जिदों के आसपास पुलिस बल की तैनाती की गई थी.

कहां-कहां नमाज अदा हुई: अपर बाजार जामा मस्जिद, मेन रोड इकरा मस्जिद, डॉ फतेउल्लाह मस्जिद, अहले हदीस मस्जिद कर्बला चौक, हव्वारी मस्जिद, पुरानी रांची मस्जिद, थड़पखना मस्जिद, बरियातु मस्जिद, हिंदपीढ़ी तस्लीम मस्जिद, बड़ी मस्जिद, छोटी मस्जिद, मक्का मस्जिद, मदीना मस्जिद, मस्जिद ए अकबरिया, मस्जिद ए उमर फारुक, इस्लामी मरकज, हरमू हामीम मस्जिद, पहाड़ी टोला मस्जिद, पुंदाग मस्जिद, कांटा टोली मस्जिद ए असरा, आजाद बस्जिद मस्जिद, पत्थलकुदवा मस्जिद, डोरंडा मस्जिद, कडरु मस्जिद, रहमत कॉलोन मस्जिद, इलाही नगर मस्जिद, हव्वारी मस्जिद, रंगसाज मस्जिद, कुरैशी मस्जिद, हांडा मस्जिद, छत्ता मस्जिद आदि में रमजान के अंतिम जुमे की नमाज अदा हुई.

बरकतों का महीना है रमजान : मुफ्ती

रांची की जामा मस्जिद में जुमा की नमाज मुफ्ती तलहा ने अदा कराई, हव्वारी मस्जिद में शहर काजी मुफ्ती कमर आलम कासमी ने पढ़ाई. उन्होंने अपने खुतबे (प्रवचन) में कहा कि रमजान का महीना बड़े ही रहमतों और बरकतों का महीना होता है. इसमें तीन अशरे होते हैं, पहला रहमतो का, दूसरा बरकतों का, तीसरा मगफिरत का चल रहा है. इस आखरी अशरे में कुरान पाक नाजिल हुआ था. इसलिए यह आखिरी असरा काफी अहम होता है. इसमें एक रात ऐसी होती है जो हजार महीनों से अफजल होती है जिसे हम शबे कद्र कहते है. साथ ही जकात, सदका, फितरा के बारे में विस्तार से बताया.

रांची ईदगाह में दिन के 10 बजे होगी ईद की नमाज

नमाज के बाद मस्जिद के इमाम व खतीबों ने ईद की नमाज के बारे में कहा कि ईद की नमाज 29 के अनुसार बुधवार को वहीं 30 रमजान के अनुसार गुरुवार को चांद के आधार पर तय होगी. 29 का चांद बहुत बारीक होगा. इसे देखने की कोशिश करेंगे. नमाज हरमू हामीम मस्जिद में 8.45 बजे, नूरानी मस्जिद हरमू में 8.30 बजे हव्वारी मस्जिद कर्बला चौकि में दिन के 8 बजे होगी. वहीं रांची ईदगाह में दिन के 10 बजे नमाज होगी.

जुमा यानी छोटी ईद : मौलाना अब्दुल माजिद

हरमू हामीम मस्जिद के इमाम मौलाना अब्दुल माजिद ने अलविदा जुमे के बारे में बताया कि यह इस रमजान का अंतिम जुमा है. अब इस रमजान में जुमा नहीं आएगा. इसलिए आज का दिन बहुत खास है. जुमा ही अपने में बहुत खास होता है, क्योंकि जुमा यानी छोटी ईद होती है. इसलिए इसकी एक अलग ही खासियत है.

12 साल के अरहान ने इस साल रखे 25 रोजे

रांची। हरमू निवासी मो मोबीन अंसारी का सबसे छोटा बेटा अरहान मोबीन पिछले तीन वर्षों से रोजा रख रहा है. अरहान इस समय 12 साल का हो गया है. इस साल उसने अबतक सारे 25 रोजे अपने पूरे किये हैं. अरहान डीएवी कपिलदेव स्कूल कडरु में कक्षा 6 का छात्र है. ऐसी कम उम्र में ऐसी पाबंदी से रोजा नमाज की सीख के बारे पूछने पर वह कहता है. बचपन से नाना से रोजा नमाज की सीख मिली है. उनके बातों को ही अमल कर इसे पूरा कर रहे हैं. बच्चे के इस जज्बे से घर परिवार के सारे सदस्य काफी खुशी है. आस पड़ोस के लोग एवं रिश्तेदार अरहान के पूरा रोजा रखने पर मुबारकबाद दे रहे हैं.

मुस्लिम समाज के बुद्धिजीवियों ने की बैठक

रांची। हो सकता है ईद और सरहुल का त्योहार एक साथ हो जाये. इसे लेकर मुस्लिम समाज के वरिष्ठ लोगों ने शुक्रवार को बैठक की. मौके पर झारखंड छात्र संघ, अंजुमने जाफरिया कमेटी, सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के पदधारी एवं समाज के अग्रज शामिल हुए. लोगों ने एक मत होकर कहा कि दोनों पर्व आपसी प्रेम, भाईचारगी के साथ मिलजुल कर मनाया जायेगा. लोगों ने मांग किया की ईद की खुशी के मौके पर गाजा बाजा, डीजे व हुडदंगबाजी पर रोक लगे. इस्लाम प्रेम व शांति का मजहब है. इस अवसर पर प्रो वकील रिजवी, सरफराज अहमद, अकिलुर्रहमान, मौलाना तहजिबुल हसन रिजवी, एस अली आदि शामिल थे.

डीआईजी नौशाद आलम पहुंचे ईद एक्सपो

रांची। डोरंडा उर्स मैदान में लगे ईद एक्सपो मेले का जायजा लेने शुक्रवार को डीआईजी नौशाद आलम पहुंचे. उन्होंने मेले का भ्रमण किया. दरगाह कमेटी व पुलिस पब्लिक रिपोर्टर की टीम से मिले. दुकानदारों का हाल लिया. उनके हुए नुकसान की हर संभव भरपाई करने का भरोसा दिलाया. साथ ही दुकानदारों के स्टॉल से कुछ खरीदारी भी की, जिससे दुकानदार काफी खुश हुए. ईद मेले में आंधी तूफान की वजह से 31 अप्रैल को काफी नुकसान हुआ था. इसके बाद इसे फिर से 3 अप्रैल से शुरू किया गया. सात अप्रैल तक लगने वाला ईद एक्सपो अब चांद रात तक रहेगा.

सेमिनार में एआई की उपयोगिता और चुनौतियों पर की गयी चर्चा

संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन सभागार में शुक्रवार को ''आर्टिफिशियल इंटेजीलेंस और मशीन लर्निंग के प्रभाव और उपयोगिता'' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया. इस सेमिनार में विशेषज्ञ मनीष सिन्हा ने मास कॉम के छात्रों को एआई के बारे में बताया- कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सामग्री निर्माण, दर्शकों की सहभागिता और बाजार को बदल रहा है. जनसंचार के क्षेत्र में डेटा विश्लेषण और रचनात्मक कार्यों में एआई की उपयोगिता के बारे में भी बताया. इसके लिए उन्होंने प्रोजेक्टर पर एआई से स्वरचित कई सामग्रियों और एआई से बनाये गये एंकर इंदिरा के वीडियो को दिखा कर छात्रों को इसकी उपयोगिता और चुनौतियों के बारे में विस्तार से बताया.

मास कॉम के निदेशक डॉ. बी.पी. सिन्हा ने कहा कि तकनीक में हर रोज हो रहे बदलावों का हमें जीवन में सदुपयोग करना चाहिये. उन्होंने एआई पर आयोजित इस सेमिनार की सराहना की और छात्रों के लिए इसे आवश्यक बताया. वहीं इस सेमिनार में वरिष्ठ पत्रकार शंभू नाथ चौधरी ने कहा कि तकनीक और डिजिटल युग में हो रहे नित नये बदलावों से डरने के बजाय इसे अपने कैरियर और सदुपयोग पर ध्यान देना चाहिए. कभी कंप्यूटर को भी शुरुआत में रोजगार छीनने वाला कह कर इसका विरोध किया गया, पर वास्तविकता है कि कंप्यूटर तकनीक ने रोजगार सृजित किये और आज इससे बड़े-बड़े कार्य किये जा रहे हैं. इसी प्रकार आर्टिफिशियल इंटेजिलेंस को अच्छे से समझ कर हम इसका सदुपयोग कर सकते हैं. इस सेमिनार में मास कॉम के सभी सत्रों के छात्रों के अलावा विभाग के शिक्षक संतोष उरांव, मनोज कुमार शर्मा, अरिंदम मुखर्जी व पीएस तिवारी उपस्थित थे.

सहायक आचार्यों के 3017 आवेदन रद्द किए गए

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने 3017 आवेदनों को रद्द कर दिया है. ये सभी आवेदन झारखंड प्रारंभिक विद्यालय के प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के हैं. जेएसएससी द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार 3017 अभ्यर्थियों ने परीक्षा फार्म भरने के अंतिम तिथि तक केवल रजिस्ट्रेशन ही करवाया था. परीक्षा का आवेदन शुल्क नहीं भरा था. इस कारण आवेदन रद्द कर दिया गया है. जेएसएससी ने 26001 पद के लिए सहायक आचार्य के लिए नियुक्ति की घोषणा की थी.

रांची जिले के 600 शिक्षकों को प्रखंड में मिलेगा वेतन

रांची। रांची जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार ने जिले के 64 उत्क्रमित हाई स्कूलों को प्रखंड के निकासी और व्ययन पदाधिकारी स्कूल से टैग कर दिया गया है. 64 हाई स्कूल 19 निकासी और व्ययन पदाधिकारी स्कूल से टैग कर दिए गए हैं. इससे 64 उत्क्रमित हाई स्कूल के 600 शिक्षकों और कर्मचारियों को लाभ मिलेगा. अब अपने प्रखंड में निकासी कर पाएंगे. इस कार्य के लिए शिक्षक प्रतिनिधिगण धनंजय सिंह, समीर कुमार, जावेद अख्तर, करमा उरांव, अबरार अहमद, जयंत मिश्रा, मोहम्मद आरिफ, ने जिला शिक्षा पदाधिकारी धन्यवाद दिया है.

डीएसपीएमयू में पहली बार मनाया गया सरहुल पूर्व संध्या समारोह

संवाददाता। रांची

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को पहली बार सरहुल की पूर्व संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न आदिवासी छात्रावासों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शिल्पी नेहा तिर्की थी. मंच का संचालन प्रतीक कच्छप ने किया. पूरा विश्वविद्यालय परिसर सरहुल के गीतों से गूंज उठा. सभी आदिवासी छात्र-छात्राएं पारंपरिक वस्त्र लाल पाड़ साड़ी व धोती कुर्ता वाले वेशभूषा में शामिल हुए. छात्छार-छात्राओं ने सरहुल के गीतों पर आदिवासी लोक नृत्य की प्रस्तुति की. उनके द्वारा प्रस्तुत किये गये सरहुल गीतों में प्रमुख हैं-परेसा पुईंदा हरे, लाल पुईंदा हरे रूखी अरेगा लगी रे यानी पलाश फूल खिला हाय रे लाल खिला, हाय रे रुखी चढ़ने लगा, हाइरे छोटा नागपुर, हाइरे हिरा राजी, छोटा नागपुर जिंगोंर-जोंगोंर रे यानी हाय छोटा नागपुर, हाय खनिज सम्पदा से परिपूर्ण राज्य, में चारों ओर बिजली लाइट हाय रे, पतेड़ा ता पान पंजा कोय पेल्लो, कुल कीड़न बललेदन बअदी रे यानी जंगल में बेर पक गया है- लड़की भूख प्यास सब भूल गई. इन गानों पर रातू के राजा बिरला छात्रावास के छात्रों ने मांदर की थाप पर डमकच और झूमर नृत्य प्रस्तुत किया. वहीं वीर बुधु भगत छात्रावास के छात्र फूलदेव केरकेट्टा ने एकल गीत की प्रस्तुति की. वीर बुधु भगत छात्रावास के छात्र तुना उरांव ने भी एकल गीत की प्रस्तुति की. समारोह के आयोजक अध्यक्ष विवेक तिर्की ने आदिवासी छात्र संघ के समस्त सदस्यों, साथी छात्र छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया. अंत में सभी ने मिलकर आदिवासी झूमर नृत्य किया. आदिवासी समन्वय समिति के सयोजक लक्ष्मी नारायण मुण्डा ने कहा कि आदिवासियों का सबसे बड़ा पर्व सरहुल का आगमन हो गया है. आदिवासी मूलवासी समाज में खुशी का माहौल है. छात्र-छात्राएं सुदूर क्षेत्रों से आकर लॉज में रहकर पढ़ाई करते हैं और सरहुल के दिन अपने गांवों में जाकर पूरे विधि विधान के साथ ढोल, मांदर, नगाड़े की थाप पर रीझ-रंग के साथ साथ मनाते हैं.

इस अवसर पर विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. रवींद्र भगत, केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की, प्रखंड समाजसेवी रूपचंद, मुन्ना उरांव, प्रकाश हंस, एंथ्रोपोलॉजी डिपार्टमेंट एचओडी अभय सागर मिंज, अजीत लकड़ा, बिरसा उरांव, कार्तिक उरांव, कुलपति मुंडा, सुशील उरांव, सूरज टोप्पो, पवन कुमार, सोनू खलखो आदि उपस्थित थे.

खास बातें

- विभिन्न आदिवासी छात्रावासों के छात्र-छात्राओं ने लिया भाग
- विश्वविद्यालय परिसर में गूंजते रहे सरहुल के गीत

न्यूज अपडेट

सरहुल को लेकर केंद्रीय सरना समिति की बैठक

रांची। केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय कार्यालय 13 आरआईटी बिल्डिंग कचहरी परिसर में सरहुल पूजा को लेकर बैठक हुई. बैठक में सरहुल महोत्सव को धूमधाम एवं शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए रांची को पांच जोन में बांटा गया. समिति की पहल पर प्रभारी नियुक्त किये गये. इसमें पूर्वी जोन के विनय उरांव एवं संजय तिर्की, पश्चिमी जोन के पंचम तिर्की और सूरज तिग्गा, उत्तरी जोन के सधन उरांव व अमर तिर्की, दक्षिणी जोन के सहायक तिर्की व अनुपमा तिर्की और मध्य जोन के प्रभारी सत्यनारायण लकड़ा, बाना मुंडा व जादो उरांव बनाये गये. मौके पर समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि सरहुल पूजा महोत्सव शांतिपूर्ण तरीके से मनाया जाएगा.

डीएसपीएमयू के भवन में दरार, कुलपति को ज्ञापन

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के नए भवन का उपरी हिस्सा टूटकर गिर रहा है. इसको लेकर आजसू छात्र संघ में रोष है. डीएसपीएमयू के ठेकेदार पर कार्रवाई करने की मांग आजसू छात्र संघ ने की है. आजसू छात्र संघ ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. तपन कुमार शांडिल्य से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा है. छात्र संघ के लोगों ने कहा कि वोकेशनल विभाग की नई बिल्डिंग को बने अभी कुछ ही समय हुए हैं. इसे शिफ्ट किए भी ज्यादा दिन नहीं बीता है और पूरी बिल्डिंग में दरार पड़नी शुरू हो गयी है, जो दूर से ही दिखाई देती है. बिल्डिंग का उपरी हिस्सा टूटकर गिर रहा है. आजसू छात्र संघ ने अविलंब इसकी मरम्मत कराने और बिल्डिंग बनाने वाले ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग की है. कहा कि अगर ठेकेदार पर कार्रवाई नहीं हुई तो आजसू आंदोलन करेगा.

संत जेवियर्स कॉलेज में शोध पर हुई कार्यशाला

रंची। संत जेवियर्स कॉलेज में इंटरनेशनल बेनेवोलेंट रिसर्च फाउंडेशन (आईबीआरएफ) व आईक्यूएसी संत जेवियर्स कॉलेज ने शोध क्रियाविधि पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया. इस शोध कार्यशाला का उद्घाटन प्रिंसिपल डॉ. फादर नाबोर लकड़ा ने किया. कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में शोध विषय सम्बंधित जानकारी देने के लिए डॉ. अर्नेश गुहा और डॉ. फादर प्रभात केनेडी सोरेंग मुख्य वक्ता के तौर पर शामिल थे. मौके पर आईक्यूएसी संयोजक डॉ. शिव कुमार, बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. फादर फ्लोरेंस पूर्ती, अन्य प्राध्यापकव रिसर्च स्कॉलर्स शामिल थे.

एकादशी पर मना श्रीनिवास का मंगलोत्सव

रांची। श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में शुक्रवार को पाप मोचनी एकादशी व्रत पर श्रीनिवास का मंगलोत्सव मनाया गया. माना जाता है कि इस मौके पर व्रत धारण कर प्रभु की आराधना करने से पापों से मुक्ति मिल जाती है. जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है. इसी भाव से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इसमें हिस्सा लिया. दर्शन-पूजन कर अपने इष्ट के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित की. सुबह साढ़े चार बजे दैनिक पूजन-आरती के साथ तिरुवाराधन किया गया. अर्चकों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रभु का महाभिषेक कराया. पुष्प श्रृंगार कर आरती उतारी.

गो सेवा के साथ समर्पण शाखा का नया सत्र शुरू

रांची। रांची के मारवाड़ी समर्पण शाखा के नए सत्र (2024 - 25) की शुरुआत शुक्रवार को हरमू रोड गोशाला में गो सेवा से हुई. गो सेवा का नेतृत्व समर्पण शाखा की नव निर्वाचित अध्यक्ष विनीता सिंघानिया कर रही थीं. निवर्तमान अध्यक्ष स्वेता भाला ने शाखा की बागडोर नयी अध्यक्ष को सौंपते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं. शाखा अध्यक्ष ने कहा कि शाखा सालों से नए कार्य करती आ रही है. आने वाले दिनों में भी सामाजिक एवं धार्मिक कार्य अच्छे ढंग से हो, इसके लिए शाखा भरपूर कोशिश करेगी.

शिक्षा जगत उषा मार्टिन विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह, नौ स्टूडेंट को गोल्ड

विकसित भारत के सपनों में युवाओं की भूमिका अहम : डॉ. माशेलकर

संवाददाता। रांची

उषा मार्टिन विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दूसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया. दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में सीएसआईआर के पूर्व डायरेक्टर जनरल पद्म भूषण डॉ. आरए माशेलकर शामिल हुए. दीक्षांत समारोह में कुल 275 स्टूडेंट्स को डिग्रियां दी गईं. वहीं 18 को पीएचडी की मानद उपाधि भी दी गयी. दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रभात कुमार, विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. सुरेश गर्ग, विश्वविद्यालय के अध्यक्ष हेमंत गोयल और रजिस्ट्रार डॉ. अनिल कुमार मिश्रा मुख्य रूप से शामिल रहे.

इस अवसर पर पद्मभूषण डॉ. आरए माशेलकर ने कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है. कहा कि विकसित भारत का सपना केवल युवाओं के समर्पण और सक्रिय भागीदारी से ही हासिल किया जा सकता है. उन्होंने विकसित राष्ट्र के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि विकसित राष्ट्र के लिए सात सिद्धांत संतुलित, सुसंस्कृत, शिक्षित, समृद्ध, सुशासित, सुरक्षित और खुशहाल है. उन्होंने राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के महत्व पर जोर दिया.

विवि का विकास केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से : कुलपति

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मधुलिका कौशिक ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की. जिसमें विश्वविद्यालय की उल्लेखनीय प्रगति कार्यक्रम के और स्थायी कैंपस में बुनियादी ढांचे के बारे में विस्तार से बताया. आगे उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की सफलता का श्रेय एक मजबूत और उत्कृष्ट शिक्षण प्रणाली है. गुणवता पूर्ण शिक्षा से हमारे छात्र-छात्राएं आगे बढ़ रहे हैं. उन्होंने विश्वविद्यालय में होने वाले शोध के बारे में भी जानकारी दी.

इतने छात्रों को मिला मेडल

स्नातक और स्नातकोत्तर में गोल्ड	9
पीएडी की उपाधि	18
स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री	165
डिप्लोमा	83
कुल डिग्री	83

श्रीहनुमान मंडल का वार्षिकोत्सव 21 को

रांची। श्रीहनुमान मंडल का 46वां वार्षिकोत्सव 21 अप्रैल को धूमधाम से श्रद्धापूर्वक मनाया जायेगा. इसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है. अग्रसेन भवन में सुबह सात से रात नौ बजे तक भक्ति के विविध कार्यक्रम होंगे. अध्यक्ष सज्जन पाडिया ने बताया कि बालाजी महाराज सहित पंच देव के श्रृंगार-पूजन से कार्यक्रम की शुरुआत होगी. अखंड ज्योत प्रज्जवलित किये जायेंगे. इसके बाद सुंदरकांड पाठ, भजन आदि कार्यक्रमों का क्रमवार सिलसिला देर शाम तक चलेगा. पाठ वाचक सुरेश बजाज संग बड़ी संख्या में श्रद्धालु सस्वर पाठ कर श्रद्धा के पुष्प अपने इष्ट के श्रीचरणों में चढ़ायेंगे. छप्पन भोग लगायेंगे. उन्होंने बताया कि भक्ति गीतों के लिए एक से बढ़कर एक भजन गायकों को आमंत्रित किया गया है.

पिपरवार के मस्जिदों में अदा की गई अलविदा जुमे की नमाज

संवाददाता। पिपरवार

रमजान महीना को लेकर पिपरवार क्षेत्र एवं आस पास के ग्रामीण क्षेत्र के मस्जिदों में शुक्रवार को अलविदा जुमे की नमाज अदा की गई.रमजान महीने के आखिरी जुमे की नमाज को अलविदा जुमा कहा जाता है.इस दिन को लोग छोटी ईद के रूप में भी मनाते है.अलविदा जुमा की नमाज अदा करने के लिए कोयलांचल क्षेत्र के सभी मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ देखी गई.बचरा जामा मस्जिद में नमाज अदा करने के लिए लोगों की काफी भीड़ देखी गई. बचरा जामा मस्जिद के इमाम हाफिज मुमताज ने अलविदा जुमा की नमाज पढ़ाया.नमाज से पूर्व अपने तकरीर में हाफिज मुमताज ने

अलविदा जुमा के महत्व पर प्रकाश डाला.उन्होंने कहा कि रमजान का आखिरी जुमा यानी जुमा अलविदा पर खुदा बंदों के गुनाहों को बख्श देता है.लोगों का इस दिन का एक वर्ष से इंतजार रहता है.रमजान के पाक महीने में खुदा कि इबादत करने के बाद अलविदा जुमा को लोग अपनी गुनाहों की माफी मांगते है.

इटकी की मस्जिदों में उमड़ी नमाजियों की भीड़

इटकी। इटकी व आसपास के गावों के मस्जिदों में रमजान माह के अंतिम जुमे के मौके पर अलविदा जुमे की नमाज अदा की गयी . नमाज से पहले इटकी के मुख्य जमा मस्जिद में मौलाना ताल्हा नदवी ने अपने खेताब में शबे कदर,अखरी अशरा व जहन्नुम से छुटकारा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया . कहा गया कि शबे कद्र की एक रात हजार महीनों से बेहतर है . पाक कुरान के अनुसार इस एक रात की इबादत 83 वर्षों की इबादत से बेहतर है . आलिमो ने रमजान की बची हुई रातों को इबादत के साथ गुजारने पर जोर दिया . इधर इटकी के मुख्य जमा मस्जिद में अलविदा नमाज से पूर्व जमा मस्जिद में ईद की विशेष नामज प्रात: 7 बजे और ईदगाह में नमाज का समय प्रात: 8 :30 बजे निर्धारित किया गया . अलविदा जुमे की नमाज को लेकर अज़ान से पूर्व ही क्षेत्र की सभी

मस्जिदों में नमाजियों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था . क्षेत्र की सारी मस्जिदें नमाजियों से भर गयी .अलविदा नमाज को लेकर बच्चों में भी उत्साह रहा . नमाज के बाद सभी मस्जिदों में इमाम के नेतृत्व में देश की तरक्की, खुशहाली, अमन व शांति की सामूहिक दुआ मांगी गयी . इधर अलविदा जुमे की नमाज के बाद इटकी के विशेष ईद बाजार पूरी तरह से सज धज कर तैयार हो गया है वही खरीदारी करने वालों की चहल-पहल काफी बढ़ गई है

ब्रीफ खबरें

107 का नोटिस मिलने पर युवक ने की आत्महत्या

बुंडू । बुंडू थाना क्षेत्र के डामारी गांव में शुक्रवार सुबह बुंडू थाना द्वारा 107 का नोटिस थमाए जाने के बाद आज दोपहर सूरज महतो ने घर में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली. जब तक घर वालों को पता चला युवक की जान जा चुकी थी. आनन फानन में आसपास के ग्रामीणों ने थाना को फोन कर घटना की जानकारी दी.मौके पर पहुंचे बुंडू पुलिस को ग्रामीणों के गुस्से का सामना करना पड़ा. इधर फांसी की घटना को सुनकर आसपास के सैकड़ों ग्रामीण जुट गए. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया .

मारांगकिरी मैदान में सांस्कृतिक कार्यक्रम कल

सोनाहातू। मारांगकिरी-चरकुडीह गांव में जनकल्याण युवा विकास क्लब की ओर से सरहुल पूजा पर सात अप्रैल को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. आयोजन में दिन में मुर्गा लड़ाई , कुड़माली झूमर, संगीत-पाता नाच एवं रात्रि में छऊ नृत्य का कार्यक्रम होगा. दोपहर 2 बजे से मुर्गा लड़ाई एवं शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक आदि करम आखड़ा सोंडबोआ करम दल झारखंडी कुड़माली झूमर शिल्पी-रेवती महतो और कलाकारों के द्वारा झुमर संगीत एवं पाता नाच का कार्यक्रम होगा. जनकल्याण युवा विकास क्लब मारांगकिरी-चरकुडीह के द्वारा विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है.

शिवनाथ की अंतिम यात्रा में भाजपाई शामिल हुए

मांडर। भाजपा नेता शिवनाथ तिग्गा का अंतिम संस्कार शुक्रवार को किया गया. उनके अंतिम संस्कार यात्रा कार्यक्रम में भाजपा नेताओं सहित कई अन्य पार्टियों के भी सैकड़ों लोग मौजूद थे.अंतिम संस्कार कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा प्रत्याशी समीर उरांव, गंगोत्री कुजर,युवा भाजपा नेता सह लोहरदगा लोस चुनाव के भाजपा के सहसंयोजक सन्नी टोप्पो, पूर्व डीडीसी परमेश्वर भगत ने शिवनाथ तिग्गा को श्रद्धांजलि दी. मौके पर राम बालक ठाकुर , पूरणजय महतो,कमलू साहू, राजकुमार सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे.

इटकी में हुआ दावत -ए इफ्तार का आयोजन

इटकी। अलविदा जुमे के मौके पर मदरसा जामिया अजीजिया कुन्दी में शुक्रवार को दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया. दावत-ए- इफ्तार में भारी संख्या में रोजदारों ने भाग लिया. इफ्तार के पूर्व मौलाना नसीम अहमद की अगुवाई में देश व दुनियां के खुशहाली, अमन चैन,भाईचारे व तरक्की के लिए सामूहिक दुआ मांगी गई. इफ्तार पार्टी में हाफीज हिफ्जूल अंसारी, वसीम अंसारी, एजाज अहमद, अयाज अंसारी, नसीम अंसारी, एहसान अंसारी, सरफराज आलम, रहमत अंसारी, सैफ अंसारी इत्यादि शामिल थे.

50 लाख की शराब जब्त, एक गिरफ्तार

छतरपुर (पलामू)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अवैध शराब की बिक्री, तस्करी के खिलाफ उत्पाद विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है. इस कड़ी में छतरपुर थाना क्षेत्र में एनएच 98 फोरलेन बाइपास स्थित चौकड़ा मोड़ के पास एक निर्माणाधीन मकान में उत्पाद विभाग की टीम ने छापेमारी कर 50 लाख रुपये की शराब जब्त की है. बताया जा रहा है कि 850 पेटी शराब मकान के अलग-अलग चार कमरों में रखी हुई थीं. मामले में मकान मालिक मनोज यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है. बरामद शराब की बोतलों पर फॉर सेलइन पंजाब एवं अरुणाचल प्रदेश लिखा हुआ है.

लोकसभा चुनाव : डीसी और एसएसपी ने मांडर प्रखंड में की समीक्षा बैठक

ईवीएम की सुरक्षा नैतिक जिम्मेदारी : डीसी

संवाददाता। मांडर

जिला निर्वाचन पदाधिकारी, सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक रांची चन्दन कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को मांडर प्रखण्ड कार्यालय के सभागार में लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों के लिए समीक्षा बैठक की. बैठक में सभी संबंधित सेक्टर पदाधिकारी, सेक्टर पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी एवं निर्वाचन से संबंधित सभी पदाधिकारियों से बिंदुवार चर्चा करते हुए कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये. बैठक में अनुभाजन पदाधिकारी रांची मोनी कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी मांडर मनोरंजन कुमार, थाना प्रभारी मांडर एवं सभी सेक्टर पदाधिकारी एवं सभी पुलिस सेक्टर पदाधिकारी एवं सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे.

डीसी ने सभी सेक्टर पदाधिकारियों से एएमएफ से संबंधित जानकारी लेते हुए ससमय इसे पूरा करने का निर्देश दिया एवं सभी चापानलों को चुनाव से पहले ठीक करने, पानी के सोर्स के बारें जानकारी रखने, पोलिंग पार्टी के लिए पूरी आवश्यक तैयारी रखने का निर्देश दिया, ताकि बूथों में पोलिंग पार्टी को कोई समस्या न हो. डीसी ने प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को मांडर प्रखण्ड के अंतर्गत सभी मतदान केन्द्रों के भ्रमण करने एवं सभी विभाग के पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया एवं सभी चुनाव

खास बातें

- हेलीपैड के लिए स्थान सुनिश्चित रखें : एसएसपी
- बच्चों को पोस्टकार्ड लिखने के लिए किया गया है प्रेरित

से जुड़े सम्बंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा. डीसी ने स्कूल में बच्चों द्वारा पोस्ट कार्ड के माध्यम से चिट्ठी लिखकर अपने परिवार के लोगों को मतदान करने हेतु जागरूक कराने का निर्देश दिया. उन्होंने प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को आदेश दिया कि स्वीप कार्यक्रम के तहत सभी स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित कराएं.

हाथ जोड़कर वोट डालने का आग्रह करें बीएलओ : डीसी ने सभी बीएलओ सुपरवाइजर को निर्देश देते हुए कहा कि वोटर स्लिप बंटवाने के क्रम में सभी बीएलओ हाथ जोड़कर मतदाता को वोट डालने हेतु आग्रह करेंगे, ताकि वे मतदान करने मतदान केंद्रों में जरूर आएं. उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ घर-घर जाकर 85 एवं दिव्यांग मतदाताओं का सत्यापन करने के पश्चात् होम वोटिंग हेतु फार्म 12 (घ) भरवायेंगे. डीसी ने मध्यवर्ती स्ट्रांग रूम के बारे में जानकारी देते हुए सेक्टर पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि मध्यवर्ती स्ट्रांग रूम ऐसे मतदान केन्द्र में बनाया जाएं, जहां पर कमरा, दरवाजा, खिडकी

की हालत ठीक हो.

मतदान में बाधा डालनेवाले व्यक्ति को चिह्नित करते हुए धारा 107 लगाएं : एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे मतदान में बाधा डालनेवाले व्यक्ति को चिह्नित करते हुए धारा 107 लगाएं. इसके साथ ही लाइसेंसी हाथियार को जमा करने का निर्देश दिया गया एवं होटल, ढाबा, दुकान इत्यादि में छापा मार कर शराब को जब्त करने एवं उनके उपर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया. साथ ही आदर्श आचार संहिता का अनुपालन नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने का आदेश थाना प्रभारियों को दिया गया. उन्होंने सम्बंधित पुलिस पदाधिकारी एवं सेक्टर पदाधिकारी से कहा कि आपातकालीन स्थिति के लिए हैलीपैड का स्थान सुनिश्चित रखें, ताकि पोलिंग पार्टी की तबीयत ज्यादा ख़राब होने पर उन्हें हेलीकॉप्टर के माध्यम से चिकित्सा सहायता दिलायी जा सकें एवं किसी अन्य हालत में भी इसकी आवश्यकता हो सकती है.

मांडर प्रखंड के मतदान केंद्रों का भौतिक निरीक्षण

रांची। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची राहुल कुमार सिन्हा व एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को मांडर प्रखंड के मतदान केंद्र एवं लोकसभा चुनाव 2024 शांति पूर्ण मतदान कराने को लेकर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के आवासन को लेकर बनाए जा रहे बेस कैंप का भौतिक निरीक्षण किया . इस दौरान अनुभाजन पदाधिकारी रांची मोनी कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी मांडर मनोरंजन कुमार, थाना

प्रभारी मांडर एवं सभी सेक्टर पदाधिकारी एवं सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे . इस क्रम में डीसी ने संबंधित अधिकारियों को मतदान बूथों पर पेयजल, शौचालय, बिजली, सफाई आदि बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया .

हाईकोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से पूछा

आदिवासियों का जबरन धर्मांतरण रोकने के लिए क्या कदम उठाये

संवाददाता। रांची

आदिवासियों के जबरन धर्मांतरण रोकने के लिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने केंद्र एवं राज्य सरकार से जवाब मांगा है. अदालत ने दोनों सरकारों से यह बताने को कहा है कि जबरन धर्मांतरण रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं. 12 जून तक शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया गया है. इस मामले में पूर्व में भी अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार से जवाब मांगा था, लेकिन जवाब दाखिल नहीं किया जा सका. इस संबंध में सोमा उरांव ने जनहित याचिका दायर की है. सुनवाई के द्वारा प्रार्थी के अधिवक्ता रोहित रंजन सिन्हा ने कोर्ट को बताया कि झारखंड में आदिवासियों को तेजी से धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है. धर्मांतरण रोकने के लिए सरकार को एक जांच कमेटी का गठन करना चाहिए. प्रार्थी की ओर से आरोप लगाया गया कि चंगाई सभा के माध्यम से आदिवासियों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है. धर्म परिवर्तन के माध्यम से आदिवासी संस्कृति को समाप्त करने की साजिश भी की जा रही है. इस मामले की जांच कराने और सरकार को धर्मांतरण रोकने का निर्देश देने का आग्रह अदालत से किया गया. मामले की अगली सुनवाई 12 जून को होगी.

रघुनाथ महतो की शौर्य गाथा को जन-जन तक पहुंचाना है : सुदेश

संवाददाता। सिल्ली /मुरी

आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष और सिल्ली के विधायक सुदेश कुमार महतो ने कहा है कि चुआड़ विद्रोह के नायक शहीद रघुनाथ महतो का उनका बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता है. वीर शहीद रघुनाथ महतो के शौर्य गाथा को जन-जन तक पहुंचाना एवं उनके परिचय को बड़े दायरे में स्थापित करना हमारी प्राथमिकता है.उक्त बातें उन्होंने रघुनाथ महतो के शहादत दिवस पर बुढ़ाम चौक, सिल्ली स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के दौरान कही.उन्होंने कहा कि जब झारखंड के नायकों की अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष और विद्रोह की चर्चा होती है, तो इस सूची में 1769 का चुआड़ विद्रोह का नाम सबसे पहले आता है. इस विद्रोह के नायक रघुनाथ महतो थे. मानभूम से लेकर धालभूम, नीमडीह, सिल्ली और

खास बातें

- रघुनाथ महतो की प्रतिमा पर लोगों ने किया माल्यापर्ण
- रघुनाथ महतो के बताये मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

जंगलमहल के इलाकों में अंग्रेजों के विरूद्ध लड़ाई का नेतृत्व करने वाले वीर शहीद रघुनाथ महतो हमेशा लोगों के दिलों में जिंदा रहेंगे. रघुनाथ महतो के परिचय को बड़े दायरे में लाने की हमारी कोशिशें जारी है.मौके पर उपस्थित नेहा महतो ने कहा कि रघुनाथ महतो के संघर्षों से हमें प्रेरणा मिलती है. उनकी जीवनी आने वाली कई पीढ़ियों को जुल्म और अत्याचार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने को प्रेरित करती रहेगी.इस अवसर पर संजय सिद्धार्थ, सुनील सिंह, सुशील महतो, गौतम साहु, बीना देवी इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

सरहुल शोभायात्रा गढ़डीपा से नावाटोली तक मांदर की थाप पर खूब थिरके युवक-युवतियां

सरहुल पर प्रकृति ने खुद श्रृंगार कर लिया: राजकमल गोप

सुनील कुमार गुप्ता। लापुंग

लापुंग प्रखंड के सरसा स्थित केंद्रीय आदिवासी सरना आश्रम गढ़डीपा से नावाटोली तक सरहुल की भव्य शोभायात्रा निकाली गई. कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी सह घघारी बाबा धाम प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजकमल गोप ने कहा कि सरहुल प्रकृति का पर्व है. चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के नए साल का स्वागत के लिए सरना धर्मावलंबी एवं सनातन धर्म के लोग पहले से ही तैयारी में जुटे होते हैं. इस दौरान सरई फूल खिल जाते हैं. जंगलों की सुंदरता बढ़ जाती है. ऐसा लगता है कि प्रकृति अपने पर्व के लिए स्वयं को सुसज्जित करती है. नए पत्तों एवं फूलों से पूरा

वातावरण सुगंधित और सुसंस्कृत हो जाती है. सरहुल की खूबसूरती मांदर की थाप पर थिरकते हुए युवक युवतियों का सामूहिक नृत्य और गीत संगीत फिजा को और भी खूबसूरत बना देते हैं. वहीं सरहुल पूजा आयोजन समिति के अध्यक्ष संतोष तिर्की ने कहा कि लतरातु और देवगांव पंचायत के लोग सरहुल के मौके पर अपनी एकता अखंडता एवं मां सरना के प्रति अपनी अद्भुत भक्ति एवं श्रद्धा को प्रदर्शित करते हैं. यह अपने आप में विशिष्ट हो जाता है. कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष संतोष तिर्की, सचिव फगुआ भगत, कोषाध्यक्ष मुनेन्द्र लोहरा संरक्षक के रुप में पंचायत समिति सदस्य पूनम टोप्पो, मनोज उरांव, इन्द्रसागर भगत, नपिंद्र सिंह निगरानी समिति के लतरातु के माघी उरांव एवं बैजनाथ लोहरा, दरन्दा के अर्पण उरांव एवं गंदुआ उरांव, देवगांव के गंदुर उरांव एवं कर्मा उरांव, पोला के संदीप मिंज एवं जितेंद्र उरांव, सरसा के कृष्णा भगत एवं जगदीश तिग्गा, शाहेदा के बुधु पाहन एवं राजेन्द्र सिंह, अंगनु उरांव एवं बंधना पाहन, नावाटोली के सुनील होरो एवं मनोज उरांव सहित समाजसेवी दशरथ तिर्की, दशरथ उरांव, सत्येन्द्र भगत, शिव कुमार तिर्की, प्रीतम उरांव, एतवा उरांव, महतो मंचू प्रधान, तुलसी उरांव, चमरू उरांव, मोहन लोहरा, एकलव्य भगत, मंगरा लोहरा, विठन उरांव, जगदीश तिग्गा, रामनाथ भगत पूर्व मुखिया फूलमणी देवी, लतरातू पंचायत की मुखिया अलका तिर्की, गंदुर लोहरा, सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

न्यूज अपडेट

मुड़मा से निकाली गयी जन जागरण यात्रा

मांडर। मुड़मा में शुक्रवार से हो रहे पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा रूद्र चंडी यज्ञ एवं मंदिर पूर्ण निर्माण को लेकर भव्य एवं विशाल जन जागरण यात्रा शोभायात्रा निकली गयी .शोभायात्रा का शुभारंभ विधिवत रूप से शंखनाद कर मुड़मा हनुमान मंदिर से प्रारंभ की गई , शोभा यात्रा ब्राबे , मलटोटी ,मुरगु, बेलगी, काटु ,मखमंद्रो, ब्रजपुर ,रातू चट्टी काठी टॉड ,ठाकुर गांव ,बुढ़मू करगे ,चोरिया, बीजू पड़ा ,मिशन चौक, मांडर पुंगी, कंदरी ,करकरा, होते हुए वापस मुड़मा पहुंची .शोभायात्रा में लगभग 351 की संख्या में मोटरसाइकिल शामिल हुए थे. आयोजन में मुख्य रूप से श्री महावीर मंडली मुड़मा के अध्यक्ष मनोहर साहू ,समाजसेवी बाबू पाठक ,महावीर मंडली यज्ञ समिति के विनोद साहू ,अर्जुन महतो ,संजय साहू, राम तिलक साहू ,जितेंद्र साहू ,कृष्णा साहू बसंत साहू, अजय साहू, पवन साहू ,धीरज ठाकुर ,आकाश महतो ,मनीष कुमार ,शशि कुमार, देवी उरांव, अयोध्या सिंह ,आदित्य सोनी ,सूरज उ में एक भक्ति में माहौल का संचार एवं प्रवाह हुआ .

पांच दिवसीय रुद्र महायज्ञ को लेकर हुआ ध्वजारोहण

पिपरवार । किरिगड़ा में शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर 19 से 23 अप्रैल तक होने वाले श्री श्री 1008 पांच दिवसीय रुद्र महायज्ञ को लेकर ध्वजारोहण शुक्रवार को किया गया.ध्वजारोहण कार्यक्रम को लेकर प्रयागराज से पधारे आचार्य पं लक्ष्मीनारायण पांडे के सानिध्य में झंडा पूजन कार्यक्रम में गांव के सीमाओं में परिभ्रमण किया गया. इस परिभ्रमण के दौरान गांव के चारों ओर श्री श्री रुद्र महायज्ञ का ध्वजारोपण किया गया.ध्वजारोपण कार्यक्रम को लेकर गाजे बाजे के साथ शामिल श्रद्धालु भक्तजनों ने जय श्री राम का उद्घोष करते हुए गांव के चारों और यज्ञ का ध्वजारोपण किया गया. श्री श्री रुद्र महायज्ञ के सफल संचालन में आयोजन समिति के अध्यक्ष भुवनेश्वर महतो,सचिव हीरा महतो, कोषाध्यक्ष रविंद्र कुमार महतो र संरक्षक जानकी महतो,काशीनाथ महतो,राजेश महतो,विनोद महतो , राजकुमार महतो, श्रवण महतो,कौशलेश महतो, गणेश महतो, जगदीश महतो, अनिल नायक, कृष्णकांत महतो, विजय कुमार, नमिता देवी, रेणुका देवी, सहित काफी संख्या में ग्रामीण श्रद्धालु भक्तजन मौजूद थे .

रामनवमी व चैती छठ पूजा को लेकर हुई बैठक

पिपरवार । चैती दुर्गा पूजा मनाने ,एवं रामनवमी के त्योहार पर्व भव्य झांकी निकल जाने को लेकर बचरा दुर्गा हनुमान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की बैठक हुई . बैठक की अध्यक्षता गिरिजा प्रसाद और संचालन धीरेंद्र कुमार शर्मा ने किया . बैठक में शामिल श्रद्धालु भक्तजनों ने सर्वसम्मति से चैती दुर्गा पूजा मनाने,एवं रामनवमी त्योहार को लेकर शोभायात्रा अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई . बैठक में रामनवमी त्योहार का जुलूस भव्य रूप में निकल जाने का निर्णय लिया गया . इस बैठक में मुख्य रूप से विहिप सह बजरंग दल पिपरवार मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुमार मंडल,प्रकाश राणा, मुकेश राणा,दीपक केसरी,सत्येंद्र प्रसाद,उमेश मेहता,अरुण सिंह, संजय ठाकुर ,प्रवीण सिंह राजकुमार सिंह सहित दर्जनों श्रद्धालु उपस्थित थे .

दावत-ए-इफ्तार में उमड़ी रोजेदारों की भारी भीड़

पिपरवार । सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के न्यूमंगरदाहा मस्जिद में रमजान के मौके पर हाजी सलीम के द्वारा दावत-ए- इफ्तार का आयोजन शुक्रवार को किया गया. दावत-ए- इफ्तार में खलारी पूर्व जिप सदस्य अब्दुल्लाह ,सुनील सिंह व सोनू पांडे मुख्य रूप से शामिल थे. मजान महीने के अलविदा जुम्मा पर प्रत्येक वर्ष न्यूमंगरदाहा गांव में हाजी सलीम के द्वारा दावत-ए- इफ्तार का आयोजन किया जाता है. दावत-ए- इफ्तार में कोयलांचल क्षेत्र के बचरा, राय, डकरा, खलारी, बहेरा, कल्याणपूर,टंडवा, कामता सहित अन्य जगहो के रोजेदार शामिल हुए और एक साथ इफ्तार किया.दावत-ए- इफ्तार से पूर्व आपसी भाईचारगी और देश व राज्य की खुशहाली के लिए दुआ मांगी गई,जिसके बाद मगरिब की अजान के साथ सभी लोगों ने एक साथ इफ्तार किया.इस मौके पर इमामउल हक, इकबाल हुसैन,अब्दुल कुदूस अंसारी, अब्दाल अंसारी,जहीर अंसारी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे.

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा मनाने को लेकर विहिप ने की बैठक

लापुंग। हिंदू नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाने को लेकर विहिप व बजरंग दल लापुंग के बैनर तले विश्व हिंदू परिषद कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रसाद साहू की अध्यक्षता में लापुंग में नंदलाल साहू के घर में बैठक हुई. बैठक में लापुंग प्रखंड के 11 पंचायत के दर्जनों गांव में नौ अप्रैल को घर घर व चौक चौराहा में भगवा व बजरंग बली का झंडा फहराने के साथ मंदिर में प्रसाद , हलवा, खिचड़ी का भोगने का निर्णय लिया गया. साथ ही मंदिर में सामूहिक आरती का आयोजन किया जाएगा यह बात मुख्य अतिथि खूंटी जिला पूर्व विहिप मंत्री बिरेंद्र सोनी ने कहा. इसके अलावे 14 अप्रैल को बाबा साहब भीम राव अंबेडकर जयंती मनाने का निर्णय लिया गया. रामनवमी पूजा के बाद संगठन का बिस्तर किया जाएगा. सर्व सम्मति से लापुंग प्रखंड विहिप सह मंत्री की जिम्मेवारी सुभाष बाउरी को दी गई. मौके पर संरक्षक नंदलाल साहू, सचिन कुमार राय,उपाध्यक्ष किश्वर साहू, बजरंग दल सयोजक बिरेंद्र साहू, अरविंद कुमार सिंह, अनिल कुमार साहू, कमल नाग, कंचन कुमार साहू, शिवशंकर साहू, सत्यनारायण महतो ,प्रमोद साहू, दिनेश्वर साहू व्योवृद्ध दशरथ साहू के अलावे अन्य विहिप कार्यकर्ता मौजूद थे.

एमएएस डीएवी पब्लिक स्कूल सिल्ली का नया सत्र शुरू

सिल्ली/मुरी । एमएएस डीएवी स्कूल सिल्ली में शुक्रवार को यज्ञ हवन के साथ नये सत्र शुरू किया गया. प्राचार्य बुबुन शरण ने यज्ञ में हवन की शुरुआत की एवं डीके पांडे ने यज्ञ हवन को संपन्न कराया गया. हवन में सभी शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं शामिल हुए. जिसमें क्लास नर्सरी, यूकेजी, एलकेजी एवं 3 से 8 क्लास तक के बच्चे शामिल हुए.छोटे बच्चों ने भी यज्ञ मंत्र का उच्चारण किया .इस अवसर पर प्राचार्य बुबुन शरण ने शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं से अनुशासित रहकर पठन-पाठन करने की अपील की.शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को बैच लगाकर नए क्लास में स्वागत किया गया.

सीआईएसएफ वाहन व ट्रक में टक्कर, जवान गंभीर

कतरास। थाना क्षेत्र के एनएच 32 पर लिलोरी मंदिर के समीप रेलवे क्रॉसिंग पर शुक्रवार की रात सीआईएसएफ वाहन और ट्रक में जोरदार टक्कर हो गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन के केबिन में बैठा सीआईएसएफ जवान फंस गया. उसके गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है. स्थानीय लोगों की मदद से जवान को केबिन निकालकर आनन-फानन में अस्पताल भेजा गया. उसकी स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है. घायल जवान श्रीचंद्र बरला बीसीसीएल कोयला भवन में पदस्थापित है. इधर, घटना के बाद रेलवे क्रॉसिंग पर दोनों वाहन फंस गए, जिससे राजगंज-रांची मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया. दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई. खबर पाकर पहुंची कतरास थाना पुलिस क्रॉसिंग पर फंसे वाहनों को निकालने के प्रयास में जुट गई.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष आय भाव में शनि चन्द्र मंगल है. गलत आय और जुबान से बचना चाहिए. कार्य होगा और आय होगी. जीवन सुखमय व्यतीत होगा. प्रसन्नता तथा उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे. पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा. चोट-रोग व चोरी-विवाद से बचें.

वृषभ असमंजस की स्थिति बनेगी. लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बतलाएं. प्रतिष्ठा में कमी हो सकती है. जल्दबाजी से चोट लग सकती है. कुसंगति से बचें.

मिथुन भाग्य का साथ मिलने से मन खुश होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. प्रमाद न करें. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी.

कर्क समय सामान्य है. मानसिक तनाव होगा, पर दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे. घर में अतिथियों का आगमन होगा. व्यय बढ़ेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम करने तथा यात्रा पर जाने का मन बनेगा. आय बनी रहेगी.

सिंह आय के लिए आप प्रयासरत है. इसका लाभ मिलेगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. कारोबारी कामकाज चलते रहेंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सुख के साधन जुटेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी. मित्रों का साथ मिलेगा.

कन्या मौसमी बीमारियों से बचें. कुटुम्ब पर खर्च होगा. साथ ही संतुष्टि भी होगी. पुराने रोग को नजर-अंदाज न करें. व्यय होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी. अन्न और मिठाई का दान करें.

तुला सन्तान के कार्य पर नज़र रखें. सृजनशीलता का विकास होगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा. जल्दबाजी न करें. शारीरिक कष्ट संभव है. कार्य मे बिलंब होगा, जिससे चिंता तथा तनाव रहेंगे.

वृश्चिक समय सामान्य है. पार्टनरों तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

धनु पराक्रम से कार्य सिद्ध होगा. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. शत्रुभय रहेगा. नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी.

मकर घर में सुख-शांति बनी रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. विवेक से कार्य करें, लाभ होगा. किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है. मित्रों से भेंट होगी. आलस को त्याग कर कार्य करें. काली वस्तु दान करें.

कुंभ समय बहुत ही उत्तम है, पर थकान व कमजोरी रह सकती है. विरोधी सक्रिय रहेंगे. ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा. यश बढ़ेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नए काम मिल सकते हैं. आर्थिक वृद्धि के लिए योजना बनेगी.

मीन रोग बीमारी पर खर्च होगा. दूसरों के मामलों में हाथ न डालें. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा. आय होगी. जोखिम न उठाएं. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें. अन्न का दान करें.

कड़ी मेहनत करें और बड़े सपने देखें स्टूडेंट्स : बिशप थियोडोर

रांची। गुमला के नोट्रे डेम स्कूल में नए शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 की शुरुआत शुक्रवार को कार्यक्रम आयोजित कर की गई. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप डाल्टनगंज के बिशप थियोडोर मस्कारेनहास मौजूद थे. नोट्रे डेम स्कूल की प्रिंसिपल सीनियर मैरी प्रफुल्ला ने बिशप को उनके पसंदीदा फल लीची और चीकू के पौधे भेंट में देकर व शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया. स्कूल के बच्चों ने सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी. बिशप ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों आप सभी कड़ी मेहनत करें और बड़े सपने देखें. उन्होंने कहा कि हमारा भविष्य हमारे हाथ में है. दूसरे केवल हमारी मदद कर सकते हैं, हमें खुद ही ईश्वर द्वारा दी गई प्रतिभाओं पर काम करके आगे बढ़ना होगा. अनुभाग की प्रिंसिपल सीनियर मैरी सुचिता ने सभी लोगों को धन्यवाद दिया. कार्यक्रम में बिशप के सचिव अमरदीप केरकेट्टा, नोट्रे डेम सिस्टर्स और शिक्षकों के अलावा छात्र-छात्राएं शामिल थे.

बसिया में नदी के पानी में दौड़ा करंट, नहाने गयी महिला की मौत

गुमला। बसिया थाना क्षेत्र अंतर्गत नारेकेला गांव के नदी में नहाने गई 40 वर्षीय महिला प्रेमवती देवी की विद्युत करंट लगने से मौत हो गई. जानकारी के अनुसार शुक्रवार पूर्वाह्न लगभग 10:30 बजे नारेकेला निवासी बिंदेश्वर महतो की पत्नी प्रेमवती देवी अपनी मां मंगरी देवी के साथ नदी में नहाने गई थी. गांव के ही किसान लखन बड़ाईक ने मोटर से खेत पटवन के लिए बिजली तार जोड़ रखा था. महिला जैसे ही नदी के पानी में पहुंची उसे करंट का झटका लगा और नदी में गिर गई. महिला की मां ने जब उसे बचाने का प्रयास किया, तो वह भी करंट की चपेट में आ गई. इसके बाद खेत का मालिक लखन बड़ाइक दौड़ कर आया और महिला को बचाने का प्रयास करने लगा. करंट लगने से वह भी गिरकर बेहोश हो गया. लखन का बसिया अस्पताल में इलाज चल रहा है. शुक्रवार की अपराह्न सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया.

बारीबांध में छह किलो का सिलेंडर बम बरामद, किया गया निष्क्रिय

लातेहार। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर सीआरपीएफ 214 बटालियन के द्वारा जिले के अति संवेदनशील इलाकों में लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा हैं. इसी क्रम में शुक्रवार को सीआरपीएफ 214 बटालियन ने लातेहार जिले के गारु थाना क्षेत्र के बारीबांध गांव अंतर्गत जयगीर पहाड़ों के घने जंगलों में सर्च अभियान चलाया, जिसमें सीआरपीएफ ने नक्सलियों के द्वारा सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से छुपाकर रखे गए छह किलोग्राम के एक सिलेंडर बम बरामद किया है. जिसे बम निरोधक दस्ता ने जंगल में ही से निष्क्रिय कर दिया. इस संबंध में सीआरपीएफ 214 बटालियन के कमांडेंट केडी जोशी ने कहां कि नक्सलियों के द्वारा चुनाव के पूर्व सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने और अराजकता का माहौल फैलाने को लेकर अति संवेदनशील इलाकों में बम छुपा कर रखा गया था. जिसे बटालियन के द्वारा नष्ट कर दिया गया है.

ईवीएम के सभी मतों के वीवीपैट की पर्चियों से मिलान की मांग पर शुभम संदेश व लगातार.इन के पाठकों की राय

मतपत्र से हो चुनाव, ईवीएम के वोट हो सकते हैं चोरी

ईवीएम के वोटों से वीवीपैट की सौ फीसदी पर्चियों का मिलान कराने की मांग वाली याचिका पर बीती 1 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. जस्टिस बीआर गवई और संदीप मेहता की बेंच ने इस मामले की अगली सुनवाई 17 मई को तय की है. एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और एक अन्य की अलग-अलग याचिकाओं में मांग की गई है कि ईवीएम के सभी वोटों का वीवीपैट की पर्चियों से मिलान किया जाए. फिलहाल मतगणना पर सवाल उठता है तो सिर्फ पांच ईवीएम के वोटों का ही वीवीपैट की पर्चियों से मिलान होता है.

मतों का मिलान वीवीपैट की पर्चियों से कराये जाने से संदेह खत्म होगाः समु

हमारा विचार है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से चुनाव नहीं कराया जाना चाहिए. अब समय आ गया है कि पहले की तरह मतपत्र से चुनाव कराया जाए, क्योंकि ईवीएम के मत इधर से उधर किये जा सकते हैं. वोटों की चोरी की जा सकती है. मतलब जिसके हाथ में सिस्टम होगा वह इसके माध्यम से अंतिम परिणाम को अपने पक्ष में कर सकता है. ऐसे में समय की मांग है कि ईवीएम के सभी मतों का मिलान वीवीपैट की पर्चियों से कराया जाए ताकि मतदाताओं के संदेह को खत्म किया जा सके.

आम लोगों को मिलेगा निष्पक्ष व स्वतंत्र चुनाव का संदेश : करण कौशल

युवा वोटर्स के लिए मतदान करना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उन्हें सामाजिक सहभागिता में शामिल होने का अवसर देता है. हम वैसी सरकार चुनना चाहते हैं जो हमें रोजगार के अवसर, शिक्षा सेवाओं की गुणवत्ता, किसानों के हित में योजनाएं, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, पेपर लीकिंग की रोकथाम आदि मुद्दों पर भी ध्यान देगी. चुनाव प्रक्रिया पारदर्शिता लाने के लिए में ईवीएम के वोटों का वीवीपैट की पर्चियों का मिलान कराना जरूरी है. इससे आम लोगों को स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव का संदेश भी जाएगा.

चुनाव प्रक्रिया न्यायसंगत और पारदर्शी होगी : मंटू कुमार

हम जैसे युवा वोटर्स के लिए पहली बार मतदान करना एक महत्वपूर्ण और उत्साहजनक पल होता है. चुनाव प्रक्रिया में वीवीपैट की पर्चियों का ईवीएम के सभी वोटों से मिलान कराना आत्मविश्वास और विश्वास को मजबूत करेगा. इससे मतदाताओं में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया संदेश जाएगा. वीवीपैट पर्चियों से ईवीएम के मतों का इस्तेमाल करने से मतदाताओं की उनके मतों को चुराने की शंका दूर होगी. चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार किए बिना इस दिशा में पहल करनी चाहिए.

ईवीएम के वोटों में छेड़छाड़ की चर्चाओं पर लगेगा विराम : सामी

वीवीपैट की शत प्रतिशत पर्चियों का ईवीएम के मतों से मिलान कराने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग और केंद्र सरकार से नोटिस जारी कर जवाब मांगना स्वागत योग्य है. हमारा मानना है कि ईवीएम से वोटिंग नहीं होनी चाहिए, क्योंकि ईवीएम में वोटिंग पहले से सेटिंग होने की चर्चा अक्सर सुनने को मिलती है. इससे मतदाताओं को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर संदेह उत्पन्न होता है. ऐसे में ईवीएम के मतों का वीवीपैट से मिलान कराना जरूरी है. वैसे, पतपत्र से चुनाव होना चाहिए.

वीवीपैट पर्चियों की शत प्रतिशत गिनती जरूरी : डॉ. कमर अली

वीवीपैट की शत प्रतिशत पर्चियों का ईवीएम के मतों से मिलान होने से लोगों का विश्वास चुनाव प्रक्रिया में और भी मजबूत होगा और उनकी लोकतंत्र के आगामी महापर्व में सहभागिता भी बढ़ेगी. इससे राजनीति दलों पर बेहतर काम करने का जनता की ओर से दबाव बढेगा. लोकतंत्र में जन सहभागिता अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है. चुनाव में मतदान कर लोग अपने प्रतिनिधियों को चुनने में भागीदारी करते हैं. इससे देश का लोकतंत्र मजबूत होगा. चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को इस दिशा में पहल करनी चाहिए.

नागरिकों का संदेह दूर किया जाना चाहिए : नवल किशोर उरांव

पिछले कई चुनावों से वीवपैट की पर्चियों से ईवीएम के मतों का मिलान कराने की मांग होती आ रही है. चुनाव प्रक्रिया पर नागरिकों के संदेह को दूर करने के लिए वीवीपैट की पर्चियों और ईवीएम के मतों का मिलान जरूर होना चाहिए, क्योंकि ईवीएम को हैक, सिस्टम को किसी के पक्ष में सेट कर किया जा सकता है और होता भी है. सवाल उठता है कि वीवीपैट की पर्चियां होने के बावजूद चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को दोनों का मिलान कराने में परेशानी क्या है? स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आधार है.

ईवीएम के मतों का मिलान वीवीपैट पर्चियों से हो : सुधीर सुरीन

वीवीपैट की शत प्रतिशत पर्चियों का ईवीएम के मतों से मिलान होने से लोगों का विश्वास चुनाव प्रक्रिया में और भी मजबूत होगा और उनकी लोकतंत्र के आगामी महापर्व में सहभागिता भी बढ़ेगी. ईवीएम को हैक, सिस्टम को किसी के पक्ष में सेट कर किया जा सकता है और होता भी है. ऐसे में समय की मांग है कि ईवीएम के सभी मतों का मिलान वीवीपैट की पर्चियों से कराया जाए ताकि मतदाताओं के संदेह को खत्म किया जा सके. चुनाव आयोग इंतजार किए बिना इस दिशा में पहल करनी चाहिए.

ईवीएम के मतों पर संदेह करना निराधार : सुरेंद्र यादव

वोट डालते समय वीवीपैट की पर्ची अपने आप प्रिंट हो जाती है. वीवीपैट पर्ची की संख्या हमेशा डाले गए वोटों के बराबर होती है, जबकि उम्मीदवारों द्वारा ईवीएम में सेटिंग करते हुए तीनों मशीनों का सीरियल नंबर उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में नोट किया जाता है. उन्हें कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट और वीवीपैट यूनिट की जांच करने को कहा जाता है. ऐसे में त्रुटि की कोई संभावना नहीं है. मैंने चुनाव में मतदान के लिए उम्मीदवारों की ड्यूटी लगा दी है और मुझे कोई गलती नहीं मिली है. संदेह निराधार है.

2019 के लोकसभा चुनाव में राज्य के पुरुषों से अधिक महिलाओं ने किया था मतदान

229 प्रत्याशियों ने लड़ा चुनाव 202 की जमानत हुई थी जब्त

प्रवीण कुमार। रांची

2024 का लोकसभा चुनाव का आगाज हो चुका है. राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा भी धीरे-धीरे कर रहे है. वहीं एनडीए (भाजपा और आजसू) गठबंधन ने झारखंड के 14 लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है. जबकि इंडिया गठबंधन में शामिल झामुमो, राजद, माले और कांग्रेस ने छह लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की है, जिसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा दुमका और गिरिडीह ,कांग्रेस खूंटी ,लोहरदगा और हजारीबाग, माले कोडरमा और राजद नें पलामू से आपने उम्मीदवार के नामों की घोषणा की है. 2019 के लोकसभा चुनाव में 66.8 प्रतिशत वोट दर्ज किया गया था, जिसमें 65.11% पुरुष, 68.26% महिला और ट्रांस जेंडर ने 16.96% मतदान किया था. 2019 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो झारखंड से राष्ट्रीय पार्टी के आलाव क्षेत्रिय राजनीतिक दलों नें भी चुनाव में आपने प्रत्यासी उतारे थे. 14 लोकसभा सीटों पर कुल 315 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया था. नामांकन दाखिल करने वाले में 288 पुरुष और 27 महिला उम्मीदवार थीं, जिनमें से 74 लोगों नामांकन जांच के बाद रद्द कर दिया गया था. इनमें 72 पुरुष और दो महिला उम्मीदवार शामिल थीं. जबकि 74 उम्मीदवारों ने अपना नाम वापस ले लिए था. चुनाव में खड़े उम्मीदवार चुनाव जीतने का दावा तो करते हैं, लेकिन परिणाम के बाद अधिकतर उम्मीदवार अपनी जमानत तक नहीं बचा पाते. राज्य के 14 लोकसभा सीटों पर 2019 के चुनाव में 229 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था, जिसमें 204 पुरुष और 25 महिला उम्मीदवार थीं. जबकि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों में से 202 लोगों का जमानत जब्त हो गया था. जमानत जब्त करने वाले में 179 पुरुष और 23 महिला उम्मीदवार थीं.

2019 चुनाव में दर्ज किया गया था 66.8 प्रतिशत वोट

पुरुष वोटर	65.11 प्रतिशत
महिला वोटर	68.26 प्रतिशत
ट्रांस जेंडर वोटर	16.96 प्रतिशत

किस सीट पर उम्मीदवार कौन

लोकसभा सीट	एनडीए	इंडिया
राजमहल	ताला मरांडी(भाजपा)	-
दुमका	सीता सोरेन (भाजपा)	नलिन सोरेन (झामुमो)
गोड्डा	निशिकांत दुबे(भाजपा)	-
चतरा	कालीचरण सिंह(भाजपा)	-
कोडरमा	अन्नपूर्णा देवी (भाजपा)	बिनोद सिंह (माले)
गिरिडीह	चंद्र प्रकाश चौधरी (आजसू)	मथुरा महतो (झामुमो)
धनबाद	ढुल्लू महतो (भाजपा)	-
रांची	संजय सेठ (भाजपा)	-
जमशेदपुर	विद्युत वरण महतो (भाजपा)	-
सिंहभूम	गीता कोड़ा (भाजपा)	-
खूंटी	अर्जुन मुंडा (भाजपा)	कालीचरण मुंडा (कांग्रेस)
लोहरदगा	समीर उरांव (भाजपा)	सुखदेव भगत (कांग्रेस)
पलामू	विष्णु दयाल राम (भाजपा)	ममता भुइयां (राजद)
हजारीबाग	मनीष जायसवाल (भाजपा)	जयप्रकाश पटेल (कांग्रेस)

पीएलएफआइ के तीन उग्रवादी गिरफ्तार

खूंटी। खूंटी पुलिस ने मुरहू थाना क्षेत्र के गुल्लू साप्ताहिक बाजार से पीएलएफआई के तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार उग्रवादियों में बालो के महराटोली निवासी शंकर गोप, घाघरा के बनटोली निवासी अजीत स्वांसी उर्फ मुन्ना स्वांसी और भुरसू निवासी सुनील नायक शामिल हैं. बताया जाता है कि तीनों पीएलएफआई के एरिया कमांडर लंबू उर्फ राड़ंग बोदरा उर्फ टीरा बोदरा के दस्ते के सदस्य हैं. एसडीपीओ वरुण रजक ने शुक्रवार को तीनों को मीडिया के समक्ष पेश किया. एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि तीन उग्रवादी गुल्लू साप्ताहिक में लेवी वसूलने की नीयत से आनेवाले हैं. सूचना मिलते ही पुलिस अलर्ट हुई और घेराबंदी कर तीनों उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया. तलाशी में उनके पास से एक कट्टा, पांच जिंदा कारतूस, पीएलएफआई संगठन का पर्चा, एक डायरी और लेवी के 15,700 रुपये मिले. पूछताछ में दोनों ने कहा कि वे लंबू के निर्देश पर लेवी वसूली, पीएलएफआई की नेटवर्किंग बनाने का काम कर रहे थे. तीनों उग्रवादियों पर दर्जनों मामले हैं दर्जः पकड़े गये उग्रवादी शंकर गोप के खिलाफ मुरहू, रनिया, तोरपा और खूंटी थाना में कुल 16 मामले दर्ज हैं.

पेज एक का शेष...

रेपो रेट में बदलाव नहीं, जीडीपी 7%...

यह पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के 5.4 प्रतिशत के अनुमान से कम है पहली तिमाही में मुद्रास्फीति के 4.9 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.8 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.5 प्रतिशत रहने की संभावना है. दास ने कहा कि ग्रामीण मांग में मजबूती, रोजगार तथा असंगठित क्षेत्र की स्थिति में सुधार, मुद्रास्फीतिक दबाव कम होने और विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र की गतिविधियों के रफ्तार पकड़ने से निजी उपभोग बढ़ेगा.

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष के जून तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर सात प्रतिशत और सितंबर तिमाही में 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है. वहीं तीसरी और चौथी तिमाही में अर्थव्यवस्था के सात प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है.

इलेक्टोरल बॉन्ड में संदिग्ध सौदों की...

पार्टी ने वादा किया है कि देश में उसकी सरकार बनने पर वह जाति आधारित जनगणना कराएगी और आरक्षण की अधिकतम सीमा को 50 प्रतिशत से बढ़ाया जाएगा. कांग्रेस ने यह भी कहा है कि वह आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मिलने वाले 10 प्रतिशत आरक्षण को सभी वर्गों के गरीबों के लिए बिना भेदभाव के लागू करेगी. घोषणा पत्र में यह भी कहा गया है कि सरकार में आने के बाद नई शिक्षा नीति को लेकर राज्य सरकारों के साथ परामर्श कर इसमें संशोधन किया जाएगा. पार्टी ने कहा है कि जो नेता भ्रष्टाचार के मामलों से बचने के लिए भाजपा में शामिल हुए, उनके मामलों को फिर से खोला जाएगा और जांच कराई जाएगी. कांग्रेस ने वादा किया कि वह ऊपरी अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए उच्चतम न्यायालय के साथ विचार विमर्श कर राष्ट्रीय न्यायिक आयोग का गठन करेगी.

पांच न्याय और 25 गारंटी.... : कांग्रेस ने 'श्रमिक न्याय' के तहत मजदूरों को स्वास्थ्य का अधिकार देने, न्यूनतम मजूदरी 400 रुपये प्रतिदिन सुनिश्चित करने और शहरी रोजगार गारंटी का वादा किया है. वहीं, 'नारी न्याय' के अंतर्गत 'महालक्ष्मी' गारंटी के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को एक-एक लाख रुपये प्रति वर्ष देने समेत कई वादे किए गए हैं.

10 वर्षों में भारत की जीडीपी को दोगुना करने का लक्ष्य : कांग्रेस ने घोषणा पत्र में कहा है कि उसने अगले 10 वर्षों में भारत की जीडीपी को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है. यह वादा भी किया है कि वह मॉब लिंचिंग, बुलडोजर न्याय और फर्जी मुठभेड़ जैसे गैर न्यायिक कदमों का पुरजोर विरोध करती है और सत्ता में आने पर इनसे कानून के मुताबिक सख्ती से निपटेगी. इसके अलावा रक्षा बलों के लिए 'वन रैंक वन पेंशन' को सही रूप में लागू करने और मोदी सरकार की ओर से इसमें पैदा की गई विसंगतियों को दूर करने की बात कही गई है. अब शनिवार को जयपुर एवं हैदराबाद में घोषणा पत्र संबंधी जनसभाएं आयोजित की जाएंगी. जयपुर में रैली को कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा संबोधित करेंगी. वहीं, हैदराबाद में जनसभा को राहुल गांधी संबोधित करेंगे.

अवैध खनन व परिवहन पर पाबंदी लगाने के लिए चलाया जा रहा है अभियान

बंद खदान में प्रशासन ने की छापामारी

संवाददाता। चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में अवैध खनन व परिवहन पर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा छापामारी जारी है. जिला के उपायुक्त के निर्देश पर एक सप्ताह में जिला खनन पदाधिकारी और चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. अवैध खनन एवं परिवहन पर पाबंदी लगाने के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में शुक्रवार को तड़के चांडिल अनुमंडल पदाधिकारी शुभ्रा रानी और जिला खनन पदाधिकारी ज्योति शंकर सतपथी ने चांडिल प्रखंड अंतर्गत घातकीडीह गांव में स्थित एक पत्थर खदान में छापामारी की. छापामारी के दौरान खदान बंद पाया गया. छापामारी के वक्त ना तो पत्थर खनन हो रहा था और ना खदान व आसपास के क्षेत्र से किसी तरह की मशीन या वाहन पाया गया.

मिली थी गुप्त सूचना : इस संबंध में जिला खनन पदाधिकारी ज्योति शंकर सथपति ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने के बाद पत्थर खदान की जांच की गई, जो बंद पाया गया. उन्होंने बताया कि जांच के दौरान किसी तरह का मशीन जप्त नहीं किया गया है और न खादान के आसपास कोई वाहन मिला. उन्होंने बताया कि उक्त खदान का लीज वैध है, लेकिन कुछ कारणों से तत्काल खनन पर रोक लगाने का निर्देश है. उन्होंने बताया कि देखने पर प्रतित हो रहा कि कभी-कभी खादान में खनन किया जाता है. इसकी जांच की जाएगी, अवैध खनन पाए जाने पर कारवाई की जाएगी. वहीं दूसरी ओर आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह समाजसेवी हरेलाल महतो ने बताया कि उन्हें बदनाम करने के उद्देश्य से विरोधियों द्वारा राजनीतिक षड़्यंत्र रचा गया है.

अभियान सीईओ ने आदिम जनजाति महिलाओं से की बात, मतदान के बारे में बताया

मारनकुडी हांसदा ने कहा- मेरा तो गउना हो गया है, मैं कैसे मतदान करूंगी

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने संताल भ्रमण के दौरान आदिम जनजाति की ग्रामीण महिलाओं से लोकसभा चुनाव के मतदान के बारे में बातें की. महिलाओं ने अपनी-अपनी समस्या बतायी. पाकुड़ के फूलपहाड़ी क्षेत्र की महिला मारनकुडी हांसदा ने कहा- मेरा तो गउना हो गया है, मैं कैसे यहां मतदान करूंगी ? मेरा ससुराल दूसरी जगह पर है, कुछ दिन बाद मेरे पति मुझे ससुराल ले जाएंगे. मालूम हो कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी गुरुवार से ही संतालपरगना क्षेत्र का भ्रमण कर सुदूरवर्ती मतदान केंद्रों की व्यवस्था एवं मतदाताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं का भौतिक निरीक्षण कर रहे हैं. संथाल भ्रमण के क्रम में शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने साहेबगंज, मंडरो, पाकुड़,फूलपहाड़ी स्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षणकिया. यहां के आदिम जनजाति क्षेत्रों के मतदाता से मिलकर लोकसभा चुनाव में मतदान को लेकर उनके क्षेत्रों में चल रही तैयारियों पर उनकी प्रतिक्रिया जानी. कुमार ने आए सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए बीएलओ को वोटर हेल्पलाइन ऐप से इन मतदाताओं को जोड़ने का निर्देश दिया. साथ ही यदि को नई बहु बीएलओ के क्षेत्र में आई हैं ,तो उनके मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए आवेदन अवश्य ले लें.

देवघर के मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह ने शुक्रवार को मधुपुर विधानसभा क्षेत्र के मधुपुर और करौं प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया बूथ संख्या 131, 191, 192, 263 व 264 का निरीक्षण करते हुए बूथों पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया. संदीप सिंह ने बीएलओ, बीएलओ सुपरवाईजर को निर्देश देते हुए कहा कि शत प्रतिशत मतदान के लिए मतदाताओं की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है. ऐसे में अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक करें, ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग सुनिश्चित कर सकें.

आर्थिकी के दो पहलू

चुनाव के समय देश की आर्थिकी पर चर्चा की जरूरत है. देश जिस गति से असमानता के जाल में फंसता जा रहा है, उसके गंभीर खतरों को समय रहते समझने और दूर करने की जरूरत है. चंद लाख या करोड़ लोगों की चमक देश की आर्थिकी की चमक के रूप में बताना उचित नहीं है. इसका मतलब सिर्फ इतना ही है कि देश के बहुमत को मुफ्त राशन के सहारे छोड़ देने की प्रवृत्ति से निजात पाने की जरूरत है. चुनाव के दौरान जिन गारंटियों की बात की जा रही है, उसे कभी प्रधानमंत्री ने ही इसे रेवड़ी बताया था. रेवड़ी संस्कृति इस तथ्य को ही उजागर करता है कि देश में एक ऐसा तबका है, जिसकी क्रय शक्ति और आमदनी घटी है. इसके साथ ही रोजगार विहीन लोगों की संख्या इस समय पिछले 40 सालों में सबसे ज्यादा है. बावजूद इसके वित्त वर्ष 2023-24 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की उगाही में उछाल आया. अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक जीएसटी के रूप में 20.18 लाख करोड़ रुपये की कुल उगाही हुई. वित्त वर्ष के आखिर महीने यानी बीते मार्च में उगाही में 18.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई. मार्च में उगाही 1.65 लाख करोड़ रुपये रही. साथ ही यह भी बताया गया है कि बीते वित्त वर्ष में यूपीआई भुगतान में 57 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई. यूपीआई पेमेंट अपने-आपमें आर्थिक गतिविधियों के बारे में कोई संकेत नहीं है. यह सिर्फ इस बात का संकेत है कि भारत में अधिक से अधिक लोग नकदी लेन-देन के बजाय ऑनलाइन पेमेंट भुगतान को अपना रहे हैं. टैक्स उगाही का संबंध अवश्य ही आर्थिक गतिविधियों से होता है. अभी जो आंकड़ा सामने है, उसमें यह जानकारी शामिल नहीं है कि जो रकम सरकार की तिजोरी में आई है, उसमें कितनी रकम रिफंड के रूप में वापस चली जाएगी. बहरहाल, भारत में अर्थव्यवस्था का जो स्वरूप उभर रहा है, उसमें जीएसटी या प्रत्यक्ष करों की भी उगाही में बढ़ोतरी कोई असामान्य बात नहीं है. आर्थिक गैर-बराबरी में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है तो इसका एक अर्थ यह भी है कि एक छोटे से तबके के हाथ में धन इकट्ठा होने की रफ्तार बढ़ गई है. भारत जैसी बड़ी आबादी वाले देश में 'छोटे तबके' में मौजूद जनसंख्या भी अपेक्षाकृत खासी होती है. इस तरह देश में लगभग छह से दस करोड़ लोगों का एक समृद्ध वर्ग उभरा है, जिसके पास लग्जरी वस्तुओं पर खर्च करने के लिए अकूत धन है. बाजार के आंकड़ों से जाहिर है कि इस तबके की बदौलत भारत में लग्जरी कारों, घड़ियों, जेवरात, मकान और विलासिता की अन्य वस्तुओं की बिक्री में बड़ा इजाफा हुआ है. इन सभी खरीद-बिक्रियों में ऊंचे स्तर पर जीएसटी देना पड़ता है. यह रकम सरकार की तिजोरी में पहुंचती है. लेकिन उसी समय दूसरी सच्चाई यह है कि आम वस्तुओं, यहां तक कि सामान्य खाद्य पदार्थों के भी उपभोग में गिरावट जारी है. इसलिए जीएसटी आंकड़ों के आधार पर देश की आर्थिक खुशहाली की कहानी बुनने का कोई ठोस आधार नहीं है.

> यूपीआई पेमेंट अपने-आपमें आर्थिक गतिविधियों के बारे में कोई संकेत नहीं है. यह सिर्फ इस बात का संकेत है कि भारत में अधिक से अधिक लोग नकदी लेन-देन के बजाय ऑनलाइन पेमेंट भुगतान को अपना रहे हैं.

सुभाषित

अभिवादनशीलस्य, नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते, आयुर्विद्या यशोबलम्।।

जो अपने से बड़ों का सदैव आदर करता है, किसी भी प्रकार से उनका अभिवादन करता है और जो वृद्धों की नित्य सेवा किया करता है, उसकी चार चीजें बढ़ती हैं – आयु, विद्या, कीर्ति और शक्ति.

अबकी बार, किसकी सरकार

18वीं लोकसभा के लिए हो रहे चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी जहां निर्वाचन आयोग की घोषणा के पहले ही अपनी बिसातें बिछाने लगे थे, दनादन प्रत्याशियों का एलान करने लगे थे, वहीं इंडिया ब्लॉक की मधुरी चाल उसके लिए भारी पड़ सकती है. कांग्रेस इस मामले में शुरू से दीर्घसूत्री रही है. छठवें-सातवें चरण के भी एनडीए प्रत्याशी प्रचार में जुट गए हैं, जबकि दूसरे पक्ष के बहुतेरे लोग उम्मीदवारी की उम्मीद में यहां से वहां दौड़-धूप कर रहे हैं.

• देश-काल

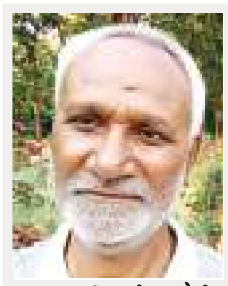

श्याम किशोर चौबे

नरेंद्र मोदी की नई उम्मीद, 'अबकी बार, 400 पार' पर उद्धव ठाकरे के तंज, 'अबकी बार, भाजपा तड़ीपार' में हकीकत कौन है और फसाना कौन? मोदी अपना चोला बदलते रहे हैं. 2014 में केंद्रीय राजनीति में वे 'बहुत सही महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकार' नारा लेकर अवतरित हुए थे. उस समय अपनी चुनावी सभाओं में वे 60 महीने की मोहलत मांगते थे. 2019 में उन्होंने 'अबकी बार, फिर मोदी सरकार' की जिद कर दी और भारत ने पिछली बार के मुकाबले 21 सीटें अधिक देते हुए उनको 303 पर पहुंचा दिया था. क्या एक बार फिर वैसा ही करिश्मा होगा? 2014 और 2019 में कांग्रेस और उसके सहयोगी दल चुनाव के पहले ही निराश और कतई हताश दिखने लगे थे. इस बार वे ...400 पार के सापेक्ष, ... तड़ीपार कहने का साहस तो दिखा रहे हैं. यह कहा किसने? पिछले दो चुनावों में भाजपा की सहयोगी रही उद्धव सेना ने. उस शिवसेना ने, जिसको 13 महीने पहले 17 फरवरी 2023 को तोड़-फोड़कर लूट लिया गया. उसके कुछ ही काल बाद जुलाई 2023 में एनसीपी का भी यही हश्र हुआ. दिग्गज नेता शरद पवार देखते रह गये, उनके भतीजे अजित पवार पार्टी ले उड़े. ये लुटे-पिटे लोग/दल भी महाबली भाजपा को चुनौती देते दिख रहे हैं तो फौरी तौर पर उनके हौसले की दाद देनी पड़ेगी. उद्धव सेना और शरद एनसीपी का ही हाल विपक्षी ब्लॉक इंडिया का है, जो पिछले साल जुलाई-अगस्त में फुरफुराने लगा था. जितने दल और जिस तरह के राजनेता उससे जुड़े थे, उससे लग रहा था कि इसके भी पर लग जाएंगे, लेकिन जदयू आदि साथ छोड़ गए. जो बचे हैं, उनका भरोसा और हौसला कायम रहे, यही बहुत होगा.

महादेशनुमा भारत में चुनाव जीतने का कोई एक फार्मूला नहीं होता. रोकड़े की महिमा अपरम्पार है. हर स्तर पर कार्यकर्ताओं का उत्साह, नेताओं की बोली-बानी, चुनावी चतुराई और विश्वसनीयता बहुत मायने रखती है. 18वीं लोकसभा के लिए हो रहे चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी जहां निर्वाचन आयोग की घोषणा के पहले ही अपनी बिसातें बिछाने लगे थे, दनादन प्रत्याशियों का एलान करने लगे थे, वहीं इंडिया ब्लॉक की मधुरी चाल उसके लिए भारी पड़ सकती है. कांग्रेस इस मामले में शुरू से दीर्घसूत्री रही है. छठवें-सातवें चरण के भी एनडीए प्रत्याशी प्रचार में जुट गए हैं, जबकि दूसरे पक्ष के बहुतेरे लोग उम्मीदवारी की उम्मीद में यहां से वहां दौड़-धूप कर रहे हैं. मोदी-शाह की सबसे बड़ी खासियत सामनेवालों की कमजोर नसों की पहचान है. उन नसों को दबाने, उलझाने और चटखाने में उनको महारत है. राजनीतिक रणनीति की यह खामी नहीं, खूबी है. प्रतिपक्ष अपने को समेटने में अस्त-व्यस्त रखने के अलावा कुछ विशेष कर नहीं पाता, तबतक सेंधमारी हो जाती है. समय रहते वह होमवर्क भी नहीं कर पाता. एनडीए के प्रत्याशियों की घोषणा इंडिया खेमे के लिए फायदेमंद हो सकती है, बशर्ते वह सामनेवाले को नाप-तौलकर हेवीवेट पेश कर दे. लुटे-पिटे परिवार में ऐसे हेवीवेट आएंगे कहां से? जहां-जहां जिस किसी भी सूरत में वह ऐसा कर पाएगा, वहां-वहां उसके लिए उम्मीद बन जाएगी, क्योंकि भाजपा के पास कंगना रनौत जैसी भी नायिकाएं हैं, जो यह कहने में खुद को जब्त नहीं कर पातीं कि 1947 में हमें आजादी भीख में मिली थी, असल आजादी तो 2014 में मिली. ऐसी बोली-बानी भारतीय मानस का दिल जीतने के बजाय उसे आहत ही करती है. अभी 30 मार्च को हैदराबाद स्थित नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ में 'कोर्ट्स एंड द कॉन्स्टिट्यूशन' सम्मेलन में सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा, '8 नवंबर 2016 को अचानक की गई नोटबंदी सही नहीं थी. यह कालेधन को सफेद करने का अच्छा रास्ता बन गया'. प्रतिपक्ष क्या इसे भुनाने में सफल हो पाया? ऐसे एक नहीं अनेक सवाल/दृष्टांत हैं, जो प्रतिपक्ष का संबल बन सकते हैं, हालांकि सबकुछ तय करना है भारतीय जनमानस को. सात चरणों में हो रहे आम चुनाव के लिए मार्च का अंतिम दिन खास था. इसी दिन मेरठ में मोदी ने अपनी ओर से चुनाव प्रचार का आगाज किया था और इसी दिन दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक ने रैली कर अपना इरादा जाहिर किया था. इसी रैली में ठाकरे ने ...तड़ीपार वाली बात कही थी. मोदी ने मेरठ में गर्व से कहा, 'बड़े-बड़े भ्रष्टाचारी जेल में हैं, कोर्ट के चक्कर काट रहे हैं. मैं भ्रष्टाचार पर कार्रवाई कर रहा हूं. भ्रष्टाचार हटाओ मेरी गारंटी है. पिछले दस वर्षों में आपने भ्रष्टाचार का ट्रेलर देखा है'....तो क्या भ्रष्टाचार की फिल्म पर जब वे काम करेंगे तो गोद लिए नारायण राणे, एकनाथ शिंदे, अजित पवार, हिमंत बिस्वा सरमा, सुवेंदु अधिकारी, बीएस बोम्मई, जनार्दन रेड्डी आदि-आदि की बारी आएगी या तबतक वे प्रफुल्ल पटेल बन जाएंगे, जिनके मामले में हाल ही क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी गई है. झारखंड में चार मुकदमों में सजायाफ्ता और तरह-तरह के 50 केस झेल रहे ढुलू महतो को प्रत्याशी बनाने से कैसा इरादा झलकता है? ऐसी ही परिस्थितियों पर रामलीला मैदान में राहुल गांधी ने कहा, 'ये कैसे चुनाव! डरा-धमका कर नेताओं को जेल भेज रहे, पीएम मोदी चुनाव में मैच फिक्सिंग की कोशिश कर रहे'. दोनों ओर से कहने को बहुत कुछ है. सुननेवाला भी होना चाहिए. 2019 को याद करें तो कुल मतदाताओं में से 25 फीसद भी जिसकी सुनें, वही मीर. बाकी फकीर. प्रतिपक्ष की फकीरी कायम रही तो 2029 को वह भूल जाय.

• बोधि-वृक्ष

सुज्ञ

स्वार्थ भरा संशय

एक अमीर व्यक्ति था. उसने समुद्र में तफरी के लिए एक नाव बनवाई. छुट्टी के दिन वह नाव लेकर समुद्र की सैर के लिए निकल पडा. अभी मध्य समुद्र तक पहुंचा ही था कि अचानक जोरदार तूफान आया. उसकी नाव थपेडों से क्षतिग्रस्त हो, डूबने लगी, जीवन रक्षा के लिए वह लाइफ जैकेट पहन समुद्र में कूद पडा. जब तूफान थमा तो उसने अपने आपको एक द्वीप के निकट पाया. वह तैरता हुआ उस टापू पर पहुंच गया. वह एक निर्जन टापू था, चारों ओर समुद्र के अलावा कुछ भी नजर नहीं आ रहा था. उसने सोचा कि मैंने अपनी पूरी जिदंगी किसी का, कभी भी बुरा नहीं किया, फिर मेरे ही साथ ऐसा क्यों हुआ..? एक क्षण सोचता, यदि ईश्वर है तो उसने मुझे कैसी विपदा में डाल दिया. दूसरे ही क्षण विचार करता कि तूफान में डूबने से तो बच ही गया हूं. वह वहां पर उगे झाड-पत्ते-मूल आदि खाकर समय बिताने लगा. भयावह वीरान अटवी में एक मिनट भी, भारी पहाड सम प्रतीत हो रही थी. उसके धीरज का बांध टूटने लगा. ज्यों ज्यों समय व्यतीत होता, उसकी रही सही आस्था भी बिखरने लगी. उसका संदेह पक्का होने लगा कि इस दुनिया में ईश्वर जैसा कुछ है ही नहीं! निराश हो वह सोचने लगा कि यहां आश्रय के लिए क्यों न एक झोपडी बना लूं..? उसने सूखी डालियों, टहनियों और पत्तों से एक छोटी सी झोपडी बनाई. अभी रात हुई ही थी कि अचानक मौसम बदला, अम्बर गरजने लगा, बिजलियां कडकने लगी. सहसा एक बिजली झोपड़ी पर आ गिरी और आग से झोपडी धधकने लगी. अपने श्रम से बने, अंतिम आसरे को नष्ट होता देखकर वह आदमी पूरी तरह टूट गया. वह आसमान की तरफ देखकर ईश्वर को कोसने लगा, ₹तूं भगवान नहीं , राक्षस है. तूं समदृष्टि नहीं, क्रूर है.₹ सर पर हाथ धरे हताश होकर संताप कर रहा था कि अचानक एक नाव टापू किनारे आ लगी. नाव से उतरकर दो व्यक्ति बाहर आये और कहने लगे, ₹हम तुम्हें बचाने आये हैं, यहां जलती हुई आग देखी तो हमें लगा कोई इस निर्जन टापू पर मुसीबत में है और मदद के लिए संकेत दे रहा है. यदि तुम आग न लगाते तो हमें पता नही चलता कि टापु पर कोई मुसीबत में है! ओह! वह मेरी झोपडी थी. उस व्यक्ति की आंखो से अश्रु धार बहने लगी. हे ईश्वर! यदि झोपडी न जलती तो यह सहायता मुझे न मिलती. वह कृतज्ञता से द्रवित हो उठा. मैं सदैव स्वार्थपूर्ती की अवधारणा में ही तेरा अस्तित्व मानता रहा. अब पता चला तूं अकिंचन, निर्विकार, निस्पृह होकर, निष्काम कर्तव्य करता है. कौन तुझे क्या कहता है या क्या समझता है, तुझे कोई मतलब नहीं. मेरा संशय भी मात्र मेरा स्वार्थ था.

ग्लोबल वार्मिंग : दुनिया के लिए बड़ा खतरा

• पर्यावरण

ज्ञानेन्द्र रावत

विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, अगले पांच साल में वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने के 66 फीसदी आसार हैं. हालांकि पर्यावरण विज्ञानी जेक हौसफादर की मानें तो 1.5 डिग्री सेल्सियस वैश्विक तापमान 2030 से पहले पहुंचने की उम्मीद नहीं है. लेकिन हरेक साल 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान के करीब पहुंचना भी बड़ा संकट है. ला नीना से अल नीनो में तबदील होने की स्थिति में जहां पहले बाढ़ आती थी, वहां अब सूखा पड़ेगा और जहां पहले सूखा पड़ता था, वहां अब बाढ़ के आने का अंदेशा है. दुनिया में तापमान में हो रही बढ़ोतरी खतरे का संकेत है. जलवायु परिवर्तन ने इसमें अहम भूमिका निभाई है. दरअसल, तापमान की तुलना का यह वह समय है, जब औद्योगीकरण से फॉसिल फ्यूल का उत्सर्जन शुरू नहीं हुआ था. विज्ञानियों ने अल नीनो के कारण गर्मी के इस तरह के भीषण उफान की आशंका जताई है. यह सब कोयला, तेल और गैस के जलाने की सभी सीमाएं पार करने का दुष्परिणाम है. फिर बीते सालों की प्राकृतिक घटनाओं को देखते हुए यह कम आश्चर्यजनक नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने में तत्परता से कारगर कदम उठाने में वैश्विक समुदाय उतना सजग नहीं दिखता, जितना होना चाहिए. बीते साल मार्च, 2023 से इस साल 2024 के बीच के बारह महीनों में वैश्विक तापमान ने 1.5 डिग्री की सीमा को पार कर लिया है. विश्व मौसम विज्ञान संगठन यानी डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट की मानें तो न केवल बीता वर्ष, बल्कि पूरा बीता दशक धरती पर अभी तक का सबसे गर्म दशक रहा है. संगठन ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यह वर्ष भी गर्मी का रिकॉर्ड तोड़ सकता है. यूरोपीय पर्यावरणीय एजेंसी यानी ईईए की मानें तो यूरोप तेजी से बढ़ते तापमान के कारण जलवायु संबंधित खतरों से जूझने के लिए तैयार नहीं है. जंगलों की आग की चपेट में वहां के घर आ रहे हैं, मौसमी आपदाओं का असर लोगों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है. इस बाबत ईईए की एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर कहती हैं कि यूरोप की जलवायु खतरे में है. यह खतरा हमारी तैयारियों की तुलना में तेज गति से बढ़ रहा है. हमें फसल और लोगों की सुरक्षा के लिए तात्कालिक कार्रवाई की जरूरत है. यदि निर्णायक कार्रवाई अभी नहीं हुई तो सदी के अंत तक अधिकतर जलवायु खतरे गंभीर होंगे. यदि तापमान वृद्धि दर पर अंकुश नहीं लगा तो सदी के अंत तक गर्मी से 1.5 करोड़ लोगों की जिंदगी संकट में आ जायेगी. इसका अहम कारण जीवाश्म ईंधन के उत्सर्जन से सदी के अंत तक सर्वाधिक गर्मी होना है. अमेरिका की पर्यावरण संस्था ग्लोबल विटनेस और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कहा कि दुनिया की प्रमुख जीवाश्म ईंधन कंपनियों द्वारा तेल और गैस का अत्यधिक मात्रा में उत्सर्जन अहम कारण है. यदि उत्सर्जन स्तर 2050 तक यही रहा तो 2100 तक गर्मी भयावह स्तर तक पहुंच जायेगी. नतीजा लाखों जिंदगियों के अस्तित्व पर सवालिया निशान हो सकता है. शोधकर्ताओं के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में हीटवेव ने तकरीबन हर महाद्वीप को प्रभावित किया. क्लाइमेट चेंज जर्नल में प्रकाशित अध्ययन की मानें तो यदि तापमान में तीन डिग्री की बढ़ोतरी होती है तो जहां हिमालय में सूखा पड़ने की संभावना प्रबल है, वहीं सर्वाधिक नुकसान कृषि क्षेत्र को उठाना पड़ेगा. इससे सबसे अधिक भारत और ब्राजील का 50 फीसदी से अधिक कृषि क्षेत्र प्रभावित होगा. क्लाइमेट ट्रेंड्स की रिपोर्ट के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से हिमालय पर कम सर्दी का सामना करना पड़ेगा. इसका कारण मौसम का पैटर्न बदलना रहेगा. वहीं अत्यधिक तापमान के असर से समय पूर्व जन्म दर में बढ़ोतरी का खतरा 60 फीसदी तक बढ़ जायेगा. बच्चों में हानिकारक स्वास्थ्य प्रभावों के लिए जिम्मेदार होगा. ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट की मानें तो बढ़ते तापमान से अमेरिका से चीन तक खेत तबाह हो चुके हैं. दरअसल, समस्या की जड़ जीवाश्म ईंधन है, जिससे हमें दूर जाने की जरूरत है. फिर जलवायु संरक्षण की कार्रवाई में जी-20, सीओपी-29 और सीओपी 30 का आपस में कुछ न कुछ जुड़ाव जरूर है, जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता. इसमें ग्लोबल साउथ की भूमिका कहां तक और कितनी सफल होगी, यह भविष्य के गर्भ में है.

> बीते साल मार्च, 2023 से इस साल 2024 के बीच के बारह महीनों में वैश्विक तापमान ने 1.5 डिग्री की सीमा को पार कर लिया है. विश्व मौसम विज्ञान संगठन यानी डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट की मानें तो न केवल बीता वर्ष, बल्कि पूरा बीता दशक धरती पर अभी तक का सबसे गर्म दशक रहा है. संगठन ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यह वर्ष भी गर्मी का रिकॉर्ड तोड़ सकता है.

भारत में 83 प्रतिशत बेरोजगार हैं युवा!

• बेरोजगारी

नवनीत

हाल की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में हरेक 100 बेरोज़गारों में से 83 युवा हैं. यह रिपोर्ट 2022 तक के आंकड़े सामने रखती है. 'आईएलओ' (इण्टरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन) और 'आइएचडी' (इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट) द्वारा जारी किये गये इस सर्वे में और भी कई तथ्य सामने आये हैं. भारत के कुल बेरोज़गारों में पढ़े-लिखे युवाओं की संख्या साल 2000 के मुक़ाबले 2022 तक दोगुनी हो गयी. देश के शिक्षित बेरोज़गारों की संख्या जो कि वर्ष 2000 में 35.2 फ़ीसदी थी, वह 2022 में बढ़कर 65.7 फ़ीसदी हो चुकी है. दूसरी ओर असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों ही नहीं, बल्कि संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों की आय में भी गिरावट देखने को मिली है तथा अकुशल मज़दूरों को न्यूनतम मज़दूरी तक नसीब नहीं होती है. भारत में बेरोज़गारी की हक़ीक़त हम सभी पहले से ही जानते हैं. अब इस अन्तरराष्ट्रीय पूंजीवादी संस्था द्वारा जारी आंकड़े ही 'अच्छे दिनों' के जुमले पर कालिख पोतते नज़र आ रहे हैं. जनता को तो अपने हालात समझने के लिए आंकड़ों की कोई दरकार ही नहीं थी. इसके लिए तो हम भर्तियों में एक-एक पद के पीछे निराश-हताश हज़ारों-लाखों युवाओं की भीड़ को आये दिन देखते ही हैं. भारत में बढ़ती बेरोज़गारी का कारण फ़ासीवादी मोदी सरकार की पूंजीपरस्त नीतियां हैं. वैसे तो पिछली सरकारों और गैर-भाजपा राज्य सरकारों के दौरान भी रोज़गार के हालात कोई बेहतर नहीं थे, लेकिन केन्द्र व राज्यों के भाजपा के फ़ासीवादी शासन ने स्थिति को नारकीय बना दिया है. हर साल 2 करोड़ नये रोज़गार पैदा करने का जुमला उछालने वाले मोदी के राज में इस वक़्त तक़रीबन 32 करोड़ लोग बेरोज़गारी का दंश झेल रहे हैं. रोज़गारशुदा लोगों तक भी मन्दी की आंच पहुंच रही है और कई प्रतिष्ठित कम्पनियां भी अपने कर्मचारियों की धड़ल्ले से छंटनी कर रही हैं. मोदी सरकार ने खुद यह माना कि इसके कार्यकाल के दौरान 22 करोड़ 5 लाख युवाओं ने केन्द्र की नौकरियों के लिए आवेदन किया और केवल 7 लाख 22 हज़ार को ही नौकरी मिली. भाजपा के शासन के दौरान उदारीकरण-निजीकरण की नीतियों की मार जनता के ऊपर भयंकर रूप से पड़ रही है. सार्वजनिक क्षेत्र की तमाम कम्पनियों और संस्थानों को बेरोकटोक ढंग से बेचा जा रहा है. इसके परिणामस्वरूप सरकारी नौकरियों में भयंकर कमी आयी है. शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, सिंचाई, पेयजल, बिजली समेत तमाम विभागों में लाखों-लाख पद खाली पड़े हुए हैं. भाजपा के राज में नाममात्र की भर्तियां निकली हैं. उनमें भी ज़्यादातर पेपर लीक, धान्धलीबाजी और कोर्ट केस का शिकार हुई. देश के युवा रोज़गार के लिए अपनी जान जोख़िम में डालते हुए युद्धरत इज़रायल तक में जाने को तैयार हैं. युवाओं की आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जिसका कारण भी बेरोज़गारी के ख़तरनाक हालात हैं. साल 2017 से 2021 तक के चार सालों के दौरान 7,20,611 लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें ज़्यादातर छात्र-नौजवान और गरीब लोग शामिल थे. इस सबके बावजूद जुमलेबाज़ सरकार विकसित भारत की बीन बजाने में लीन है और जनविरोधी गोदी मीडिया इसकी अभ्यर्थना में लगा हुआ है. फ़ासीवादी भाजपा के निरंकुश शासन का एक-एक दिन छात्रों-युवाओं और आम जनता पर भारी पड़ रहा है. ऐसे हालात में अपने रोज़गार को सुरक्षित करने के लिए हमारे पास एकजुट संघर्ष का ही रास्ता बचता है. हमें जाति-धर्म के नाम पर बंटवारे की राजनीति करने वाले तमाम संगठनों के झण्डों को धूल में फेंककर रोज़गार-शिक्षा-चिकित्सा आदि हमारे असली हक़-अधिकारों के लिए एकजुट होना चाहिए. हमें संगठित होकर निजीकरण को रोकने, विभागों में खाली पदों को भरने, ठेकेदारी प्रथा समाप्त करने, बेरोज़गारी भत्ता हासिल करने जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरना चाहिए. आगामी चुनावों में वोट की भीख मांगने के लिए हमारे दरवाजों पर आने वाले भाजपा नेताओं से हमें पूछना चाहिए कि दो करोड़ रोज़गार के जुमले का क्या हुआ और उन्हें अपने द्वार से उल्टे पांव भगाना चाहिए. यदि हम एकजुट नहीं हुए तो फ़ासीवादी मोदी सरकार फिर से सत्ता में आयेगी और इसको वही काम करना है, जो वह कर रही है. मौद्रीकरण और निजीकरण के रूप में अदानी-अम्बानी, टाटा-बिरला की सेवा जारी है. पीएम केयर, इलेक्टोरल बॉण्ड जैसे घोटाले करके धन्नासेठों को देश को लूटने की छूट देकर अपनी तिजोरी भरी जा रही है. लूट और झूठ पर पर्दा डालने के लिए जनता और उसके युवा बेटे-बेटियों को जाति-धर्म-मन्दिर-मस्जिद के नाम पर आपस में लड़ाया जा रहा है.

> भाजपा के राज में नाममात्र की भर्तियां निकली हैं. उनमें भी ज़्यादातर पेपर लीक, धान्धलीबाजी और कोर्ट केस का शिकार हुई. देश के युवा रोज़गार के लिए अपनी जान जोख़िम में डालते हुए युद्धरत इज़रायल तक में जाने को तैयार हैं. युवाओं की आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जिसका कारण भी बेरोज़गारी के ख़तरनाक हालात हैं.

मीडिया में अन्यत्र

मध्यम अवधि की आर्थिक नीति

सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसकी योजना एक विकसित भारत तैयार करने की है. इस लक्ष्य के लिए कई तिथियों के सुझाव सामने आए, हालांकि सबसे अधिक जिक्र 2047 का है जब देश की आजादी की 100वीं वर्षगांठ होगी. ऐसी महत्त्वाकांक्षा तय करना एकदम उचित है. बहरहाल, ऐसे लक्ष्य के लिए जिस पैमाने पर वृद्धि हासिल करनी होगी, उसे हासिल करना आसान नहीं होगा. इसके लिए दशकों तक साल दर साल कम से कम आठ फीसदी की दर से वृद्धि हासिल करनी होगी. यदि हम ऐसा कर सके तब जाकर 14,000 डॉलर प्रति व्यक्ति के नॉमिनल सकल घरेलू उत्पाद तक पहुंच सकेंगे, जो उच्च आय वाले देशों के लिए वर्तमान मानक है. अब तक करीब छह देशों ने यह स्तर हासिल किया है, परंतु ऐसी वृद्धि हासिल करना संभव है. चीन वर्षों की तेज वृद्धि के बाद अगले कुछ वर्षों में 14,000 डॉलर का स्तर प्राप्त कर सकता है. यह स्थिति तब है, जबकि हाल के दिनों में चीन की आर्थिक गति कमजोर पड़ी है. पूर्वी यूरोप और पूर्वी एशिया के कई देशों ने भी इस समय में तेज वृद्धि बरकरार रखी है. भारत जैसे जटिल देश में यह स्पष्ट है कि ऊंची और टिकाऊ वृद्धि अपने आप नहीं आएगी. वर्तमान परिदृश्य में तो ऐसा ही प्रतीत होता है. सन 1990 और 2000 के दशक की स्वर्णिम अवधि के उलट आज वैश्विक हालात प्रतिकूल हैं. महत्त्वाकांक्षी विकासशील देशों के लिए भी हालात मुश्किल हैं. इसकी कई वजह हैं. पहली, कारोबारी व्यवस्था बहुत सीमित हो गई है, क्योंकि विभिन्न देश ऐसी औद्योगिक नीतियों में व्यस्त हैं जहां घरेलू सब्सिडी और शुल्क दरों से जुड़े प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं. दूसरा, अमेरिका और चीन के बीच छिड़े शीतयुद्ध ने मूल्य शृंखलाओं को विभाजित कर दिया और निवेश रणनीतियों को जटिल बना दिया. तीसरा, तकनीकी बदलावों ने किफायती श्रम लागत के इर्दगिर्द बनी विकास नीतियों को मुश्किल बना दिया है.अन्य वृहद रुझानों को भी इसमें शामिल करना होगा, जिसमें जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तथा पर्यावरण के अनुकूल बदलावों का असर शामिल है. कार्बन उत्सर्जन को कम करने की आवश्यकता भारत समेत किसी भी देश की क्षमता को प्रभावित करती है. उन्हें सस्ती ऊर्जा के लिए घरेलू कोयले पर निर्भर रहना पड़ता है. इससे औद्योगीकरण की लागत बढ़ती है, क्योंकि मध्यवर्ती वस्तुएं बनाने के लिए उच्च लागत वाली तकनीकों की आवश्यकता होती है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

अनुकरण/अनुसरण

आखें बंद कर किसी का अनुकरण करना ठीक नहीं होता. अभ्यास के लिए लेखकों और कवियों की उपलब्ध उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन एवं अनुसरण करना चाहिए. इन वाक्यों में हमारे सामने एक जैसे लगने वाले दो शब्द मिलते हैं- अनुकरण और अनुसरण. सामान्यतः दोनों शब्दों के अर्थ भी समान ही हैं, लेकिन प्रयोग करने के बाद उत्पन्न विशिष्ट अर्थ से उनके अलग होने का आभास सहज ही हो जाता है. समानार्थी होने के बावजूद दोनों शब्दों के बीच के सूक्ष्म अंतर को समझने के लिए इनकी व्युत्पत्ति पर विचार किया जाना आवश्यक है. अनुकरण और अनुसरण दोनों शब्द तत्सम पुल्लिंग हैं. दोनों ही अनु उपसर्ग से बनते हैं. यानी करण शब्द के साथ अनु जुड़ता है तो अनुकरण शब्द बनता है और सरण के साथ अनु जुड़ता है तो अनुसरण. अनु उपसर्ग का मतलब पीछे, अनुगामी, सदृश, साथ, प्रत्येक है. हिंदी शब्दकोशों में अनुकरण और अनुसरण को समानार्थी ही बताया गया है. अनुकरण किसी मॉडल, उदाहरण, पैटर्न आदि को सामने रख कर किया जाता है. अनुकरण किसी चीज का प्रतिनिधित्व है. आवश्यक नहीं कि वह चीज वास्तविक ही हो. वह काल्पनिक भी हो सकता है. अनुसरण का अर्थ है किसी के कार्यों को देख कर या पढ़ कर उसी की तरह कार्य करना. अनुकरण का मतलब है किसी के कार्यों की छानबीन किये उसके कार्यों की नकल करना. यहां ध्यान रखने की बात है अंधानुकरण होता है, लेकिन अंधानुसरण नहीं होता. अनुसरण का मतलब है किसी के पथ को अपनाना, किसी के पीछे-पीछे चलना, साथ-साथ चलना, किसी के सिद्धांतों को मानना, किसी के अनुसार चलना. उसी प्रकार अनुकरण का अर्थ है किसी की नकल करना, किसी से प्रेरणा लेना, किसी जैसा बनना. अनुकरण का अर्थ है नकल करना और अनुसरण का अर्थ है किसी के द्वारा दिये गये मार्गदर्शन या आदेशों का अनुपालन. हिंदी के अनुकरण का यूनानी भाषा में समानार्थी है मिमेसिस, जिसका अंग्रेजी अनुवाद है इमिटेशन. अनुकरण का अर्थ है नकल या प्रतिलिपि या प्रतिच्छाया.

ए जी, ओ जी, लो जी, सुनो जी....!

• तीर-तुक्का

डॉ. प्रदीप उपाध्याय

ए जी, ओ जी, लो जी, सुनो जी वन टू का फोर,फोर टू का वन जैसा कारनामा तो लखन ही कर सकता था, लेकिन नहीं जी ! अब तो यह खुले बाजार हो चला है. हर किसी ऐरे गैरे नत्थू खैरे के नाम के साथ जी. नाम के साथ जी लगाना मजबूरी है या दिल से निकलने वाला सम्मान का भाव! मुझसे किसी ने पूछा. तो मैंने तो यही कहा कि भाई, यह तो शिष्टाचार है. भले ही वह लायक हो या न हो. लिहाज रखने के लिए तो नाम के साथ जी जरूरी है. लेकिन वे सहमत नहीं हुए, बोले-यह जी तो जी का जंजाल बन गया है. माना कि टू जी, थ्री जी ने परेशान कर रखा था, लेकिन उनको इस बात का तो ध्यान रखना था कि इनका अर्थ लाभ पाने के चक्कर में सामर्थ्य लाभ खो देना पड़े ,ऐसा जी किस काम का! जी से परहेज तो नहीं होना चाहिए. हमारी तो घरवाली ही सुबह-शाम हमें ए जी, ओ जी, लो जी, सुनो जी करती रहती हैं, लेकिन हमने आजतक कभी इस बात पर न तो बुरा माना, न परेशान हुए. वैसे तो हमने जब-जब उनसे कहा कि प्रिये, ये क्या तुम हमें ए जी, ओ जी कहती रहती हो, हमारे नाम से सीधे क्यों नहीं पुकारती, तो वे यही कहती हैं कि अरे हुजूर, मर्यादा का तो हमें ध्यान रखना पड़ता है, कैसे नाम से पुकार सकती हैं. रिस्पेक्ट नाम की भी कोई चीज है कि नहीं! इस वार्तालाप के बाद अब हमें इस ए जी, ओ जी में भी संशय होने लगा है. क्योंकि मार्केट में यह स्पष्टीकरण भी चल ही रहा है कि जैश ए मोहम्मद के प्रमुख यानी आतंकी सरगना मसूद अजहर को राहुल गांधी जी द्वारा कहा गया सम्बोधन मसूद अजहर जी कांग्रेस पार्टी की नजर में तंज है. वैसे तो पूर्व में भाजपा के केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद जी भी एक आतंकवादी के नाम के साथ जी का प्रयोग कर चुके हैं. हालांकि इसे भी उन्होंने कटाक्ष ही बताया था. इस मामले में कांग्रेसी दिग्गज दिग्विजय सिंह जी भी आदर देने में कहां पीछे रहे हैं. उन्होंने ओसामा जी और हाफिज़ सईद साहब कहकर आतंक के पर्याय लोगों को मान देने में कोई कसर बाकी नहीं रखी. वैसे भी आरोप लग जाने से ही तो कोई अपराधी नहीं हो जाता! बहरहाल, अब जी लगाकर मान दिया जाता है या कटाक्ष किया जाता है, यह आज के हालात में विचारणीय हो गया है. अगर यह तंज है तो प्यार से, दुलार से, मान से होने वाला जी कैसा होगा! कहीं ऐसा तो नहीं कि पत्नी मर्यादा के नाम पर या डर के कारण ए जी, ओ जी करती फिरती हैं?

बायोस्कोप

हस्ताक्षर

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

‘क्वीन’ कंगना के करियर की खास फिल्म है जो महिला सशक्तीकरण की प्रतीक फिल्म के रुप में हिंदी में देखी जाती रहेगी. यहां कंगना अपने अकेलेपन के साथ नहीं, परिवार, दोस्त और समाज के साथ दिखती थीं.

एक जो है कंगना

कंगना की राजनीतिक सक्रियता हमेशा सुर्खियों में है, चाहे वह इंडस्ट्री का मामला हो, या फिर देश समाज का. कंगना चुप नहीं रहती.

हिंदी सिनेमा के अभिनेता या अभिनेत्रियों में कंगना ऐसी अकेली होगी, जिसके चुनाव नहीं लड़ने पर लोग आश्चर्य करते. आमतौर पर चुनावों में सितारों के नाम की घोषणा अचानक ही होती है. आश्चर्य नहीं कि चुनाव में उतरने के पहले और बाद भी उनकी राजनीतिक सक्रियता आमतौर पर नहीं देखी जाती. कंगना की राजनीतिक सक्रियता हमेशा सुर्खियों में है, चाहे वह इंडस्ट्री का मामला हो, या फिर देश समाज का. कंगना चुप नहीं रहती. कुछेक साल पहले करण जौहर के एक इंटरव्यू से शुरु हुए नेपोटिज्म के विवाद ने इंडस्ट्री को कठघरे में खडा कर दिया, और अपनी झेंप मिटाने इंडस्ट्री कंगना पर फूहड आक्रमण में एकजुट हो गई, जिसका पुरजोर मुकाबला कंगना लगातार करती रही. जब पूरी इंडस्ट्री सुशांत सिंह राजपूत की मौत पर गुम साधे पडी थी, कंगना ने एक बार फिर कमान संभाली और उसकी मौत को नेपोटिज्म से जोडते हुए मुंबई पुलिस के इन्वीटिगेशन पर सवाल उठाए. मामला राममंदिर का हो, या कश्मीरी ब्राह्मणों का कंगना अपनी ईमानदार राय देने से कभी नहीं चूकती. व्यवसायिक चुप्पी उसके स्वभाव में ही नहीं थी. हिमाचल प्रदेश के ठंडे वातावरण में जन्मी कंगना की पढ़ाई पहले चंडीगढ और फिर दिल्ली में हुई. दिल्ली में ही अरविंद गौड के साथ उसने थिएटर सीखा, और थिएटर की छोटी सी लेकिन मजबूत विरासत लेकर अपने दृढ इरादे के साथ मुबई आ गई. पहली फिल्म मिली गैंगस्टर, और यहीं साथ मिला महेश भट्ट का. इस फिल्म में कई ऐसे दृश्य थे जिसे निभाना सहज नहीं हो सकता था, लेकिन कंगना ने बेहिचक उन दृश्यों को अभिनीत किया. कहते हैं पहले ‘गैंगस्टर’ के ऑडिशन में कम उम्र कह कर इसे मना कर दिया गया था, बाद में बुला कर एक अपराधी की प्रेमिका की भूमिका इसे मिली. 2006 में इस फिल्म को अबू सलेम की जिंदगी से प्रेरित के रुप में प्रचारित किया गया था. इसी साल कंगना को ‘वो लम्हें’ मिली, जो परवीन बाबी और महेश भट्ट के जीवन से प्रेरित बताई जा रही थी. कंगना अपने काम के प्रति कितनी ईमानदार थी, और किस साहस और जीवट के साथ अपनी भूमिका को उतारने की कोशिश की इसकी गवाह आज भी ये फिल्में हैं. आश्चर्य नहीं कि ‘वंस अपान ए टाइम’ इन मुंबई से लेकर ‘फैशन’ और ‘लाइफ इन ए मेट्रो’ तक कंगना एक खास तरह की फिल्मों की पसंद बनी रही. ‘तनु वेड्स मनु’ के बाद हिंदी सिनेमा को एक नई कंगना मिली, ‘गैंगस्टर’ और ‘फैशन’ के डार्क कैरेक्टर से मुक्त. यह वो चरित्र था, जो जीने का संदेश लेकर आ रहा था. जिसके पास जीने की जिद थी, और लड़ने का आत्मविश्वास. शायद ‘तनु वेड्स मनु’ में कंगना को अपने को जीने का अहसास हुआ होगा, फिर उसने पलट कर नहीं देखा, हाल ही में आयी ‘तेजस’, या फिर ‘पंगा’, जिसमें उसने एक ऐसे कबड्डी खिलाड़ी की भूमिका निभाई जो अपने बटे की जिद पर ग्राउंड पर दोबारा उतरती है और अपनी पहचान कायम करती है. ‘क्वीन’ तो महिला सशक्तीकरण की प्रतीक फिल्म के रुप में हिंदी में देखी जाती रहेगी. यहां कंगना अपने अकेलेपन के साथ नहीं, परिवार, दोस्त और समाज के साथ दिखती थी. ‘क्वीन’ के बाद जब हिंदी सिनेमा की अभिनेत्रियों की नई पहचान बन कर कंगना उभर रही थी, उसने अभिनय से ब्रेक लेकर पटकथा लेखन की पढाई करने न्यूयार्क फिल्म एकेडमी ज्वाइन करने का निर्णय ले लिया. जो लोग आज कंगना की शिक्षा पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें अहसास नहीं कि सिनेमा में लोकप्रियता के शिखर पर रहते हुए पढाई के लिए ब्रेक लेने का निर्णय कोई सामान्य अभिनेता नहीं ले सकता, उसके लिए कंगना होना चाहिए. 14 वर्षों में 3 नेशनल अवार्ड और पद्मश्री पाने के लिए किसी अभिनेता को कितने जन्मों से गुजरना पडता है, यह समझने की जरुरत है. कंगना के साथ मुश्किल यह है कि वह जितनी ईमानदार अपने चरित्र के प्रति रहती है, उतनी ही वास्तविक जीवन में भी. आप सहमत हों, असहमत हों, इससे इन्कार नहीं कर सकते कि कंगना परदे पर भी निर्भीक दिखती है, और परदे के बाहर भी. निर्भीकता कंगना के स्वभाव में है, आज के समय में यह दुर्लभ निर्भीकता सीखने की चीज है.

कंगना का जन्म हिमांचल प्रदेश के भांभला में एक राजपूत परिवार में हुआ था. उनके पिता का नाम अमरदीप रनौत और मां का नाम आशा रनौत है. उनकी एक बड़ी बहन भी हैं जिनका नाम रंगोली है और एक छोटा भाई है जिसका नाम अक्षत है.

अपने शुरुआती दिनों के संघर्ष के समय में कंगना फिल्म प्रोड्यूसर महेश भट्ट के संपर्क में आईं जिससे उन्हें अनुराग बासु की रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'गैंगेस्टर' में लीड रोल मिला.

कंगना को साल 2019 का, उनकी फिल्म मणिकर्णिका और पंगा के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का 67वां राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है.

पसंदगी में लुढ़का ये रिश्ता क्या... अनुपमा का जलवा बरकरार

बीएआरसी की नवीनतम रिपोर्ट आ चुकी है. इसमें टॉप 10 की लिस्ट में कई फेर बदल हुए हैं, हालांकि अनुपमा का जलवा बरकरार है. इस साल के 13वें हफ्ते में भी रूपाली गांगुली का शो अनुपमा कहानी की रोचकता की वजह से नंबर वन पर डटा है. सीरियल में प्रतिदिन आ रहे नए ट्विस्ट और टर्न्स दर्शकों को बांधने में सफल है और इसके प्रसारण के समय वे टीवी के सामने डटे रहते हैं. यही कारण है कि नवीनतम टीआरपी में 2.7 रेटिंग के साथ ये सीरियल अपना नंबर वन पोजिशन बरकरार रखा है. दूसरे नंबर पर 'गुम है किसी के प्यार में' है, जिसकी रेटिंग 2.3 है. वहीं 'शार्क टैंक इंडिया' से लेकर 'डांस दीवाने' टीआरपी चार्ट में एकदम नीचे नजर आए. एक दशक से अधिक समय से दर्शकों का प्रिय तारक मेहता का उल्टा चश्मा इस हफ्ते पसंदगी के मामले में थोड़ा नीचे लुढ़का. इस हफ्ते की रिपोर्ट रिश्ता क्या कहलाता है के लिए भी बेहतर नहीं रही.

भावी सास-ससुर से मिलने आई आर्यन की गर्लफ्रेंड!

शाहरुख खान के साहबजादे आर्यन खान गर्लफ्रेंड को लेकर हमेशा चर्चा में रहते हैं. ऐसी चर्चा है कि इन दिनों वे ब्राजीलियाई मॉडल लारिसा बोन्सी को डेट कर हैं. इन दिनों लारिसा बोन्सी का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें लारिसा कार में बैठती हुई नजर आ रही हैं. उसकी हॉटनेस पर लोगों के मुंह खुल रह गए. शॉर्ट्स में लारिसा का फिगर कयामत ढा रहा था. वीडियो सामने आते ही इंटरनेट की दुनिया में आग लग गई है. कमेंट में लोग "शाहरुख खान की बहू?", “ सास ससुर से मिलने आई क्या!” एक का कहना था, "ओह ये कितनी हॉट है यार।" एक ने लिखा, "तो ये भी इंडिया आ गई, सबको यहीं बसा लो." एक ने लिखा, "सेक्सी लग रही है. " एक ने मानो सर्टिफिकेट ही जारी कर दी- "आर्यन की चॉइस अच्छी है." बता दें कि लारिसा बोन्सी एक ब्राजीलियाई मॉडल, डांसर हैं और उन्होंने अक्षय कुमार और जॉन अब्राहम के साथ ब्लॉकबस्टर गीत “सुबह होने न दे” के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी.

अप्रैल में ओटीटी पर एंटरटेनमेंट की जबर्दस्त नॉक-नॉक

अप्रैल महीने में मौसम के तेवर मई जून से कम नहीं हैं. ऐसे में घर के सुकुनगाह में फैमिली के साथ शोज और फिल्मों के इंटरटेनमेंट डोज मिले, तो क्या कहना! चार अप्रैल को अमेजन पर जूही परमार और राजेश कुमार ये मेरी फैमिली के तीसरे सीजन में वापस हुए. इसमें जूही परमार ने नीरजा का किरदार निभाया है. वहीं पांच अप्रैल को सलमान खान की भांजी अलिजेह अग्निहोत्री की फिल्म फर्रे भी जी 5 पर रिलीज हुई. यह फिल्म पिछले साल थिएटर्स में रिलीज हुई थी और कल ओटीटी पर आई. इनसे पहले फैमिली आजकल तीन अप्रैल को सोनी लिव पर आई. अगर आप फैमिली के साथ बैठकर कोई फैमिली शो देखना चाहते हैं तो ये शो आपको जरूर पसंद आएगा. इसमें अपूर्व अरोड़ा, सोनाली सचदेव, दिवंगत नितेश पांडे, आकर्षण सिंह, प्रखर सिंह और मसूद अख्तर हैं. आइए बात करें जियो सिनेमा, प्राइम वीडियो, नेटफ्लिक्स जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अप्रैल में आने वाली फिल्मों और शोज की....

साइलेंस 2

मनोज बाजपेयी की फिल्में या वेब सीरीज के दीवाने हैं तो अप्रैल आपके लिए खुशनुमा माह होगा. देखिए साइलेंस 2. साल 2021 में 'साइलेंस: कैन यू हियर इट?' आई थी, अब 3 साल बाद इसका सीक्वल आ रहा है.

रिलीज डेट- 10 अप्रैल
कहां देखें- जी 5

अदृश्यम

ये हैं मोहब्बतें सीरियल से दर्शकों के दिल में जगह बनाने वाली दिव्यांका त्रिपाठी ने टीवी की दुनिया में खूब नाम कमाया. अब उनकी वेब सीरीज 'अदृश्यम' आ रही है, जिसमें एजाज खान भी हैं.

रिलीज डेट- 11 अप्रैल
कहां देखें- सोनी लिव

अमर सिंह चमकीला

दर्शकों के बीच दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा की फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' की खूब चर्चा है. ये आइकॉनिक पंजाबी सिंगर अमर सिंह चमकीला की जिंदगी पर आधारिक है.

रिलीज डेट- 12 अप्रैल
कहां देखें- नेटफ्लिक्स

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

दशरथ बन गए गुजरे जमाने के राम!

अरुण गोविल इन दिनों चर्चा में हैं. भारतीय जनता पार्टी ने इस बार मेरठ लोकसभा सीट पर टीवी के राम यानि अरुण गोविल को टिकट दिया है. अरुण गोविल इन दिनों निर्माणाधीन फिल्म रामायण को लेकर भी चर्चा में हैं. लीक तस्वीरें लोगों में उनके किरदार को लेकर उत्सुकता जगा रही हैं.

टीवी के राम के रूप में आप किन्हें याद करते हैं- बेशक अरुण गोविल को. इस एक किरदार ने उन्हें पूरी उम्र की यही पहचान दी है. टीवी पर रामायण प्रसारण का वह जमाना कैसे भूला जा सकता है जब लोग उन्हें साक्षात राम समझ कर पैर छूते थे. अब नई खबर यह है कि अरुण गोविल पर्दे पर राम नहीं बल्कि दशरथ के रूप में नजर आएंगे. दरअसल डायरेक्टर नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' की शूटिंग शुरू हो गई है. इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का किरदार निभाते नजर आएंगे. बड़े पैमाने पर बन रही इस फिल्म के सेट्स से कुछ तस्वीरें वायरल हो गई हैं. तस्वीरों में टीवी के राम कहलाने वाले एक्टर अरुण गोविल को राजा दशरथ के रूप में देखा जा सकता है. बता दें कि अरुण गोविल इन दिनों चर्चा में इसलिए भी हैं क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ने इस बार मेरठ लोकसभा सीट पर टीवी के राम यानि अरुण गोविल को टिकट दिया है.

बहरहाल बात निर्माणाधीन फिल्म रामायण की लीक तस्वीरों की. रामायण की सेट से ये तस्वीरें ट्विटर पर धड़ल्ले से वायरल हो रही हैं. असल में 'रामायण' के सेट से तस्वीरें जूम टीवी के हाथ आई हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया. इन तस्वीरों में अरुण गोविल को लंबे बाल-दाढ़ी के साथ मुकुट पहने देखा जा सकता है. उनका लुक काफी बूढ़े दिखने वाले राजा दशरथ का है. एक तस्वीर में गोविल के साथ दो छोटे बच्चों को भी देखा जा सकता है, जो भगवान राम और लक्ष्मण के बाल रूप माने जा रहे हैं.

कैकेयी का रोल लारा दत्ता को

इन तस्वीरों में एक्ट्रेस लारा दत्ता कैकयी के लुक में नजर आ रही हैं. लारा दत्ता को पर्पल कलर की साड़ी और गोल्ड ज्वेलरी पहने देखा जा सकता है. उनके साथ एक्ट्रेस शीबा चड्ढा को भी देखा जा सकता है. शीबा मैरून आउटफिट पहने हैं. उन्हें देखकर लग रहा है कि वो मंथरा के रोल में हो सकती हैं. 'रामायण' का सेट राजा दशरथ के महल जैसा बना हुआ है. उसमें अरुण गोविल और लारा दत्ता घूमते और बात करते दिख रहे हैं. दोनों एक्टर्स के आसपास फिल्म के क्रू के लोग भी हैं. एक तस्वीर में डायरेक्टर नितेश तिवारी को देखा जा सकता है.

राम के रूप में रणबीर मुस्तैद

करीब दो महीने पहले रिपोर्ट्स आई थीं कि एक्टर रणबीर कपूर फिल्म 'रामायण' के लिए वॉयस और डिक्शन ट्रेनिंग लेंगे. इस फिल्म के लिए एक्टर पहले से ही काफी मेहनत कर रहे हैं. एक सूत्र के मुताबिक, 'रणबीर की अपनी एक बैरीटोन और लाइंस बोलने का तरीका है. अगर आप अपनी आंखें बंद करके भी डायलॉग सुनो तो आप रणबीर की आवाज को पहचान सकते हो. रामायण में नितेश तिवारी चाहते हैं कि रणबीर अपने पुराने किरदारों से अलग सुनाई दें. कुछ नया करने के इस प्रोसेस को रणबीर भी काफी पसंद कर रहे हैं.' रणबीर कपूर इस फिल्म में राम भगवान का रोल निभाएंगे. तो वहीं साउथ स्टार साई पल्लवी मां सीता के रोल में नजर आने वाली हैं. केजीएफ स्टार यश, 'रामायण' में रावण के रोल में हैं. खबर है कि एक्ट्रेस साक्षी तंवर को मंदोदरी का रोल ऑफर किया गया है. साथ ही बॉबी देओल को कुंभकर्ण और विजय सेतुपति को विभीषण का रोल ऑफर हुआ है.

शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों से दोनों टीमों को होगी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

खराब फॉर्म से जूझ रही बेंगलोर टीम का सामना आज राजस्थान से

भाषा । जयपुर

खराब फॉर्म से जूझ रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और शानदार प्रदर्शन कर रही राजस्थान रॉयल्स दोनों को शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में अपने शीर्षक्रम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी. आरसीबी फिलहाल दस टीमों में आठवें स्थान पर है जो उसके खराब प्रदर्शन की बानगी देता है. वहीं रॉयल्स दूसरे स्थान पर है लेकिन उसके शीर्षक्रम ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है. आरसीबी के पास शीर्षक्रम में कप्तान फाफ डु प्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरन ग्रीन और रजत पाटीदार जैसे शानदार आक्रामक बल्लेबाज हैं लेकिन कोई भी एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका. स्टार बल्लेबाज विराट कोहली दो अर्धशतक समेत 203 रन बनाकर आरेंज कैप हासिल कर चुके हैं लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिला.

पाटीदार ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ 29 रन बनाये लेकिन उनसे इससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है. सवाई मानसिंह स्टेडियम की पिच आरसीबी के घरेलू मैदान चिन्नास्वामी स्टेडियम से मिलती जुलती है जिस पर बल्लेबाजों को शॉट्स खेलने में आसानी होगी. दूसरी ओर रॉयल्स के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अच्छा फॉर्म लेकर आईपीएल में आये थे लेकिन तीन मैचों में 39 रन ही बना सके हैं. जोस बटलर की भी यही कहानी है. इंग्लैंड के टी20 कप्तान ने तीन मैचों में 35 रन बनाये हैं और उनका स्ट्राइक रेट 85 का रहा है. रॉयल्स की बल्लेबाजी की धुरी कप्तान संजू सैमसन (109 रन) और रियान पराग (181 रन) रहे हैं. दोनों को दूसरे बल्लेबाजों से भी सहयोग की जरूरत होगी.

- मैच शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा
- तालिका में दूसरे स्थान पर है राजस्थान की टीम
- अंक तालिका में आठवें नंबर पर है बेंगलोर

गेंदबाजी में राजस्थान का पलड़ा भारी

गेंदबाजी में राजस्थान का पलड़ा भारी है, जिसके पास तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और नांद्रे बर्गर के अलावा अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल है. तीनों मिलकर 16 विकेट ले चुके हैं. अनुभवी रविचंद्रन अश्विन ने हालांकि तीन मैचों में एक ही विकेट लिया है. आरसीबी के गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज महंगे साबित हुए हैं जिन्होंने 10 से ऊपर की औसत से रन दिये हैं. अलजारी जोसेफ और रीसे टॉपली भी चल नहीं सके हैं.

टीमें

- **रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर :** फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशक, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्ज़ारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान.
- **राजस्थान रॉयल्स :** संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, अवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नंद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पॉवेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुष कोटियान.

हैदराबाद के किले को नहीं भेद पाए चेन्नई के किंग्स

अभिषेक शर्मा के तूफान में उड़ा चेन्नई सुपर किंग्स

भाषा। हैदराबाद

हैदराबाद के राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम में आज यानी 5 अप्रैल को आईपीएल 2024 में 5 बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से था. इस मैच में चेन्नई की टीम सनराइजर्स के सामने बिल्कुल फींकी नजर आई. एसआरएच ने एकतरफा यह मैच 6 विकेट से जीत लिया. टॉस गंवाकर चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 165 रन बनाए. 166 रन का टारगेट हैदराबाद ने बड़ी आसानी के साथ 18.1 ओवर में 6 विकेट रहते हासिल कर लिया. चेन्नई की टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में ही काफी साधारण नजर आई.

अभिषेक शर्मा के तूफान में उड़ा चेन्नई : दरअसल, 166 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद को युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई. पावरप्ले में ही शर्मा जी चेन्नई से मैच काफी दूर ले गए थे. उन्होंने 308 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए महज 12 गेंदों में 37 रन बनाए. इस दौरान अभिषेक शर्मा ने अपनी पारी में 2 चौके और 4 छक्के भी जड़े. अभिषेक के अलावा एडन मार्करम ने भी 36 गेंद में 138 के स्ट्राइक रेट से 50 रन की अच्छी पारी खेली. वहीं ट्रेविस हेड ने भी 31 रन बनाए. वहीं विनिंग शॉट नीतीश कुमार के बल्ले से निकला. बात करें चेन्नई सुपर किंग्स की तो, उनकी तरफ से इंग्लिश स्पिनर मोईन अली ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए. इसके अलावा दीपक चाहर और महीश तीक्षणा को भी 1-1 सफलता मिली.

चेन्नई ने अपनी बल्लेबाजी से किया निराश : शिवम दुबे (45 रन) की ताबड़तोड़ पारी के बीच तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की पारी को पांच विकेट पर 165 रन पर रोक दिया. इसी मैदान पर हैदराबाद ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ तीन विकेट पर 277 रन बनाये थे जबकि उसके खिलाफ पांच विकेट पर 246 रन बने थे.

दुबे ने 24 गेंद की पारी में दो चौके और चार छक्के लगाये लेकिन टीम के अन्य बल्लेबाज तेजी से रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे. हैदराबाद के तेज गेंदबाजों ने धीमी गेंदों का शानदार इस्तेमाल कर सीएसके की रनगति को ज्यादा बढ़ने नहीं दिया. अजिंक्य रहाणे ने 30 गेंद 35 जबकि रविंद्र जडेजा ने 23 गेंद में नाबाद 31 रन बनाये. कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 21 गेंद में 26 रन का योगदान दिया. हैदराबाद के लिए टी नटराजन, भुवनेश्वर कुमार, पैट कमिंस, शाहबाज अहमद और जयदेव उनादकट ने एक-एक विकेट लिये.

ब्रीफ खबरें

युकी-ओलिवेट्टी मराकेश ओपन के सेमीफाइनल में

मोरक्को । भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के अलबानो ओलिवेट्टी ने तीसरी वरीयता प्राप्त निकोलस बारियेंटोस और रफेल माटोस को हराकर एटीपी मराकेश ओपन पुरूष युगल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. युकी और अलबानो की गैर वरीय जोड़ी ने कोलंबिया के निकोलस और ब्राजील के रफेल को 7-6, 6-7, 10-7 से हराया . अब उनका सामना ऑस्ट्रिया के दूसरी वरीयता प्राप्त लुकास मीडलर और अलेक्जेंडर एर्लेर से होगा. विश्व युगल रैंकिंग में 62वें स्थान पर काबिज युकी दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी रोहन बोपन्ना के बाद भारत के दूसरे सर्वोच्च रैंकिंग वाले युगल खिलाड़ी हैं.

20 जून से शुरू होगा खेलो झारखंड, 19 करोड़ होंगे खर्च

रांची । खेलो झारखंड प्रतियोगिता की तिथि झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के द्वारा जारी कर दी गई है. इस वर्ष विद्यालय स्तर की प्रतियोगिता 20 जून से शुरू होगी और 31 अक्टूबर को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के साथ समाप्त होगी. खेलो झारखंड में राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के 34 खेल, 13 चरणों में आयोजित किए जाएंगे. वहीं पूरी प्रतियोगिता में लगभग 19 करोड़ राशि अलग अलग स्तर पर खर्च किए जाएंगे. राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में लगभग 48 हजार प्रतिभागियों के भाग लेने का अनुमान है.

ओलंपिक से पहले ऑस्ट्रेलिया की चुनौती के लिए तैयार है भारतीय हॉकी टीम

अपने आप को आंकने उतरेगा भारत

भाषा । पर्थ

शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय पुरूष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक से पहले अपनी तैयारियों को पुख्ता करने के लिये शनिवार से यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में उम्दा प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी. इस श्रृंखला से भारत को पेरिस ओलंपिक से पहले अपनी ताकत और कमजोरियों को आंकने का मौका मिलेगा. मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिये यह श्रृंखला बहुत महत्वपूर्ण है. हमें अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देना है और उन पहलुओं का पता करना है जिनमें सुधार की जरूरत है. उन्होंने कहा कि हमारा फोकस अपनी रणनीति पर प्रभावी अमल करके ऑस्ट्रेलिया की चुनौती का माकूल जवाब देने पर होगा. भारत ने आखिरी बाद 2014 में विदेश में टेस्ट श्रृंखला जीती थी. फरवरी में एफआईएच प्रो लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत है. भारत ने प्रो लीग में भुवनेश्वर में चार में से तीन मैच जीते और राउरकेला में अपराजेय रही. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसे दोनों मैचों में पराजय मिली. दोनों टीमें ओलंपिक में एक ही ग्रुप में है लिहाजा टेस्ट श्रृंखला के जरिये दोनों को एक दूसरे को आंकने का मौका मिलेगा.

हॉकी श्रृंखला

- मैच दोपहर दो बजे से शुरू होगा
- भारत -ऑस्ट्रेलिया के बीच होगी पांच मैचों की श्रृंखला

हम चुनौती के लिए तैयार हैं : हरमनप्रीत

कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि हम इस चुनौती के लिये तैयार हैं. हमें पता है कि ऑस्ट्रेलिया कठिन प्रतिद्वंद्वी है लेकिन हमें अपनी क्षमता और तैयारियों पर भरोसा है. हमारा लक्ष्य सिर्फ इस श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करना नहीं बल्कि एक ईकाई के रूप में खुद को निखारना भी है. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2013 से अब तक 43 मैच हुए हैं, जिनमें से 28 ऑस्ट्रेलिया ने और आठ भारत ने जीते जबकि सात मैच ड्रॉ रहे.

टीम प्रबंधन ने कुलदीप को दी आराम करने की सलाह

मुंबई। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव 'ग्रोइन' चोट से उबर रहे हैं और उन्हें दिल्ली कैपिटल्स टीम प्रबंधन द्वारा एहतियात के तौर पर मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आराम की सलाह दी गयी है. बायें हाथ के स्पिनर कुलदीप को दिल्ली कैपिटल्स के जयपुर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सत्र के दूसरे मैच में चोट लग गयी थी जिसमें टीम को हार का सामना करना पड़ा था.इससे इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को अगले मुकाबलों के लिए बाहर रहने के लिए बाध्य होना पड़ा, जिसमें अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने अंतिम एकादश में वापसी की.

सूर्या फिट, मुंबई ने ली राहत की सांस

भाषा । मुंबई

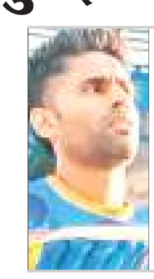

- दिल्ली के खिलाफ मैच में मैदान में उतर सकते हैं सूर्या
- अभ्यास सत्र में सूर्या ने लगाये बड़े-बड़े शाट

इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में संघर्ष कर रही मुंबई इंडियंस ने शुक्रवार को टीम के अभ्यास सत्र में दुनिया के नंबर एक टी-20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के शामिल होने से राहत की सांस ली. लंबे समय तक चोट के कारण खेल से दूर रहने वाले सूर्यकुमार ने नेट सत्र में अभ्यास करके साथ बिना किसी परेशानी के बड़े शॉट लगाये. इससे यह उम्मीद जगी कि वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टीम के आगामी मैच में मैदान में उतर सकते हैं. पांच बार की चैम्पियन मुंबई की टीम ने इस सत्र में नये कप्तान हार्दिक पंड्या की अगुवाई में अपने शुरूआती तीनों मैच हारकर बेहद निराशाजनक शुरू की है. यह 33 साल का आक्रामक बल्लेबाज जनवरी से ही खेल से दूर है. उन्हें स्पोर्ट्स हर्निया से उबरने के लिए सर्जरी का सहारा लेना पड़ा. वह टखने की चोट से भी जूझ रहे थे जो उन्हें पिछले साल के अंत में भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान लगी थी. सूर्यकुमार वानखेड़े स्टेडियम में अभ्यास सत्र के लिए पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी थे. वह दोपहर के सत्र में टीम के अन्य खिलाड़ियों से एक घंटे से अधिक समय पहले पहुंचे थे. उन्होंने नेट सत्र में एक घंटे से अधिक तक बल्लेबाजी अभ्यास की. कुछ दिन पहले उन्हें राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने मुंबई इंडियंस की टीम में शामिल होने की मंजूरी दे दी थी. दाएं हाथ के बल्लेबाज ने थ्रोडाउन विशेषज्ञों और स्पिनर कुमार कार्तिकेय के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए मैदान के सभी हिस्सों में स्ट्रोक लगाए.

श्रीराम व बेजेमैन की जोड़ी सेमीफाइनल में

एटीपी ह्यूस्टन ओपन टेनिस टूर्नामेंट

- सीधे सेटों में 6-0, 6-3 से जीती श्रीराम व बेजेमैन की जोड़ी
- सेमीफाइनल में पर्सेल व जोर्डन से भिड़ेगी श्रीराम-बेजेमैन की जोड़ी

भाषा । ह्यूस्टन

भारत के एन श्रीराम बालाजी और जर्मनी के आंद्रे बेजेमैन की जोड़ी एटीपी ह्यूस्टन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. बालाजी व बेजेमैन की जोड़ी ने भारत के अर्जुन खाड़े और जीवन नेदुंचेझियान को सीधे सेटों में हराकर एटीपी ह्यूस्टन ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंची. इससे पहले शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका के राजीव राम और आस्टिन क्राइसेक को हराने वाले बालाजी और बेजेमैन ने 59 मिनट में 6-0, 6-3 से जीत दर्ज की. अब उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलिया के मैक्स पर्सेल और अमेरिका के जोर्डन थॉम्पसन की जोड़ी से होगा.

आईपीएल

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, इस सत्र में बेंगलोर की टीम का सारा दबाव विराट पर है

दूसरे बल्लेबाजों को करनी चाहिए कोहली की मदद : स्टीव स्मिथ

भाषा । मुंबई

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ का मानना है कि आईपीएल के मौजूदा सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बाकी बल्लेबाजों की नाकामी के कारण विराट कोहली पर भारी दबाव है. स्मिथ का मानना है कि उनके साथी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करके उनका साथ देना चाहिये.

विराट कोहली ने इस सत्र में आरसीबी के लिये चार मैचों में 67.66 की औसत से 203 रन बनाये हैं, जबकि दूसरे स्थान पर दिनेश कार्तिक हैं, जो बस 90 रन बना सके हैं. कोहली के अच्छे फॉर्म के बावजूद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने चार में से तीन मैच गंवाये हैं और अंकतालिका में आठवें स्थान पर है. ग्लेन मैक्सवेल, फाफ डु प्लेसी और कैमरन ग्रीन का बल्ला अब तक पूरी तरह से खामोश रहा है. स्टार स्पोर्टर्स की कमेंट्री टीम के सदस्य स्मिथ ने चैनल के स्टूडियो पर पीटीआई से बातचीत में कहा कि दूसरे प्रमुख बल्लेबाज जैसे मैक्सवेल, जु प्लेसी और कैमरन ग्रीन को उसका साथ देना चाहिये. ऐसा करने पर वे टीम को जीत की राह पर ला सकते हैं.

इस समय सारा दबाव विराट पर ही है. उन्होंने कहा कि शीर्ष और मध्यक्रम के बल्लेबाजों को उसकी मदद करनी चाहिये. उसने शुरूआत बहुत अच्छी की है लेकिन उसे सहयोग की जरूरत है. वह अकेला ही हर मैच में रन नहीं बना सकता.

हालात को बखूबी समझते हैं कोहली

1. कोहली ने इस सत्र 4 मैचों में 67 .66 की औसत से 203 रन बनाए हैं
2. आरसीबी के दूरसे टॉप स्कोरर कार्तिक 90 रन ही बना सके हैं

स्मिथ ने धीमी स्ट्राइक रेट को लेकर कोहली की आलोचना को खारिज करते हुए कहा कि दुनिया का कोई खिलाड़ी हालात को कोहली से बेहतर नहीं समझ सकता. उन्होंने कहा कि कोहली शानदार खिलाड़ी है. वह हालात को बखूबी समझकर उसके अनुरूप खेलता है और इस मामले में दुनिया में उसका कोई सानी नहीं है. रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाये जाने के बाद दर्शकों का आक्रोश झेल रहे हार्दिक पंड्या के मामले में उन्होंने कहा कि दर्शकों को अतीत में जीना छोड़ना चाहिये. उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है. दर्शकों को हार्दिक का साथ देना चाहिये लेकिन रोहित के प्रशंसक अपार हैं. वे नाराज हैं कि वह कप्तान क्यो नहीं है, लेकिन अब उसे भुलाकर हार्दिक का साथ देना होगा. वह गुजरात टाइटंस का सफल कप्तान रहा है और अब मुंबई में लौटा है . सीनियर खिलाड़ियों को उसकी मदद करनी चाहिये. छह साल पहले केपटाउन टेस्ट में गेंद से छेड़खनी मामले को लेकर प्रतिबंध झेल चुके स्मिथ ने कहा कि इतनी नकारात्मकता के बीच उसे इससे निपटने के रास्ते तलाशने होंगे. मुंबई जीत की राह पर लौटेगी तो सब ठीक हो जायेगा.

कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट

ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंदा ने फिरोजा को ड्रॉ पर रोका

भाषा । टोरंटो

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में फ्रांस के फिरोजा अलीरजा से ड्रॉ खेला, जबकि डी गुकेश को विदित गुजराती ने ड्रॉ पर रोका. पुरूष वर्ग में पहले दिन चारों मुकाबले ड्रॉ रहे जबकि महिला वर्ग में जोंग्यी तान ने हमवतन टी लेइ को हराया. भारत की आर वैशाली ने हमवतन कोनेरू हम्पी को ड्रॉ पर रोका. रूस की अलेक्जेंड्रा गोरियाश्किना ने कैटरीना लागनो से ड्रॉ खेला. वहीं बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा ने अन्ना मुजिचुक को ड्रॉ पर रोका. पुरूष वर्ग में फेबियानो कारूआना और हिकारू नकामूरा का मुकाबला ड्रॉ रहा जबकि अजरबैजान के निजात अबासोव ने रूस के इयान नेपोमनियाश्ची को ड्रॉ पर रोका.

खास बातें

- जी गुकेश व विदित गुजराती के बीच भी मैच ड्रॉ
- पहले दिन पुरूष वर्ग के चारों मुकाबले ड्रॉ रहे
- महिला वर्ग में जोंग्यी ने टी लेइ को हराया

ब्रीफ खबरें

मार्च में 57 हजार लीटर शराब जबत की

गोपालगंज । गोपालगंज पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर पुलिस लगातार शराब तस्करी को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई कर रही है. गोपालगंज पुलिस ने मार्च माह में सर्वाधिक शराब बरामद करने का रिकॉर्ड बनाया है. जब से शराबबंदी लागू हुई है, तब से सर्वाधिक शराब इस साल मार्च माह में गोपालगंज पुलिस द्वारा पकड़ी गई है. फरवरी महीने में 52 हजार लीटर शराब पकड़ी गई थी. वहीं, मार्च माह में 57 हजार लीटर शराब बरामद कर पुलिस ने एक रिकॉर्ड बना दिया.

हिंदुओं का जागना आवश्यक : तोगड़िया

पटना । हिंदू में जागृति पैदा करने के उद्देश्य से मैं देश भर में भ्रमण कर रहा हूं. हिंदुओं का जागना आवश्यक है. अगर अब भी हिंदू समाज नहीं संभला और अपने अंदर के हिंदुत्व को नहीं जगाया तो आने वाला भविष्य बेहद भयावह होगा. यह बयान मुजफ्फरपुर में पहुंचे हिंदूवादी नेता और अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने दिया है. तोगड़िया ने यह भी कहा कि अभी का काल खंड हिंदुओं के लिए बेहद खराब है और आक्रांताओं के समय में यह जागृति पैदा करनी होगी. अगर नहीं संभले और हिंदुत्व को नहीं जगाया तो हिंदू और भी बड़े खतरे में होगा.

पवन हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार

भागलपुर । जिले के बबरगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दिनदहाड़े अपराधियों ने घर में घुसकर पवन यादव की गोली मारकर कर हत्या कर दी. मृतक पवन अमरेंद्र सिंह हत्याकांड में मुख्य आरोपी था. वह 5 महीना पहले जेल से छूटकर बाहर आया था. अमरेंद्र सिंह की हत्या 2022 में अपराधियों ने गोली मारकर कर दी थी. मामले को लेकर बताया जा रहा है कि पवन अपने फूफा के घर कुतुबगंज मोहल्ले में रहता था और जमीन का कारोबार करता था. पवन अपने किसी परिजन को लेकर बाजार से घर आया तो अपराधियों ने घर में घुसकर पवन को कनपटी में दो गोली मारी जिससे मौत हो गई.

महागठबंधन में शामिल हुए मुकेश सहनी, तीन सीटें मिलीं

संवाददाता । पटना

महागठबंधन में सीटों का बंटवारा हो गया है, लेकिन काफी समय से वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी की बात नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से चल रही थी. शुक्रवार को राजद कार्यालय में मुकेश सहनी महागठबंधन में शामिल हो गए. इस दौरान तेजस्वी यादव भी मौजूद रहे. वहीं, 'इंडिया' गठबंधन में राजद ने अपने खाते के 26 सीटों में तीन सीट मुकेश सहनी को दिया है.

सहनी और तेजस्वी एक साथ मंच साझा कर राजद कार्यालय में सम्मेलन किए. इस मौके पर तेजस्वी ने कहा कि एनडीए को उनको हम लोग धूल चटाने का काम करेंगे. बीजेपी संविधान को खत्म करना चाहती हैं, लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है. किसी माई के लाल में दम नहीं है कि हमारे संविधान को खत्म कर सके.

मिली तीन सीट : तेजस्वी ने कहा कि वो बेहद खुश हैं कि मुकेश सहनी हम लोगों के साथ आए हैं. हम सभी राजद के परिवार में इनका स्वागत करते हैं. लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए हम सभी को साथ लेकर के चलने का काम करें और इनको भी सम्मान दें. पहले ही हो चुका है कि 26 सीट राष्ट्रीय जनता दल को मिली है उस 26 सीटों में हम तीन सीट मुकेश सहनी को दे रहे हैं. यह पार्टी का निर्णय हुआ है. राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी निर्णय है. पहली सीट गोपालगंज है, दूसरी झंझारपुर है और तीसरी मोतिहारी सीट (पूर्वी चंपारण लोकसभा सीट) है. वहीं, मुकेश सहनी ने कहा हमारे पूर्वजों ने जिस तरह से देश की आजादी में संघर्ष किया है वही संघर्ष इस लोकसभा चुनाव में हम लोग करेंगे. हमलोग 'इंडिया' गठबंधन में आए हैं और निश्चित तौर पर 2024 का जो चुनाव होगा उसे मजबूती से लड़ेंगे और सभी 40 की 40 सीट पर हम लोग काम करेंगे और सभी 40 सीटों को जीतेंगे. बता दें कि बिहार में मल्लाह की 6 फीसद आबादी है. इससे 10 से 15 सीटों पर असर माना जाता है.

मुकेश सहनी के शामिल होने से

मल्लाह की आबादी छह प्रतिशत है, इससे 10 से 15 सीटों पर असर होगा

जदयू के स्टार प्रचारकों की सूची जारी

नीतीश और ललन सिंह शामिल

संवाददाता । पटना

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के चुनाव की तारीख नजदीक आते ही भाजपा ने रैली का शुभारंभ कर दिया है. वहीं जदयू ने लोकसभा चुनाव को लेकर अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है. इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहले नंबर पर हैं. जदयू के राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय नेताओं को भी इसमें जगह मिली है. पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह सहित कई अन्य नेताओं और नीतीश मंत्रिमंडल के सदस्यों को स्टार प्रचारक के रूप में शामिल किया गया है.

स्टार प्रचारकों में तीन महिलाएं भी अपनी भूमिका निभायेंगी. जदयू के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में सीएम नीतीश कुमार, जमां खान, वशिष्ठ नारायण सिंह, रत्नेश सदा, ललन सिंह, राजीव रंजन, केसी त्यागी, विद्यासागर निषाद, विजेन्द्र प्रसाद यादव, दामोदर सवतं, मंगनीलाल मंडल, सलीम परवेज, विजय चौधरी, विजय सिंह निषाद, उमेश सिंह कुशवाहा, डॉ संजीव कुमार सिंह, संजय झा, संजय सिंह, रामनाथ ठाकुर, ललन कुमार सर्राफ, श्रवण कुमार, रामसेवक सिंह, आफाक अहमद स्वान, रविन्द्र सिंह, मौलाना गुलाम रसूल बलियावी, खालिद अनवर, अशोक चौधरी, विजय सिंह, लेसी सिंह, मदन सहनी, महेश्वर हजारी, शीला कुमारी, सुनील, जयंत राज, कहकशां परवीन, शैलेश कुमार, संतोष निराला, नौशाद आलम, लक्ष्मेश्वर और मनीष कुमार के नाम शामिल हैं. उल्लेखनीय है कि जदयू बिहार में 16 संसदीय सीटों पर चुनाव लड़ रही है. जदयू के स्टार प्रचारक विभिन्न चरणों में राजग के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगेगे.

धनगाई थाना क्षेत्र के बिहिया-बिहटा मुख्य पथ पर हुआ हादसा

शव लेकर जा रही गाड़ी का टायर फटा, तीन की मौत,10 घायल

- पत्नी का शव ले जा रहा था पति, उसकी भी जान चली गई

संवाददाता । पटना

आरा में गुरुवार की रात शव ले जा रही सवारी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. 9 से 10 लोग घायल हैं. गाड़ी पर कुल 13 लोग सवार थे. यह घटना धनगाई थाना क्षेत्र के बिहिया-बिहटा मुख्य पथ पर औरैया टोला के पास हुई है. चरपोखरी थाना के पड़रिया गांव के रहने वाले रामलाल सिंह की पत्नी गूंजा देवी की गुरुवार को मौत हो गई थी. उन्हें हार्ट अटैक आया था. इसके बाद सभी लोग सवारी गाड़ी पर शव को लेकर दाह-संस्कार के लिए बक्सर जा रहे थे. जैसे ही औरैया टोला के पास रीगल ढाबा पहुंचे कि गाड़ी का टायर फट गया. इसके चलते गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई. इस हादसे के बाद अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी. मौके पर जगदीशपुर के एसडीओ और एसडीपीओ समेत कई थानों की पुलिस पहुंची. आनन-फानन में सभी जख्मियों को इलाज के लिए जगदीशपुर रेफरल अस्पताल भेजा गया. यहां से छह लोगों को बेहतर इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया गया.

पड़रिया गांव के रहने वाले थे सभी : मृतकों में चरपोखरी थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव निवासी राम लाल सिंह (65), कमलेश सिंह (40), कृष्णा सिंह (40) शामिल हैं. घायलों में 55 वर्षीय कृष्णा सिंह, 60 वर्षीय धर्मनाथ सिंह, 60 वर्षीय दयानंद सिंह, 55 वर्षीय वीर बहादुर सिंह शामिल हैं. ये सभी चरपोखरी थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव के रहने वाले हैं. वहीं एक और जख्मी जगदीशपुर की पहचान 35 वर्षीय मदन सिंह के रूप में हुई है. युवक का इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है. दयानंद सिंह की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है. दयानंद सिंह को डॉक्टर ने इलाज के बाद पटना रेफर कर दिया. ग्रामीण अभिजीत सिंह ने बताया कि राम लाल सिंह की पत्नी गूंजा देवी की हार्ट अटैक से गुरुवार की दोपहर मौत हो गई थी. उनके शव को लेकर गांव के लोग अंतिम संस्कार के लिए बक्सर घाट जा रहे थे. अभिजीत सिंह ने कहा कि ट्रक वाले ने टक्कर मार दी जिससे गाड़ी पलट गई. हालांकि पुलिस का कहना है कि टायर ही फटने से घटना हुई है. धनगाई थाना के दारोगा धनगाई रविंद्र कुमार राय ने तीन लोगों की मौत की पुष्टि की है.

ट्रक-वैन में टक्कर चालक घायल

सहरसा : जिले के सिमरी बख्तियारपुर नगर परिषद क्षेत्र के रानीबाग-पुरानी बाजार के बीच कब्रिस्तान के समीप शुक्रवार को ट्रक व पिकअप में आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है.

नालंदा : दीपनगर मंडल कारा की घटना

जेल में कैदी की मौत, परिजनों का किया बवाल

संवाददाता । नालंदा

नालंदा के दीपनगर मंडल कारा में बंद एक कैदी की शुक्रवार की सुबह मौत हो गई, घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने जमकर हंगामा और आगजनी की. साथ ही बिहार थाना पुलिस पर कैदी राजू कुमार को पीट-पीटकर जख्मी करने का आरोप लगाया, परिजनों का कहना है कि पिटाई करने और इलाज में कोताही बरतने की वजह से उसकी मौत हो गई. परिजनों की मानें तो बिहार थाना की पुलिस ने राजू कुमार को शक के आधार पर ब्राउन शुगर बेचने के मामले में गिरफ्तार किया था. इसके बाद उसे 72 घंटे तक थाने के अंदर ही बुरी तरह से पीटा गया और फिर उसे दीपनगर मंडल कारा भेज दिया गया, मृतक कैदी राजू कुमार के शरीर पर जख्म के कई निशान हैं, मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

तस्करी के मामले में था जेल में बंद : दरअसल पिछले 10 मार्च को बिहार थाना पुलिस ने नईसराय गौढ़ागढ़ से ब्राउन शुगर मामले में चार युवकों को गिरफ्तार किया था, पुलिस ने 45 पुड़िया ब्राउन शुगर, 35 हजार रुपये नकद और मोबाइल भी बरामद किया था, इसी मामले में दीपनगर मंडल कारा में बंद कैदी राजू कुमार की शुक्रवार की सुबह मौत हो गई. उधर कैदी की मौत के बाद परिजनों ने शव को लेकर हॉस्पिटल मोड़ के पास रख दिया और सड़क को घंटों जाम कर दिया.

प्रतिबंधित कफ सिरप नहीं बेचने पर डॉक्टर को मिली धमकी

बांका । बांका के रजौन थाना क्षेत्र के इस्लामपुर गांव में गुरुवार देर रात प्रतिबंधित कफ सिरप के सप्लायर्स ने डॉक्टर को जबरदस्ती कफ सिरप लेने का दबाव बनाने का मामला प्रकाश में आया है. इस दौरान सप्लायर्स डॉक्टर को जान से मारने तक की धमकी दे डालते हैं. ऐसी मामले को लेकर डॉक्टर ने थाने में शिकायत की है. इस्लामपुर के एक ग्रामीण चिकित्सक अफजल अली ने थाने में लिखित आवेदन देकर दो दवा सप्लायर पर आरोप लगाया है. पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है.

मुंगेर में पुलिस-एसटीएफ ने की छापेमारी, विस्फोटक बरामद

संवाददाता । मुंगेर

मुंगेर की पुलिस और एसटीएफ ने गुरुवार को सयुंक्त छापेमारी कर भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ बरामद किया है. इसके साथ ही तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार हुए व्यक्तियों की पुलिस ने पहचान कर ली है.

इनमें झारखंड के साहेबगंज मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र का रहने वाला प्रदीप मंडल, नयारामनगर थाना क्षेत्र के लोहचा बिंद टोली के रहने वाले दिलखुश कुमार उर्फ दिल्लो और बब्लू बिंद शामिल है. गिरफ्तार व्यक्तियों के पास से पुलिस ने 75 पीस डेटोनेटर, छह किलो सफेद विस्फोटक पदार्थ सहित दो मोबाइल बरामद किया है.

एसपी सैयद इमरान मसूद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि सूचना मिली थी कि झारखंड से कुछ लोग विस्फोटक पदार्थ लाकर नयारामनगर थाना अंतर्गत रतनपुर रेलवे स्टेशन के पास खरीद बिक्री कर रहे हैं. इसी सूचना पर मुंगेर की पुलिस और एसटीएफ की एक संयुक्त टीम का गठन किया गया.

कारोबार

आठ अप्रैल को खुलेगा गोपीकॉन का आईपीओ

नयी दिल्ली । इंजीनियरिंग निर्माण और विकास कंपनी तीर्थ गोपीकॉन लिमिटेड ने शुक्रवार को अपने आईपीओ के लिए कीमत 111 रुपये प्रति शेयर तय की. कंपनी का आईपीओ आठ अप्रैल को खुलेगा. अहमदाबाद स्थित कंपनी ने बयान में कहा कि उसकी एसएमई सार्वजनिक निर्गम के जरिये 44.40 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है. कंपनी का कारोबार मुख्य रूप से सड़क, सीवरेज और जल वितरण परियोजनाओं से जुड़ा है. बयान के मुताबिक, आईपीओ सोमवार को खुलेगा और 10 अप्रैल को बंद होगा.

एनएसई को सेबी की हरी झंडी का इंतजार

मुंबई । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) बहुप्रतीक्षित आईपीओ प्रक्रिया को शुरू करने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी का इंतजार कर रहा है. एनएसई के सीईओ आशीष कुमार चौहान ने कहा कि खुदरा निवेशकों को उच्च जोखिम वाले 'डेरिवेटिव्स' में कारोबार करने से बचना चाहिए और केवल इस बारे में जानकारी रखने वाले निवेशकों को ही ऐसे बाजारों में उतरना चाहिए. सेबी के पूर्व में कराए गए एक अध्ययन के अनुसार, 10 में से नौ कारोबारी 'डेरिवेटिव्स' कारोबार में पैसा गंवा देते हैं.

भारत यूरिया का आयात बंद कर देगा

नयी दिल्ली । रसायन व उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि भारत 2025 के अंत तक यूरिया का आयात बंद कर देगा. उन्होंने कहा कि घरेलू विनिर्माण पर बड़े पैमाने पर जोर देने से आपूर्ति और मांग के बीच अंतर को पाटने में मदद मिली है. मांडविया ने कहा कि भारतीय कृषि के लिए उर्वरकों की उपलब्धता बहुत महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा कि देश पिछले 60-65 साल से फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल कर रहा है. अब सरकार नैनो लिक्विड यूरिया और नैनो लिक्विड डाइ-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) जैसे वैकल्पिक उर्वरकों को बढ़ावा देने के प्रयास कर रही है.

मस्क की कंपनी टेस्ला ने बर्लिन में भारत के लिए कारों का निर्माण शुरू कर दिया

इस साल भारत आ सकती टेस्ला कार

भाषा । नयी दिल्ली

भारत में जिस टेस्ला कार की उम्मीद की जा रही है, उस पर काम शुरू हो चुका है. दरअसल एलन मस्क की इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली कंपनी टेस्ला ने गीगाफैक्ट्री बर्लिन में भारत के लिए राइट-हैंड ड्राइव कारों का प्रोडक्शन शुरू कर दिया है. कंपनी इस साल के अंत तक देश में कार ला सकती है. ब्रिटेन की फाइनेंशियल टाइम्स की मानें तो टेस्ला इस महीने भारत में एक टीम भेजेगी, जो देश में दो से तीन बिलियन डॉलर (16 हजार करोड़ से 25 हजार करोड़) के इलेक्ट्रिक कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए जगह की तलाश करेगी. रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रिक कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए टीम का ध्यान महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु जैसे ऑटोमोटिव हब वाले राज्यों पर होगा.

सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि कुछ व्हीकल मैन्युफैक्चरर्स के प्लांट हरियाणा में भी हैं, लेकिन टेस्ला की फैक्ट्री अन्य तीन राज्यों में होगी. इसकी वजह इन राज्यों की पोर्ट (बंदरगाह) हैं, जहां से कारों का एक्सपोर्ट आसान होगा. टेस्ला के भारत में एंट्री की यह खबर ऐसे समय में आई है जब केंद्र सरकार ने भारत को इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाने के लिए अपनी नई ईवी पॉलिसी को मंजूरी दे दी है. नई पॉलिसी में कंपनियों को कम से कम 4150 करोड़ निवेश का प्रावधान रखा गया है और अधिकतम निवेश पर कोई सीमा नहीं है. पॉलिसी के अनुसार, विदेशी कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को भारत में बिजनेस शुरू करने के तीन साल के अंदर देश में अपनी मैन्युफैक्चरिंग और ईवी का कॉमर्सियल प्रोडक्शन शुरू करना होगा.

इस संबंध में मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने पिछले महीने ही नोटिफिकेशन जारी कर दिया था. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कार के साथ बैटरी स्टोरेज सिस्टम भी बनाना और बेचना चाहती है. कंपनी ने इसके लिए भारतीय अधिकारियों के पास एक प्रपोजल दिया था. पिछले साल नवंबर में कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने कैलिफोर्निया में टेस्ला की मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी विजिट की थी. हालांकि, उस दौरान कंपनी के मालिक एलन मस्क मौजूद नहीं थे. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स में लिखा था कि आपका टेस्ला में आना सम्मान की बात है, कैलिफोर्निया नहीं आ पाने के लिए मुझे खेद है, लेकिन मैं फ्यूचर डेट में मीटिंग की आशा रखता हूं. पीयूष गोयल ने तस्वीरें शेयर करते हुए एक्स पर लिखा था कि प्रतिभाशाली भारतीय इंजीनियरों और फाइनेंस प्रोफेशनल्स को सीनियर पोजिशन पर काम करते हुए और टेस्ला की रिमार्केबल जर्नी में योगदान करते हुए देखकर बेहद खुशी हुई. गोयल ने कहा था कि एलन मस्क की मैग्नेटिक प्रेजेंस को मिस किया और मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं.

बता दें कि पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से न्यूयॉर्क में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने मुलाकात की थी. इस मुलाकात के बाद मस्क ने कहा था कि भारत में दुनिया के किसी भी बड़े देश की तुलना में अधिक संभावनाएं हैं. मैं भारत के भविष्य को लेकर उत्साहित हूं. मैं मोदी का फैन हूं. यह एक शानदार मुलाकात थी और मैं उन्हें काफी पसंद करता हूं. पीएम मोदी ने भी इस मुलाकात की तस्वीर ट्वीट करते हुए तब लिखा था कि आज आपसे शानदार मुलाकात हुई एलन मस्क. हमने ऊर्जा से लेकर आध्यात्मिकता तक के इश्यूज पर बातचीत की. 2022 में टेस्ला ने भारत आने की इच्छा जताई थी.

टेस्ला इस महीने एक टीम भेजेगी जो जगह खोजेगी

निर्माण शुरू

- कुछ व्हीकल मैन्युफैक्चरर्स के प्लांट हरियाणा में हैं
- टेस्ला भारत में बैटरी स्टोरेज सिस्टम बनाना चाहती है

नेक्सजेन

नोएडाः कंपनी के इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लॉन्च के मौके पर नेक्सजेन एनर्जिया के चेयरमैन पीयूष द्विवेदी.

रियल इस्टेट कंपनी पूर्वांकरा लि. की बिक्री 90 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी पूर्वांकरा लिमिटेड की बिक्री बुकिंग बीते वित्त वर्ष (2023-24) में बेहतर मांग की वजह से 90 प्रतिशत वृद्धि के साथ 5,914 करोड़ रुपये रही है. कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि वित्त वर्ष 2022-23 में उसकी बिक्री बुकिंग 3,107 करोड़ रुपये रही थी. बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में कंपनी की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 93 प्रतिशत बढ़कर 1,947 करोड़ रुपये रही जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 1,007 करोड़ रुपये थी. पूर्वांकरा लिमिटेड के प्रबंध निदेशक आशीष पूर्वांकरा ने कहा, कंपनी ने ग्राहक-केंद्रित सुविधाएं और गुणवत्ता पर ध्यान देते हुए वित्त वर्ष में 5,900 करोड़ रुपये का बिक्री आंकड़ा पार कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है. रियल एस्टेट कंपनी ने 31 दिसंबर, 2023 तक देश के नौ शहरों- बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोयंबटूर, मंगलुरु, कोच्चि, मुंबई, पुणे और गोवा में लगभग 4.8 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्रफल वाली 83 परियोजनाएं पूरी की थीं.

भारत का आयुर्वेद उत्पाद बाजार

16.27 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

नयी दिल्ली । भारत का आयुर्वेद उत्पादों का बाजार वित्त वर्ष 2027-28 तक 16.27 अरब डॉलर यानी 1.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है. एक अध्ययन रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है. आयुर्वेद प्रौद्योगिकी स्टार्टअप 'निरोगस्ट्रीट' ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्राकृतिक एवं हर्बल उपचार की बढ़ती मांग, आयुर्वेदिक चिकित्सकों की संख्या बढ़ने, सरकारी पहल और नए उद्यमियों के आने से आयुर्वेद उत्पाद बाजार तेजी से बढ़ रहा है. फिलहाल इसका बाजार सात अरब डॉलर यानी 57,450 करोड़ रुपये है. निरोगस्ट्रीट ने एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा कि भारत में आयुर्वेद उत्पाद बाजार वित्त वर्ष 2027-28 तक 1,20,660 करोड़ रुपये (16.27 अरब डॉलर) तक पहुंच जाने की उम्मीद है. सर्वेक्षण के मुताबिक, आयुर्वेदिक उत्पादों एवं सेवाओं का समग्र बाजार वित्त वर्ष 2022-23 से वित्त वर्ष 2027-28 तक 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि से बढ़ने का अनुमान है.

मैनपावर कट | कंपनी ने कार और स्मार्टवॉच डिस्प्ले प्रोजेक्ट बंद करने के बाद की छंटनी

एपल ने 600 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से हटाया

भाषा । नयी दिल्ली

कर्मचारियों की छंटनी न तो किसी कंपनी और न ही कर्मचारियों के लिए अच्छा माना जाता है. कभी कंपनी घाटे तो कभी प्रोजेक्ट बंद करने के नाम पर कर्मचारियों की छंटनी करती है. इसमें अमेरिकी कंपनी एपल भी शामिल है. एपल ने अपने 600 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया है. कंपनी ने कार और स्मार्टवॉच डिस्प्ले प्रोजेक्ट बंद करने के बाद इन पर काम कर रहे एंप्लॉइज की छंटनी की है. ब्लूमबर्ग के मुताबिक, एपल ने कैलिफोर्निया एम्प्लॉयमेंट डेवलपमेंट डिपार्टमेंट को दिए अलग-अलग आठ फाइलिंग में यह जानकारी दी है. रिपोर्ट में बताया गया है कि नेक्स्ट जनरेशन स्क्रीन डेवलपमेंट प्रोग्राम में सीक्रेट प्लेस पर काम कर रहे 87 लोग और कंपनी के कार प्रोजेक्ट का हिस्सा रहे लोगों को कंपनी ने हटाया है. कैलिफोर्निया में नियमों के मुताबिक कर्मचारियों को प्रभावित करने वाले हर फैसले की जानकारी एम्प्लॉइज डिपार्टमेंट को देनी होती है. रिपोर्ट के मुताबिक, कैलिफोर्निया के सांता क्लारा में एपल के मेन कार रिलेटेड ऑफिस में 371 कर्मचारियों के अलावा कई अन्य सैटेलाइट ऑफिस में लोगों की छंटनी हुई है. वहीं, कई लोगों को कंपनी के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पर्सनल रोबोटिक्स डिपार्टमेंट्स में ट्रांसफर कर दिया गया है. इन प्रोजेक्ट्स के बंद होने के चलते करीब 2000 कर्मचारी प्रभावित हुए हैं. हाल ही में एपल ने अपने दस साल पुराने कार प्रोजेक्ट को बंद कर दिया है. कंपनी पिछले एक दशक में इस प्रोजेक्ट पर अरबों डॉलर का इन्वेस्टमेंट किया, लेकिन इतने समय में कोई फिजिकल प्रोटोटाइप भी तैयार नहीं कर पाई थी. कंपनी पूरी तरह से ऑटोमैटिक और वॉइस कमांड पर चलने वाली कार बनाना चाहती थी. इसके लिए 2015 से शुरू हुए इस प्रोजेक्ट में अरबों डॉलर इन्वेस्ट भी कर चुकी थी. अगर यह प्रोजेक्ट सफल हो जाता तो कंपनी 2028 तक एक लाख डॉलर (करीब 82.90 लाख रुपए) की कीमत में कार को लॉन्च कर सकती थी. एपल अपनी पहली ईवी के लॉन्चिंग डेट को 2019, 2020, 2026 और 2028 के लिए रीशेड्यूल कर चुकी थी. रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के बोर्ड इस बात को लेकर सीईओ टिम कुक पर प्रोजेक्ट पर जल्द कोई ठोस प्लान तैयार करने या प्रोजेक्ट को बंद करने का दबाव भी बना रहे थे. इसका असर शेयर बाजार पर भी पड़ रहा है.

निकाले कर्मचारी

- कैलिफोर्निया में 371 कर्मचारियों की छंटनी हुई
- कई लोगों को एआई डिपार्टमेंट्स में ट्रांसफर किया

नीतिगत दर पर फैसले से रुपये को मिली मजबूती

नौ पैसे चढ़कर 83.30 प्रति डॉलर पर

एजेंसी । मुंबई

नीतिगत ब्याज दर को यथावत रखने के रिजर्व बैंक के फैसले के बीच अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नौ पैसे मजबूत होकर 83.30 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ. विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशों में प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने तथा कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी ने रुपये में तेज बढ़त पर अंकुश लगा दिया. अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.44 प्रति डॉलर पर खुला.

शुक्रवार को दिन के कारोबार में यह 83.26 के उच्चस्तर और 83.45 प्रति डॉलर के निचले स्तर के बीच रहने के बाद नौ पैसे की बढ़त के साथ 83.30 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ. गुरुवार को रुपया 14 पैसे की बढ़त के साथ 83.39 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था. मौद्रिक नीति पर रिजर्व बैंक का ध्यान कायम रहने से रुपये में तेजी आई. बीएनपी परिबा बाय शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति और जीडीपी अनुमानों को क्रमशः 4.5 प्रतिशत और सात प्रतिशत पर बरकरार रखा है. रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद कहा, विकसित हो रहे व्यापक आर्थिक एवं वित्तीय घटनाक्रम और परिदृश्य के विस्तृत मूल्यांकन के बाद रेपो दर को 6.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया गया है.

ब्रीफ खबरें

सड़क हादसे में पांच की मौत, पांच घायल

चंडीगढ़। पंजाब के फरीदकोट जिले में शुक्रवार को एक मिनी ट्रक और एक ट्रेलर की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गयी, जबकि पांच अन्य घायल हो गये . पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना कोटकपुरा-मोगा रोड पर हुई जब 10 यात्रियों को ले जा रहा एक मिनी ट्रक एक ट्रेलर ट्रक से टकरा गया. पुलिस ने बताया कि दो महिलाओं समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि घायल पांच अन्य लोगों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया.

50 लाख का गुटखा जब्त, एक गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने एक ट्रक से करीब 50 लाख रुपये का गुटखा जब्त कर उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया है. एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. सरकार ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को लेकर राज्य में गुटखा के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया है. अधिकारी ने बताया कि नारपोली पुलिस ने गुरुवार को दोपहर में भिवंडी इलाके में दापोडा रोड पर एक ट्रक को रोका और पाया कि उसमें विभिन्न ब्रांड का गुटखा रखा था. तंबाकू उत्पाद की कुल कीमत लगभग 50 लाख रुपये थी.

देसी बम बनाने के दौरान विस्फोट, एक की मौत

कन्नूर। केरल के कन्नूर जिले के उत्तरी हिस्से पनूर के पास देर रात को हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गयी जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया. पुलिस ने बताया कि घटना आधी रात के बाद करीब एक बजे हुई. विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि विस्फोट देशी बम के निर्माण के दौरान हुआ. उन्होंने बताया कि काइवेलिक्कल की रहने वाली शेरिन की कोझिकोड के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई. पुलिस के अनुसार, दूसरे घायल व्यक्ति विनेश की हालत गंभीर है.

इजराइल ने किया दो अधिकारियों को बर्खास्त

तेल अवीव। इजराइल की सेना ने शुक्रवार को कहा कि उसने गाजा में ड्रोन हमलों में भूमिका के लिए दो अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है. सेना ने तीन अन्य अधिकारियों को इस संबंध में चेतावनी दी है. इन हमलों में सात सहायता कर्मियों की मौत हो गई थी. सेना ने कहा कि इन अधिकारियों ने गोपनीय जानकारी का दुरुपयोग किया और सेना के नियमों का उल्लंघन किया था. फलस्तीनियों, सहायता समूहों और मानवाधिकार संगठनों ने कई बार इजराइली बलों पर नागरिकों पर लापरवाही से गोलीबारी करने का आरोप लगाया है.

उग्रवादी समूह नुसरा फ्रंट के सह-संस्थापक की मौत

इदलिब (सीरिया)। उत्तर-पश्चिमी सीरिया में गुरुवार देर रात एक आत्मघाती हमलावर द्वारा किए गए विस्फोट में, आतंकवादी संगठन अल-कायदा से जुड़े समूह के सीरियाई सह-संस्थापक की मौत हो गई. एक युद्ध निगरानीकर्ता ने यह जानकारी दी. कुछ कार्यकर्ताओं ने बताया कि बम विस्फोट में अबू मारिया अल-क़हतानी की मौत हो गई. अबू मारिया अल-क़हतानी का असली नाम मयसारा अल-दुबौरी था. अल-क़हतानी सीरिया में नुसरा फ्रंट का सह-संस्थापक था.

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने शुक्रवार को दक्षिण लंदन के ओवल क्रिकेट मैदान में क्रिकेट अभ्यास सत्र में भाग लिया. -फोटो : पीटीआई

कारण बताओ नोटिस जारी करने पर आतिशी ने कहा-

क्या निर्वाचन आयोग भाजपा का 'सहायक संगठन' है?

भाषा। नयी दिल्ली

दिल्ली की मंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता आतिशी ने शुक्रवार को 'कारण बताओ' नोटिस मिलने के बाद निर्वाचन आयोग (ईसी) पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या यह भाजपा का सहायक संगठन है. आतिशी को यह नोटिस उनकी इस टिप्पणी पर जारी किया गया था कि भाजपा ने उनसे संपर्क कर उन्हें या तो पार्टी में शामिल होने या एक महीने के भीतर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के लिए तैयार रहने के लिए कहा था. आप नेता आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा उन्हें ईमेल के जरिए नोटिस भेजे जाने से एक घंटे पहले भाजपा ने इसे मीडिया में लीक कर दिया. उन्होंने सवाल किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और चुनाव से पहले कांग्रेस के बैंक खाते को फ्रीज किए जाने के बाद निर्वाचन आयोग ने संबंधित केंद्रीय एजेंसियों को नोटिस क्यों नहीं जारी किया.

चुरू में आयोजित चुनावी सभा को पीएम ने किया संबोधित, कहा

दस वर्षों का काम तो केवल ट्रेलर है, अभी बहुत कुछ करना बाकी है

खास बातें

- हर पड़ाव पर भाजपा गरीब के साथ खड़ी है
- जब नीयत रहेगी, तो नतीजे भी सही होंगे

भाषा। जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार के बीते दस साल के काम को महज एक 'ट्रेलर' (नमूना) बताते हुए शुक्रवार को कहा कि अभी तो बहुत कुछ करना बाकी है तथा देश को बहुत आगे लेकर जाना है. विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि वे सिर्फ अपना हित देखते हैं, उन्हें गरीब, दलित, शोषित-वंचित वर्ग के कल्याण से, उनके सम्मान से कोई मतलब नहीं है. उन्होंने कहा कि सेनाओं का अपमान और देश का विभाजन कांग्रेस की पहचान है. मोदी चुरू में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी देवेंद्र झाझड़िया के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने केंद्र में अपनी सरकार के दस साल के कार्यकाल की तुलना रेस्टोरेंट में मुख्य भोजन से पहले परोसे जाने वाले 'ऐपेटाइजर' और फिल्म के ट्रेलर से की.

पूरी खाने की थाली बाकी है : पीएम ने कहा कि जीवन के हर पड़ाव पर भाजपा सरकार गरीब के साथ खड़ी है. जो काम इतने दशक में नहीं हुए वे हमने दस साल में कर दिखाए. इसलिए मैं कहता हूं कि जब नीयत सही होती है तो नतीजे भी सही होते हैं. मोदी ने कहा कि लोग तो कहते हैं कि पहले की सरकारों की तुलना में बहुत कुछ हुआ. लेकिन मोदी के मन की बात मैं आज चुरू में बता देता हूं.... जो अब तक हुआ है वह तो ट्रेलर है ट्रेलर. उन्होंने 'ऐपेटाइज़र' का जिक्र करते हुए कहा कि ये जो मोदी ने किया है न, वह तो ऐपेटाइजर है ऐपेटाइज़र... अभी तो पूरी खाने की थाली बाकी है.

भाजपा सरकार ने सेना को खुली छूट दी

कांग्रेस व 'इंडिया' गठबंधन पर हमला बोलते हुए मोदी ने कहा कि सेनाओं का अपमान, देश का विभाजन ये कांग्रेस पार्टी की पहचान है. जब तक 'इंडी' एलायंस के लोग सत्ता में रहे उन्होंने हमारे जवानों के हाथ बांधकर रखे. दुश्मन हमला करके चला जाता था. ये हमारे जवानों को जवाब देने की इजाजत नहीं देते थे. हमारे जवान ''वन रैंक वन पेंशन'' की मांग करते थे. कांग्रेस ने इसे भी पूरा नहीं होने दिया. हमारी सरकार बनी तो हमने सैनिकों को 'वन रैंक वन पेंशन' का अधिकार भी दिया और सीमा पर पलटवार करने की खुली छूट भी दी.

हताशा-निराशा जैसी चीजें मोदी के पास नहीं फटक सकतीं

पीएम ने कहा कि आज पूरा देश विकसित भारत के संकल्प पर काम कर रहा है और इसमें राजस्थान की बहुत बड़ी भूमिका है. जब राजस्थान विकसित होगा तो भारत भी विकसित होगा. बीते दस साल में मोदी ने देश में जो काम किए हैं, उन्होंने विकसित भारत की नींव तैयार कर दी है. आज पूरी दुनिया हैरान है कि भारत इतनी तेजी से कैसे विकास कर रहा है. मोदी ने कहा कि जो काम इतने दशक में नहीं हुए वो हमने दस साल में करके दिखाए. इसलिए मैं कहता हूं कि जब नीयत सही तो नतीजे सही होंगे. हताशा-निराशा जैसी चीजें मोदी के पास भी नहीं फटक सकतीं और मैंने तय किया कि हालात बदलने ही होंगे. और मेरे लिए तो मेरा भारत मेरा परिवार है. हमने ईमानदारी से काम किया.

नया भारत दुश्मन को घर में घुसकर मारता है

उन्होंने कहा कि आज दुश्मन को भी पता है कि यह मोदी है, यह नया भारत है. यह नया भारत घर में घुसकर मारता है. प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन वाले सिर्फ अपना हित देखते हैं. इन्हें गरीब, दलित, शोषित-वंचित के कल्याण से, उनके सम्मान से कोई मतलब नहीं है. ये वही लोग हैं जिन्होंने कभी बाबा साहेब अंबेडकर का सम्मान नहीं किया.

कांग्रेस ने हमेशा तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी

मोदी ने कहा कि देश हित से भी ज्यादा कांग्रेस ने हमेशा तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी है. ये वे लोग हैं जिन्होंने अदालत में जाकर कहा था कि प्रभु श्री राम तो काल्पनिक हैं. उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है वह जरूर करती है और यह दूसरे दलों की तरह केवल घोषणापत्र जारी नहीं करती. हम तो संकल्प पत्र लेकर आते हैं. 2019 में हमने जो संकल्प पत्र जारी किया था उसके ज्यादातर संकल्प पूरे हो चुके हैं. कश्मीर में धारा 370 खत्म हो चुकी है, तीन तलाक पर कानून हमारी मुस्लिम बहनों की मदद कर रहा है. लोकसभा में महिलाओं के लिए आरक्षण का कानून भी संसद ने पारित कर दिया है. मोदी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दस साल में एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त की है.

नौकरशाहों से जुड़े कूलिंग ऑफ पीरियड संबंधी याचिका खारिज

भाषा। नयी दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने लोक सेवकों को सेवानिवृत्ति या इस्तीफे के तुरंत बाद चुनाव लड़ने से रोकने के लिए एक निश्चित समयसीमा तक की बंदिश (कूलिंग ऑफ पीरियड) निर्धारित करने को लेकर निर्वाचन आयोग की 2012 की सिफारिशें लागू करने संबंधी एक याचिका पर विचार करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया. न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता एवं पूर्व सांसद जी. वी. हर्ष कुमार को उचित प्राधिकारी से संपर्क करने की स्वतंत्रता के साथ याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी. याचिका में निर्वाचन आयोग की 2012 की सिफारिशों और लोक सेवा सुधार समिति की जुलाई 2004 की रिपोर्ट लागू करने का केंद्र और आयोग को निर्देश देने का अनुरोध किया गया था, ताकि सरकारी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति या सेवा से इस्तीफे के तुरंत बाद, कूलिंग ऑफ पीरियड तक एक राजनीतिक पार्टी के टिकट पर विधानमंडल, संसद या राज्य विधानसभा का चुनाव लड़ने से रोका जा सके. इसमें केंद्र से उन नौकरशाहों को एक पेंशन के निर्देश का भी अनुरोध किया गया था, जिन्होंने विधानसभा और संसद सदस्य के रूप में कार्य किया है. यह याचिका वकील श्रवण कुमार करणम के माध्यम से शीर्ष अदालत में दायर की गई थी. पीठ ने कहा कि यह रिपोर्ट 2012 की थी.

ये सिफारिशें दो दशक पहले भी की गई थीं

याचिका में कहा गया था कि याचिकाकर्ता 2004 से 2014 के बीच लोकसभा सदस्य रहे थे. 2012 में निर्वाचन आयोग और 'सेंटर फॉर सिविल सर्विस रिफॉर्म्स' से संबंधित समिति ने नौकरशाहों और लोक सेवकों को राजनीति में प्रवेश करने एवं चुनाव लड़ने के लिए एक कूलिंग ऑफ पीरियड की सिफारिश की थी, लेकिन ये सिफारिशें दो दशक पहले की गई थीं, इसके बावजूद इन्हें लागू नहीं किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप कई नौकरशाह, न्यायाधीश सार्वजनिक सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले लेते हैं और बिना किसी कूलिंग ऑफ पीरियड के किसी राजनीतिक दल में शामिल होकर तुरंत चुनाव लड़ने का विकल्प चुनते हैं.

निर्दलीय सांसद सुमलता भाजपा में शामिल हुईं

बेंगलुरु। कर्नाटक के मांड्या से निर्दलीय सांसद सुमलता अंबरीश शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं. भाजपा के वरिष्ठ नेता बी एस येदियुरप्पा, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक, कर्नाटक में चुनाव प्रभारी एवं राष्ट्रीय महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल और पूर्व सीएम डीवी सदानंद गौड़ा उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने 60 वर्षीय सुमलता का यहां भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पार्टी में स्वागत किया. आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कर्नाटक में हुए सीट-बंटवारे के समझौते के तहत, भाजपा राज्य की 28 लोकसभा सीट में से 25 पर और जद(एस) मांड्या सहित शेष तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी. मांड्या सीट से पूर्व मुख्यमंत्री एच. डी कुमारस्वामी मैदान में हैं. अभिनेत्री से नेता बनीं सुमलता ने बुधवार को कहा था कि वह आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी और भाजपा में शामिल होंगी.

ईसी ने कम मतदान वाली 266 संसदीय सीटों की पहचान की

भाषा। नयी दिल्ली

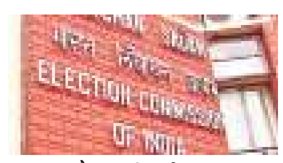

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने कम मतदान वाले कुल 266 संसदीय क्षेत्रों की पहचान की है और वह लोकसभा चुनावों में इन क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए योजना बना रहा है. इन 266 संसदीय क्षेत्रों में से 215 ग्रामीण इलाकों में हैं. प्रमुख शहरों के नगर निगम आयुक्तों और बिहार और उत्तर प्रदेश के चुनिंदा जिला चुनाव अधिकारियों (डीईओ) ने चिह्नित शहरी और ग्रामीण लोकसभा सीटों में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने पर यहां चर्चा की. निर्वाचन आयोग ने कम मतदान को लेकर आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि कम मतदान वाले 266 संसदीय क्षेत्रों की पहचान की गई है जिनमें से 215 ग्रामीण और 51 शहरी क्षेत्र हैं. बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, तेलंगाना, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और झारखंड सहित 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 2019 के लोकसभा चुनावों में राष्ट्रीय औसत 67.40 प्रतिशत से कम मतदान हुआ था. प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने जोर देकर कहा कि 'एक जैसा रुख सभी के लिए उपयुक्त है' वाला दृष्टिकोण इस मामले में काम नहीं आएगा. उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों और खंडों के लिए अलग-अलग रणनीतियों पर काम करने की वकालत की.

अमेरिका के टेक्सास में बच्चे को दागने का मामला

हिंदू मंदिर के खिलाफ किया मुकदमा दायर, मांगा हर्जाना

भाषा। ह्यूस्टन

अमेरिका के टेक्सास प्रांत में भारतीय मूल के एक व्यक्ति ने एक हिंदू मंदिर और उससे संबंधित कंपनी पर 10 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक के हर्जाने की मांग करते हुए मुकदमा दायर किया है. व्यक्ति के 11 वर्षीय बेटे को 2023 में एक धार्मिक समारोह के दौरान लोहे की गर्म छड़ से दागा गया था. फोर्ट बेंड काउंटी के निवासी विजय चेरुवु ने कहा कि पिछले साल अगस्त में टेक्सास के शुगरलैंड में श्री अष्टलक्ष्मी हिंदू मंदिर में एक धार्मिक समारोह के दौरान उनके बेटे को लोहे की गर्म छड़ से दागा गया था. फोर्ट बेंड काउंटी में इस सप्ताह दायर एक वाद के अनुसार, लड़के को अत्यधिक दर्द हुआ था और उसकी उस जगह की त्वचा विरूपित हो गई थी. मंदिर और उसके मूल संगठन, जीयर एजुकेशनल ट्रस्ट (जेईटी) यूएसए, इंक. के खिलाफ मुकदमे में चेरुवु 10 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक की क्षतिपूर्ति की मांग कर रहे हैं.

चुनाव आयोग की टीम ने एक करोड़ नकद जब्त किए

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में निर्वाचन आयोग द्वारा तैनात उड़न दस्ते और सर्विलांस टीम ने लॉन्गडिंग जिले में एक वाहन से एक करोड़ रुपये की नकदी जब्त की है. पुलिस ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि आयोग की टीमों ने गुरुवार शाम को कानुबड़ी जांच चौकी पर वाहन से नकदी जब्त की. उन्होंने बताया कि यह वाहन एक निजी निर्माण कंपनी के कार्यकारी निदेशक हर्षवर्धन सिंह के नाम पर पंजीकृत है. अधिकारी के मुताबिक, यह वाहन मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा के काफिले के पीछ-पीछे जा रहा था.

बाबरी मस्जिद, गुजरात दंगे के अलावा कई टॉपिक के संदर्भ में किया गया संशोधन

एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में बदलाव

भाषा। नयी दिल्ली

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने अपनी पाठ्यपुस्तकों में बदलाव करते हुए अयोध्या में बाबरी मस्जिद गिराए जाने, गुजरात दंगों में मुसलमानों के मारे जाने, हिंदुत्व और मणिपुर के भारत में विलय के संदर्भ संशोधन किया है. यह संशोधन कक्षा 11 और 12 तथा अन्य की राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों में किया गया है. एनसीईआरटी की पाठ्यक्रम मसौदा समिति द्वारा तैयार किए गए बदलावों का विवरण देने वाले एक दस्तावेज के अनुसार, राम जन्मभूमि आंदोलन के संदर्भों को राजनीति में नवीनतम घटनाक्रम के अनुसार संशोधित कर दिया गया है. कक्षा 11 की पाठ्यपुस्तक में धर्मनिरपेक्षता से जुड़े अध्याय 8- भारतीय राजनीति में हालिया घटनाक्रम में, 'अयोध्या विध्वंस' का संदर्भ हटा दिया गया है. इसे बदलकर अब 'राम जन्मभूमि आंदोलन की विरासत क्या है?' कर दिया गया है.

धर्मनिरपेक्षता से जुड़े अध्याय-8 में संशोधन

कक्षा 11 की पाठ्यपुस्तक में धर्मनिरपेक्षता से जुड़े अध्याय-8 में पूर्व में कहा गया था, '2002 में गुजरात में गोधरा कांड के बाद हुए दंगों में 1,000 से अधिक लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर मुस्लिम थे.' संशोधन के बाद इस वाक्य को अब बदलकर' 2002 में गुजरात में गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के दौरान 1,000 से अधिक लोग मारे गए' कर दिया गया है. बदलाव के पीछे एनसीईआरटी का तर्क है कि किसी भी दंगे में सभी समुदायों के लोगों का नुकसान होता है. यह सिर्फ एक समुदाय नहीं हो सकता.

कॅरियर-काउंसिलिंग

रिटेल मैनेजमेंट में दमदार करियर ऑप्शन, जानें कोर्स डिटेल्स

रजनीश प्रसाद। रांची

रिटेल मैनेजमेंट एक ऐसी प्रक्रिया है, जो देश के विभिन्न स्टोर्स से ग्राहकों को उनके इस्तेमाल के लिए जरूरत की वस्तुएं खरीदने में मदद करती है. इस प्रक्रिया में ग्राहकों को रिटेल स्टोर में निमंत्रित करने से लेकर उनकी सारी जरूरी खरीददारी की सुविधा उपलब्ध करवाने से जुड़े अनेक कार्य शामिल होते हैं. इससे एक और फायदा यह है कि ग्राहक अपने समय की बचत अच्छे से कर लेता है क्योंकि उसे अपने सारे जरूरत का सामान एक स्टोर से ही उपलब्ध हो जाता है.

स्किल्स

रिटेल मैनेजमेंट कोर्स के लिए किन स्किल्स की जरूरत होती है, यह इस प्रकार है:

- खुदरा क्षेत्र में गहरी दिलचस्पी
- महत्वपूर्ण सोच
- संचार कौशल
- नेतृत्व की विशेषता
- तुरंत निर्णय लेने का कौशल
- समस्या समाधान करने की कुशलताएं
- साधन-संपन्न
- अनुकूलन क्षमता
- नैतिक
- रणनीतिक सोच

प्रवेश परीक्षाएं

रिटेल मैनेजमेंट कोर्स में एडमिशन लेने के लिए प्रवेश परीक्षाओं की लिस्ट नीचे दी गई है-

- आईपीयू सेट
- एआईएमए यूजीएटी
- सीयूईटी
- डीयू जेट
- सीएसआईआर जेआरएफ
- कैट
- जैट

भारत में टॉप यूनिवर्सिटीज

भारत में रिटेल मैनेजमेंट कोर्स के लिए टॉप यूनिवर्सिटीज इस प्रकार हैं:

- नेशनल स्किल डेवलपमेंट कैंपेन, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ रिटेल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ रिटेल मैनेजमेंट, मुंबई
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ रिटेल, बैंगलोर
- शांति निकेतन कॉलेज ऑफ एजुकेशन, श्रीनगर
- रिटेल एक्सीलेंस अकेडमी, नई दिल्ली
- मनी कम्युनिकेशन इंस्टिट्यूट, अहमदाबाद
- बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड हायर स्टडीज, नोएडा
- नरसी मोंजी इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड हायर स्टडीज, मुंबई
- पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन, नई दिल्ली

विदेश में टॉप यूनिवर्सिटीज

विदेश में रिटेल मैनेजमेंट कोर्स के लिए टॉप यूनिवर्सिटीज इस प्रकार हैं :

1. मिनेसोटा विश्वविद्यालय
2. रायर्सन विश्वविद्यालय
3. पर्ड्यू विश्वविद्यालय
4. सेंट्रल मिशिगन
5. ईस्टर्न केंटकी
6. फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी
7. सिनसिनाटी विश्वविद्यालय
8. कॉलेज डबलिन विश्वविद्यालय
9. मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी
10. कला विश्वविद्यालय लंदन

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)